जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, रविवार 6 जुलाई, 2025

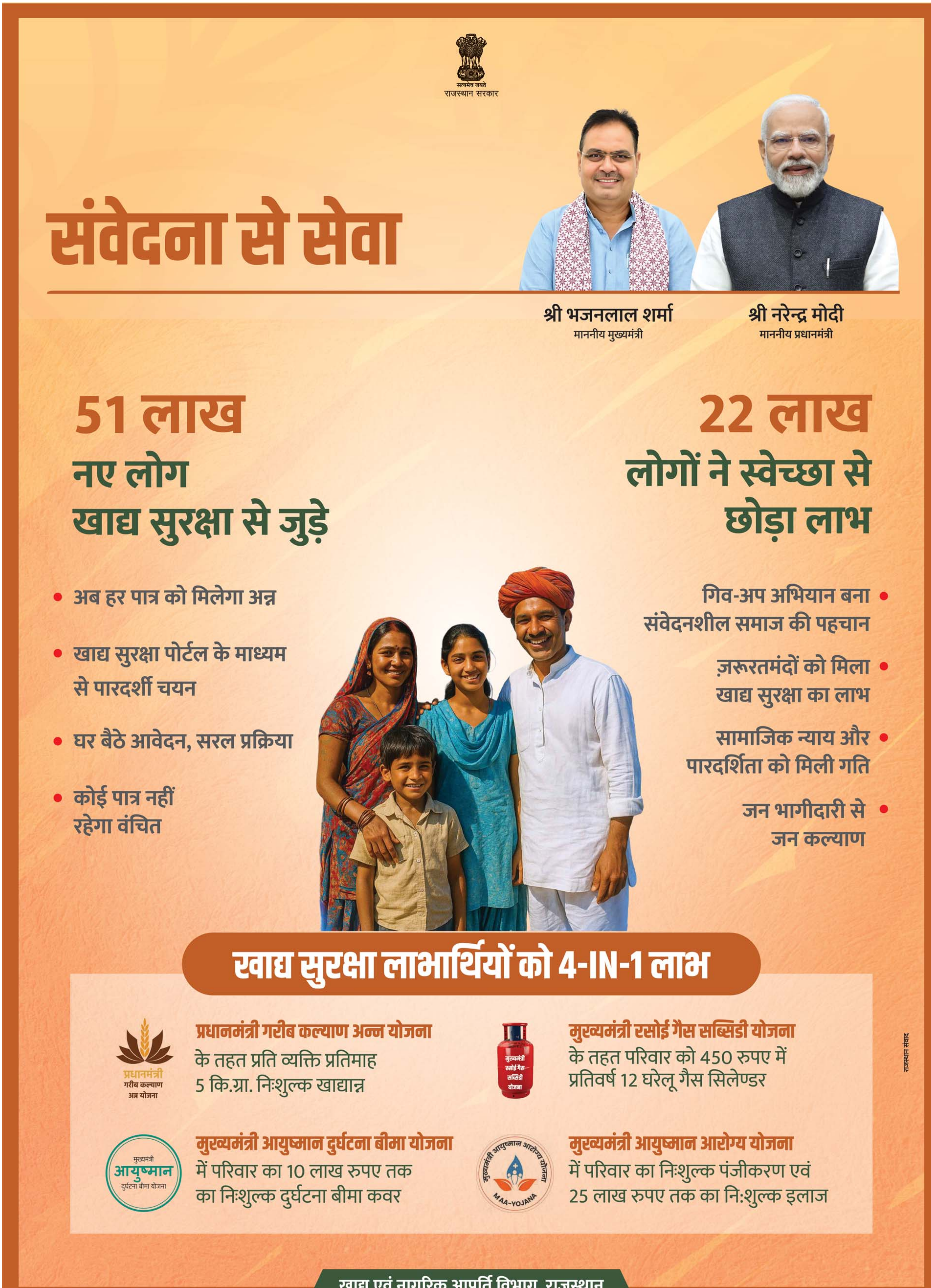

विचार बिन्दु

आत्मविश्वास, आत्मज्ञान और आत्म संयम, केवल यही तीन जीवन को परम शांति सम्पन्न बना देते हैं। -टेनीसन

रामचरितमानस की समकालीन व्याख्या के दार्शनिक सूत्र

रामचरितमानस पर विगत शताब्दियों में असंख्य टीकाएँ, भाष्य और प्रवचन हुए हैं-किंतु उनमें अधिकांश या तो कथा-प्रवाह के रूप में सीमित रहे हैं, या केवल धार्मिक और भावनात्मक पक्ष को ही प्रतिध्वनित करते रहे हैं। समकालीन वैश्विक विमर्शों-जैसे मानव उत्कर्ष, आत्मबोध, नैतिक नेतृत्व, संज्ञानात्मक विज्ञान, प्रसन्नता का विज्ञान, प्रज्ञा का विज्ञान, जीवन में अर्थ की अनुभूति और नैतिक निर्णय का मनोविज्ञान आदि-के आलोक में मानस के सैद्धांतिक पद्यों की गूढ़ व्याख्या की जो आवश्यकता थी, वह अब तक उपेक्षित रही है। यह प्रस्तुति इस रिक्ति की पूर्ति का एक निष्ठावान प्रयास है-जिसमें तुलसीकृत पदों को आधुनिक मानव के बौद्धिक, नैतिक, भावनात्मक और सामाजिक जीवन से इस प्रकार जोड़ा गया है कि वे पूज्य रहकर भी प्रयोज्य बनें; केवल कथ्य न रहकर पथ्य बनें। ऐसी समन्वित, संवादधर्मी और तात्त्विक व्याख्या पूर्ववर्ती परंपरा में दुर्लभ है-और संभवतः पहली बार इस प्रकार के विमर्श में मानस को वैश्विक और समसामयिक अर्थ-स्तरों पर प्रतिष्ठित किया गया है।

नवोन्मेषी, तात्त्विक और समसामयिक दृष्टिकोण से की गई रामचरितमानस की यह व्याख्या आज के वैश्विक परिदृश्य में केवल आध्यात्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक, मानसिक, आर्थिक, नैतिक, पर्यावरणीय और वैश्विक शांति के स्तर पर भी एक गहन मार्गदर्शक बनकर उभरती है। आज जब विश्व समाज मानसिक स्वास्थ्य संकट, सामाजिक विषमता, आर्थिक असंतुलन, नैतिक भ्रम, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय पतन और अंतरराष्ट्रीय तनावों के दौर से गुजर रहा है-तब मानस का यह पुनर्पाठ आत्मबोध, करुणा, अर्थपूर्ण जीवन, और विवेकपूर्ण निर्णय की ओर एक ठोस सांस्कृतिक-सांवैधानिक सेतु प्रस्तुत करता है, जो मानव उत्कर्ष के समकालीन वैज्ञानिक प्रतिमानों से गहराई से मेल खाता है।

सामाजिक स्तर पर यह व्याख्या सम्मान, संवाद और समावेशिता के माध्यम से सामाजिक बंधुत्व और न्याय आधारित सह-अस्तित्व को पोषित करती है। आर्थिक क्षेत्र में यह सीमित उपभोग, नैतिक उत्पादन और सहकारी विकास की प्रेरणा देती है। पारिवारिक जीवन में यह स्नेह, श्रम और सम्मान के तंतु बुनती है, जो सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य और आपसी विश्वास की आधारशिला बनाते हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से मानस की के माध्यम से पृथ्वी को धर्मस्वरूप मानने की चेतना को पुनर्स्थापित करती है-जो आधुनिक पारिस्थितिक नैतिकता और जलवायु न्याय से सीधे जुड़ती है। यह दृष्टि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, संवाद और संतुलन को प्राथमिकता देती है।

और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर-जहाँ युद्ध, उग्रवाद, और सभ्यताओं के संघर्ष की आशंकाएँ गहराती जा रही हैं-रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

इस प्रकार यह समन्वित व्याख्या रामचरितमानस को केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि 21वीं सदी की बहुआयामी वैश्विक चुनौतियों-मानवता, प्रकृति और विश्व व्यवस्था-के समाधान का एक जीवंत स्त्रोत बनाकर प्रस्तुत करती है। यह अतीत के शाश्वत सत्य को वर्तमान की भाषा में अनुवादित कर भविष्य की दिशा प्रस्तावित करती है-जहाँ आस्था और बौद्धिकता, परंपरा और नवोन्मेष,भारत और विश्व-एक ही संवाद में समाहित हो सकें।

रामचरितमानस केवल एक भक्तिग्रंथ नहीं, अपितु भारतीय चेतना की बहुलवर्णी धारा है, जिसमें शब्द केवल वर्ण नहीं, जीवित मूल्य बनकर प्रवाहित होते हैं। यह काव्य उस सांस्कृतिक आत्मा का साक्षात् रूप है, जो युगों-युगों से मानव को केवल ईश्वर की ओर नहीं, अपने भीतर की समष्टिगत दिव्यता की ओर ले जाती रही है। इसके पद्यरूप-दोहा, चौपाई, सोरठा और विविध छंद-जैसे विभिन्न स्तरों पर एक ही सत्य की बहुभाषिक अभिव्यक्ति हैं। उनमें कथा की सरलता, भावना की तीव्रता और सिद्धांत की गंभीरता का ऐसा त्रिवेणी-संगम है, जो मानस को केवल पाठ नहीं, प्रज्ञा, प्रेम और पुरुषार्थ का अद्वितीय प्रकाशपुंज बना देता है। इसीलिए, इस व्याख्या का ध्येय केवल व्याख्यान नहीं, आत्मसात् है-जिसमें हम मानस के सैद्धांतिक पद्यांशों को समकालीन दृष्टिकोण से देखने का साहस करें, और उन्हें जीवन में उतारने की दिशा प्राप्त करें।

रामचरितमानस की रचना केवल एक काव्य नहीं, अपितु एक समग्र जीवन-दर्शन है, जो भाषा, भक्ति और बुद्धि को समान रूप से आलोकित करता है। इसमें प्रयुक्त दोहे, चौपाइयाँ, सोरठे और छंद केवल भावनात्मक कविता नहीं हैं, वे अर्थ, भावना और दृष्टि के वाहक हैं।

रामचरितमानस की यह मानवतावादी व्याख्या परहित सरिसधरमनहिं भाई जैसे मूल्यों को विश्व चेतना में स्थापित कर सकती है। यह शांति केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि अंतः शांति, सांस्कृतिक सहिष्णुता, और नैतिक कूटनीति के मार्ग से आती है। इस संदर्भ में मानस की यह प्रस्तुति वैश्विक शांति-निर्माण और संघर्ष-परिवर्तन के लिए एक नैतिक-दार्शनिक ढांचा प्रदान करती है।

तुलसीदास ने इस ग्रंथ में ऐसी रचनात्मक संरचना की है जो कथा, भावना और सिद्धांत-तीनों को समान समर्पण से प्रस्तुत करती है। यदि हम इसकी पद्यविन्यास को अंतर्वस्तु के आधार पर देखें, तो मोटे रूप में तीन प्रकार के पद्य-कथानक, भावप्रधान और सैद्धांतिक-स्पष्ट होते हैं।

कथानक अंशों में रामकथा के विविध प्रसंग-जैसे श्रीराम का जन्म, वनगमन, युद्ध और राज्याभिषेक-का प्रवाह होता है। ये चौपाइयाँ कथा की गति को वहन करती हैं, पर वे केवल घटनाओं का विवरण नहीं, नैतिक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती हैं। ये पद्य आज के समय में लोकहितकारी नेतृत्व जैसे विचारों को प्रत्यक्ष या प्रतीकात्मक रूप में प्रकट करते हैं।

भावप्रधान अंश मानस की आत्मा हैं। ये वे पद्य हैं जो श्रद्धा, प्रेम, करुणा, त्याग और भक्ति जैसे भावों को गहराई से स्पर्श करते हैं। ये केवल भक्तिपूर्ण अभिव्यक्तियाँ नहीं, बल्कि पूर्ण आत्मसमर्पण और आत्म-दया की उस परंपरा से जुड़ी हैं जो आज मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और आत्म-स्वीकृति के विमर्शों में अत्यंत प्रासंगिक मानी जाती है।

परंतु सबसे महत्वपूर्ण, और आज के संदर्भ में अत्यंत उपयोगी, मानस के सैद्धांतिक पद्य हैं। यहीं वह गूढ़ तत्व प्रकट होता है जो रामचरितमानस को एक सार्वकालिक जीवन-संहिता बना देता है। इन अंशों में तुलसीदास ने वैदिक ज्ञान, उपनिषदों की तत्वमीमांसा, भक्ति-सूत्रों की भावना और योगदर्शन की मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टियों को अत्यंत सरल अवधी भाषा में प्रस्तुत किया है। यह केवल आध्यात्मिक अनुभूति नहीं, बल्कि संज्ञानात्मक-भावनात्मक आरोपण का सूत्र है-जिससे यह समझा जा सकता है कि व्यक्ति जैसा सोचता है, वैसा ही अनुभव करता है। उसकी चेतना जिस प्रकार ढली होती है, उसी प्रकार उसका ईश्वर, संसार और स्वयं का बोध निर्मित होता है।

इन सैद्धांतिक अंशों को समकालीन संदर्भ में समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि आज मानवता केवल बाह्य संसाधनों से नहीं, आंतरिक क्षमताओं से भी संघर्ष कर रही है। आज का वैश्विक विमर्श मानव उत्कर्ष की ओर उन्मुख है, जिसमें केवल शारीरिक या आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि भावनात्मक संतुलन, आत्मबोध, नैतिक स्पष्टता, संबंधबुद्धि और उद्देश्यपरक जीवन को मिलाकर समग्र जीवन की परिकल्पना की जाती है। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इसी दिशा में सूक्ष्म और प्रासंगिक मार्गदर्शन देते हैं।

नीतिपरक कथनों में संबंधों की परीक्षण-क्षमता, गुणधर्म आधारित नैतिकता और संकट में धैर्य एवं दृढ़ता जैसे तत्त्व अंतर्निहित होते हैं-जो आज के नेतृत्व और मनोविज्ञान के केंद्र में हैं। ये केवल आदर्श स्थापित नहीं करते, बल्कि मूल्याधारित प्रतिक्रिया को संभव बनाते हैं।

इसी प्रकार समावेशी चेतना और गहन सहानुभूतिजैसी अवधारणाएँ, जो आज के वैश्विक नैतिक विमर्श का आधार हैं, मानस के उन सूत्रों में सहजता से व्यक्त होती हैं जहाँ प्रत्येक प्राणी को राममय देखा जाता है। यह दृष्टि केवल धार्मिक सहिष्णुता नहीं सिखाती, बल्कि आंतरिक गरिमाऔर सार्वभौमिक सम्मान का अभ्यास कराती है।

समकालीन वैश्विक दर्शन में भी वही अंतर्दृष्टियाँ अब पुनःप्रगट हो रही हैं-जैसे अस्तित्ववादी मनोविज्ञान में अर्थ-रचना की भूमिका, सकारात्मक मनोविज्ञान में कृतज्ञता, करुणा और उद्देश्य, तंत्रिका-विज्ञान में ध्यानात्मक अवस्थाओं द्वारा मानसिक लचीलापन और सार्वजनिक नैतिकता में गरिमा-आधारित नेतृत्व आदि हैं। रामचरितमानस के सैद्धांतिक पद्य इन सभी से गहन संवाद करते हैं-उनसे टकराते नहीं, बल्कि उन्हें नवाचारी, कल्याणकारी और पूरक दृष्टि प्रदान करते हैं।

इसलिए जब मैं रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंशों की समकालीन व्याख्या करता हूँ, तो मेरा उद्देश्य केवल परंपरा का अनुकरण करना नहीं, बल्कि संवादात्मक ज्ञान का अभ्यास करना है। यह प्रयास इस विश्वास से प्रेरित है कि मानस न तो केवल पूज्य ग्रंथ है, न केवल सांस्कृतिक स्मृति है। यह एक जीवंत जीवन-व्यवस्था है, जिसमें व्यक्ति की चेतना, उसका चरित्र और उसका समुदाय-तीनों के लिए गहरा मार्गदर्शन समाहित है। यदि हम इसे केवल पूजेंगे, तो यह मूर्ति बनकर रहेगा। यदि इसे समझेंगे, तो यह दर्पण बनेगा। और यदि इसे जीएँगे, तो यह जीवन-पद्धति बन जाएगा-जिससे न केवल व्यक्ति, बल्कि समाज और संस्कृति-तीनों स्पष्टता, श्रद्धा और विवेक के साथ समृद्ध हो सकेंगे। यही मानस का समकालीन और वैश्विक सत्य है।

आज जब मानवता बाह्य साधनों की प्रचुरता और आंतरिक दिशाहीनता-दोनों के द्वंद्व में उलझी हुई है, तब रामचरितमानस के सैद्धांतिक अंश हमें स्थायित्व, विवेक और करुणा की पुनःस्थापना का आव्हान करते हैं। यह ग्रंथ हमें स्मरण कराता है कि अध्यात्म केवल सन्यास नहीं, अपितु संलग्न कर्म में सार्थकता की खोज है; कि भक्ति केवल भावुकता नहीं, अपितु समर्पित विवेक का नाम है; और कि जीवन की प्रत्येक चुनौती-चाहे वह व्यक्तिगत हो या सामाजिक-उसकी गूंज मानस की किसी चौपाई में पूर्वाभासित है। जब हम इन गूढ़ पद्यों को समकालीन संदर्भ में समझते हैं, तो न केवल ग्रंथ जीवंत होता है, बल्कि हम स्वयं भी अधिक जागरूक, उत्तरदायी और करुणाशील मानव बनते हैं। यही रामचरितमानस की सार्वकालिक और सार्वभौमिक विजय है-कि वह समय के साथ, हर युग के साथ और अधिक प्रासंगिक हो उठता है।

व्याख्या जारी रहेगी!

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा - अलवर जिले में सफलता मिली

राज्य सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभांवित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे की मुहिम चलाई जा रही है। पखवाडे के तहत गांव-गांव में शिविर लगाकर 30 से अधिक विभागों के कार्मिकों द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर सरकार की 63 योजनाओं व सेवाओं का लाभ आमजन को मौके पर ही उपलब्ध करवाया जा रहा है।

शिविरों में ये हो रहे हैं काम :- शिविर में सीमाज्ञान, नामांतरण, पत्थरगढ़ी, रास्ते, भूमि आवंटन जैसे लंबित प्रकरणों का निस्तारण,राजस्व मंडल से तलब अभिलेखों का निष्पादन, अटल ज्ञान केन्द्र हेतु भूमि/भवन चिन्हित करना,21,000 रूपए की डीबीटी प्रोत्साहन राशि का वितरण, बीपीएल परिवारों का सत्यापन, सर्वेक्षण और योजनाओं को जोड़ना, स्वामित्व पट्टों का वितरण, जलग्रहण संरचनाओं की मरम्मत, बिजली के झूलते तार, पोल और वृक्षों की छंटाई, लंबित नल कनेक्शन और टंकी की सफाई, पेयजल लाइन में प्रेशर सुधार, पाइपलाइन मरम्मत और लीकेज निवारण, नहरों की सफाई, गाद निकासी, गेट ग्रीसिंग, बाराबंदी, खाल-आड़ विवादों का समाधान, हस्तांतरित जल संरचनाओं की मरम्मत, ड्रिप, फव्वारा योजनाओं की स्वीकृति,मृदा नमूना और स्वास्थ्य कार्ड वितरण, पौधारोपण, नर्सरी से पौधा वितरण,एनएफएसए के लंबित प्रकरणों का समाधान, आधार सीडिंग, ई-केवाईसी, नए पात्र परिवारों का समावेश।

महेश को मिली गृह प्रवेश की खुशियां :- अलवर जिले की रैणी तहसील की ग्राम पंचायत सालोली में आयोजित अन्त्योदय शिविर ग्राम सालोली निवासी महेश चंद जांगिड के लिए गृह प्रवेश की खुशियां लेकर आया। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिले पक्के घर में उपखण्ड अधिकारी रैणी ने महेश चंद को विधिवत गृह प्रवेश कराकर नए घर की शुभकामनाएं दी।

लाभार्थी महेश ने बताया कि वह वर्षों से कच्चे घर में रह रहा था तथा आर्थिक स्थिति से कमजोर होने के कारण घर को पक्का नहीं करा पा रहा था। बरसात के दिनों में घर टपकता था जिससे पूरा परिवार रात-रात भर बैठे ही निकाल देता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने पक्के घर में मेरा पूरा परिवार अब हर मौसम में आराम से रह रहा है।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा पक्का घर बन पाएगा, परंतु प्रधानमंत्री आवास योजना ने मेरे पक्के घर का सपना साकार किया है। लाभार्थी ने पक्के घर की सौगात देने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं शिविर के माध्यम से लाभांवित करने पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

विवाह पंजीयन से अब मिलेंगे विभिन्न योजनाओं के लाभ :- गोविन्दगढ तहसील की ग्राम पंचायत ईन्दपुर में आयोजित शिविर में ईन्दपुर निवासी अजय शर्मा व मुस्कान का मौके पर ही विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी किया गया। जिस पर अजय और मुस्कान ने कहा कि विवाह पंजीयन होने से अब सरकार की योजनाओं आदि का लाभ मिलने में कोई परेशानी नहीं होगी।

आम रास्ता खुलवा कर सौहार्द और विकास की राह खोली :- कैरवावाल से कैरवाडी जाने वाला रास्ता कई सालों से अतिक्रमण की चपेट में था और लोगों को आने जाने के लिए दूसरा लम्बा रास्ता उपयोग करना पड़ रहा था। ग्राम पंचायत कैरवावाल में आयोजित शिविर में इस रास्ते को प्रशासन की टीम द्वारा समझाइश कर खुलवाया गया। रास्ता खुलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है तथा ग्रामीणों ने कहा कि अब आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

जमाबंदी रेकार्ड में दर्ज त्रुटि को दुरूस्त किया :- भू राजस्व रेकार्ड में त्रुटि होने से रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत ऊंटवाल निवासी मुबारिक, ताहिर, जमशेद को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऊंटवाल में आयोजित शिविर में मौके पर ही इनके जमाबंदी रेकार्ड को दुरूस्त किया गया। शिविरों में हाथों-हाथ काम होने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया।

-मनोज कुमार मेहरा,
सहायक निदेशक, जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, अलवर

वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण

हलैना/भरतपुर, (निसं)। वैर के भौंडा गांव में शहीद हरेद्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेढम के मुख्य आतिथ्य व विधायक बहादुर सिंह कोली की अध्यक्षता में हुआ। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा, महेंद्र सिंह खेड़ला, केदार सिंह गुर्जर, दरबारी गुर्जर विशिष्ठ अतिथि रहे।

भरतपुर में शहीद हरेन्द्रसिंह की प्रतिमा का अनावरण गृह राज्य मंत्री बेढम के मुख्य अतिथि में हुआ।

■ भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं : गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह

अतिथियों ने शहीद स्मारक का फीता काटकर और शहीद हरेंद्र सिंह की प्रतिमा का लाल वस्त्र हटाकर व फूल माला पहनाकर अनावरण किया। इस अवसर पर शहीद के पिता बली गुर्जर, पत्नी वीरवती देवी, मां और उनके बच्चे भी मौजूद रहे। गृह राजमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भारतीय संस्कृति और आस्था के स्थल, शहीद की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुगल एव अंग्रेजों ने भारत में धार्मिक व आस्था से भरपूर स्थलों को खंडित किया, साथ ही भारतीय संस्कृति और धार्मिक ग्रंथों को नष्ट किया। जिसके पीछे इनका एक ही उद्देश्य था कि देश और समाज में फूट डाल दी जाए, जिससे भारतीय जनता आपस में झगड़ा कर मर मिटे और भारतीय संस्कृति नष्ट हो जाए, लेकिन ये सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सभी लोगों का देश भक्ति, समाज और मानव सेवा, सनातन धर्म का ज्ञान आदि देती हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आमजन में बढ़ती लोकप्रियता व उनके कार्य को देखकर गैर भाजपा दल नेता चिंतित है। क्योंकि राज्य में केंद्र और राज्य सरकार विकास करा रही है और डबल इंजन सरकार पर जनता को विश्वास आए दिन क्यों बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी परीक्षा का पेपर आउट नहीं हुआ। जबकि राज्य की पिछली सरकार के कार्यकाल में 19 में से 17 पेपर आउट हुए।

उन्होंने कहा कि देश और समाज की सेवा करने वाला यदि प्राण त्याग दे, तो लोग उसे कभी नहीं भूलते हैं और उसको हमेशा याद कर शहीद का दर्जा देते हैं। शहीद हरेंद्र सिंह ने 17 साल भारतीय सेवा में नौकरी की और उसके बाद राजस्थान पुलिस में सर्विस करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। जिनकी प्रतिमा का अनावरण करने तथा उसके माता-पिता, पत्नी, बच्चों का मुझे सम्मान करने का मौका मिला, तो मैं स्वयं को भाग्यशाली मानता हूं। वैर के विधायक बहादुर सिंह कोली व भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने भी शहीद हरेंद्र सिंह के माता-पिता, पत्नी बच्चों का सम्मान करते हुए कहा कि ये धन्यवाद के पात्र हैं कि इनके घर में शहीद हरेंद्रसिंह का जन्म हुआ। हमको सभी लोगों को हरेंद्रसिंह के परिजनों का सम्मान व शहीदों को नमन करना चाहिए। भुसावर वृत के पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र शर्मा, गजेंद्र सिंह टंटा, करतारसिंह, केदार सिंह गुर्जर, सुमरन गुर्जर, शिवराम सिंह, डॉ. पवन धाकड़, शहिद के पिता बली सिंह, मां, पत्नी वीरवती, हरेंद्र सिंह जाट भाजपा ग्रामीण मण्डल वैर पूर्व अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह टंटा, भाजपा ओबीसी मोर्चा भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन धाकड़, शेर सिंह धरसोनी, प्रेम सिंह मास्टर, विष्णु मित्तल आदि मौजूद रहे। संचालन सतीश पाण्डे ने किया, जबकि आभार प्रकट केदार सिंह वाराखुर्द ने किया।

गंगापुर सिटी में पांच माह से वेतन नहीं मिलने से नाराज ऑटो टिपर संचालकों ने काम रोका

घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह ठप, शहर में गंदगी के ढेर लगे

गंगापुर सिटी, (निसं)। घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पूरी तरह से ठप हो गया है। नगर परिषद द्वारा नियुक्त नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के ऑटो टिपर संचालकों ने वेतन नहीं मिलने के कारण काम रोक दिया है।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था। कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है। नगर परिषद के पास बजट की कमी के कारण पिछले आठ महीनों से कंपनी को भुगतान नहीं किया गया है। कंपनी के प्रतिनिधि राजवीरसिंह जाट के अनुसार, उन्होंने कर्मचारियों को तीन महीने का वेतन अपने स्तर पर दिया है, लेकिन अब पांच महीने का वेतन बकाया है। नगर परिषद से भुगतान न मिलने के कारण वे कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं।

■ नगर परिषद ने कचरा संग्रहण का काम नगेन्द्र राय प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा था, कंपनी लगभग 20 ऑटो टिपर के माध्यम से शहर में घर-घर से कचरा एकत्र करती है

ऑटो टिपर कर्मचारी रवि और सुरेश ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्हें घर चलाने में भी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हड़ताल के कारण शहर में कचरे का संग्रहण और निपटारा नहीं हो पा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई है। एक-दो माह की बात तो सही है लेकिन विगत पांच माह से भुगतान नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ी रही है।

सफाई निरीक्षक पिंटू मीणा का कहना है कि शुक्रवार को ऑटो टिपर संचालकों ने हड़ताल कर दी, सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिषद अपने स्तर पर कार्मिकों से सफाई करवाने के साथ गंदगी कचरे का निपटारा करवा रही है।

राशिफल रविवार 6 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 10:42 तक, साध्य योग रात्रि 9:27 तक, वणिज करण प्रातः 8:07 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:01 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग रात्रि 9:16 से 10:42 तक है। राजयोग रात्रि 10:42 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 8:07 से रात्रि 9:16 तक है। आज देवशयनी एकादशी व्रत है। आज से चातुर्मास व्रत नियम आरम्भ होगा। आज ताजिया मुहर्रम है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:24 से 9:07 तक, लाभ-अमृत 9:07 से 12:31 तक, शुभ 2:13 से 3:56 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:20

मेष

परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

सिंह

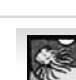

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनः स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मांगलिक-धार्मिक कार्य के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन

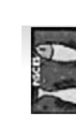

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब होने का भय है। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 334 प्रभात जयपुर, रविवार 6 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

There Are More Than Asses Here!

Then, I realized they were going to do 'Swach Bharat.' I couldn't stop laughing to see this methodical early morning. By this time, two more cars joined us

The Fall of Nicolae Ceausescu

Hydraulic Fracturing and Shale Gas

उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के पुनर्मिलन व एकता समारोह में कांग्रेस अनुपस्थित क्यों रही?

एन.सी.पी. की ओर से सुप्रिया सुले, वामपंथी दलों के नेता, किसान यूनियन के प्रतिनिधि, प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी व सिविल सोसायटी के एक्टिविस्ट भारी संख्या में मौजूद थे, इस समारोह में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। शिवसेना के संस्थापक परिवार के उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के बहुप्रतीक्षित पुनर्मिलन ने महाराष्ट्र की राजनीतिक जमीन को हिला दिया है। इस घटनाक्रम ने राज्य में आशा और आशंका-दोनों को जन्म दिया है। जहां यह एकता पूरे महाराष्ट्र में एक मजबूत प्रतीकात्मक संदेश दे रही है, वहीं कांग्रेस पार्टी की इस कार्यक्रम से स्पष्ट दूरी ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के भीतर गहरे रणनीतिक समीकरणों और बढ़ती असहजता को उजागर कर दिया।

यह कार्यक्रम काफी धूमधाम से आयोजित किया गया, जिसमें राजनीतिक और सामाजिक जगत के कई नेताओं और हस्तियों ने भाग लिया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सांसद सुप्रिया सुले, वामपंथी दलों के नेता, प्रमुख किसान संगठनों के प्रतिनिधि, प्रगतिशील शिक्षाविद और सामाजिक

- **राजनीतिक टीकाकार, इस समारोह की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से कर रहे हैं जिसकी इतिश्री नये राज्य, 1960 में महाराष्ट्र के जन्म होने के बाद हुई थी।**
- **राज ठाकरे ने अपनी पार्टी, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का गठन उत्तर भारत के महाराष्ट्र में बसे लोगों के खिलाफ आक्रामक रुख को आधार बनाकर किया था। कांग्रेस, राज ठाकरे की उस छवि को स्वीकार नहीं कर पा रही, विशेषकर, अब जबकि उत्तर भारत में कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं तथा राज ठाकरे से गठबंधन को उत्तर भारत में समझाना आसान काम नहीं है। कांग्रेस उत्तर भारत में पुनः जीवित होने की महत्वाकांक्षा रखती है।**
- **साथ ही, अगर उद्धव ठाकरे व राज ठाकरे में सच्ची मित्रता हो जाती है तो कांग्रेस के लिए भारी खतरा है, दोनों भाईयों की मित्रता से महाविकास अघाड़ी गठबंधन में नये पावर समीकरण बनेंगे। जिसमें, कांग्रेस का महत्व घटने की भारी संभावना है।**

कार्यकर्ता दोनों चचेरे भाईयों के इस पुनर्मिलन के साक्षी बने। कई राजनीतिक विश्लेषकों ने इस क्षण की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से की-एक ऐसा दौर जब क्षेत्रीय पहचान की मांग ने 1960 में आधुनिक महाराष्ट्र राज्य के गठन का मार्ग प्रशस्त किया था।

हालांकि, कांग्रेस पार्टी-जो एमवीए गठबंधन की एक अहम भागीदार है-इस आयोजन से दूर रही। पार्टी का कोई शीर्ष नेता इसमें शामिल नहीं हुआ और भीतर से मिले संकेत भी मिश्रित थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कांग्रेस की गैर मौजूदगी को महत्वहीन बताते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे और उनके नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के साथ पार्टी के रिश्ते मजबूत हैं, लेकिन कांग्रेस की अनुपस्थिति एक अलग कहानी बयां कर रही थी।

कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पार्टी की यह झिझक राज ठाकरे की विवादास्पद राजनीतिक विरासत से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 साल की बच्ची से ज्यादती के आरोपी को दस साल की सजा

जयपुर, 5 जुलाई। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने करीब पांच साल की बच्ची के साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त विमल कुमार को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त ने न केवल करीब पांच साल की बच्ची का अपहरण किया, बल्कि उसके साथ ज्यादती भी की। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

- **पॉक्सो कोर्ट ने अभियुक्त पर डेढ़ लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। अभियुक्त पर आरोप है कि उसने बालिका का अपहरण किया और ज्यादती की।**

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक कमलेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 9 फरवरी, 2023 को पीड़िता अपने परिवार के साथ पड़ोसी के बेटे की शादी में गई थी। देर रात खेत से चिल्लाने की आवाज आई तो बालिका का पिता खेत पर पहुंचा तो वहां गांव के दो युवकों ने विमल को पकड़ रखा था। पूछने पर बताया कि विमल उसकी पांच साल की बेटी को पास के सरसों के खेत में ले गया और ज्यादती करने की कोशिश की। पीड़िता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देखना मोदी चुपचाप गर्दन झुका कर ट्रंप की "डैड लाइन" स्वीकार कर लेंगे'

राहुल गांधी ने पीयूष गोयल की टिप्पणी पर कटाक्ष किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा तय की गई "रैसिप्रोकल टैरिफ" की समयसीमा के आगे "बिना किसी विरोध के झुक जाएंगे।"

राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और ट्रंप द्वारा तय की गई 9 जुलाई की डैड लाइन नज़दीक आ रही है।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की, जहां उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के बयान पर आधारित एनडीटीवी की एक खबर साझा की। गोयल ने कहा था कि भारत किसी भी व्यापार समझौते को तब तक अंतिम रूप नहीं देगा जब तक वह समझौता निष्पक्ष न हो और राष्ट्रीय हित में न हो।

पोस्ट में लिखाः "पीयूष गोयल चाहे जितना भी सीना ठोक लें, मेरी बात लिखकर रख लीजिए-मोदी ट्रंप की

- **केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा था, भारत, अमेरिका से वाणिज्य समझौता हस्ताक्षर करने की जल्दी में नहीं है तथा भारत समझौते पर हस्ताक्षर तभी करेगा, जब कि समझौता न्यायोचित तथा भारत के हित में होगा तथा भारत "डैड लाईन" के किसी दबाव को स्वीकार नहीं करता।**
- **राहुल ने कटाक्ष को गहरा करते हुए कहा, पीयूष गोयल कितना भी छाती ठोक लें, पर होगा यही कि मोदी ट्रंप की नई "डैड लाइन" चुपचाप विनम्रता से स्वीकार कर लेंगे।**

टैरिफ डैड लाइन के आगे बिना कोई विरोध किए चुपचाप झुक जाएंगे।"

भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर महीनों से बातचीत जारी है और अब यह अंतिम चरण में है। जिस समयसीमा की बात हो रही है, वह ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए रैसिप्रोकल टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित करने की अवधि है, जो 9 जुलाई को समाप्त हो रही है।

शुक्रवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पीयूष गोयल ने दोहराया कि भारत केवल तभी कोई व्यापार समझौता करेगा जब वह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी हो और उसमें राष्ट्रीय हितों की पूरी सुरक्षा हो।

गोयल ने कहा, "यह एक विन-विन (दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद) समझौता होना चाहिए, और केवल तब ही जब भारत के हित पूरी तरह सुरक्षित हों-राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा-और यदि इस दृष्टिकोण से कोई अच्छा समझौता बनता है, तो भारत विकसित देशों के साथ बातचीत के लिए हमेशा तैयार है।"

गोयल ने बताया कि अमेरिका के साथ बातचीत के साथ-साथ यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, चिली और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी सरकार ने कांवड़ यात्रा विवाद को फिर से हवा दी

यूपी सरकार ने कांवड़ मार्ग पर खान-पान की दुकानों के मालिकों को पहचान उजागर करने का आदेश दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। हिंदू भावनाओं को आकर्षित करने के उद्देश्य से, उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक बार फिर कांवड़ यात्रा से पहले हिंदू-मुस्लिम विभाजन से राजनीतिक लाभ उठाने की रणनीति अपनाई है। यह यात्रा 11 जुलाई से शुरू होने वाली है।

पिछले साल इसी तरह के आदेश को लेकर विपक्षी दलों और नागरिक समाज समूहों द्वारा किए गए भारी विरोध के बावजूद, उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बार फिर यह अनिवार्य कर दिया है कि कांवड़ मार्ग पर मौजूद सभी खाद्य प्रतिष्ठान अपना वैध खाद्य लाइसेंस और स्वामित्व विवरण को प्रमुखता से प्रदर्शित करें।

हालांकि पिछले साल उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली

- **गत वर्ष भी यूपी सरकार ने ऐसा ही आदेश दिया था, पर, भारी विरोध के कारण उस पर रोक लगा दी थी।**
- **यूपी के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा, हर खरीददार को यह जानने का हक है कि वह जिससे सामान खरीद रहा है, वह कौन है।**
- **विपक्षी नेताओं ने यूपी सरकार पर धार्मिक ध्रुवीकरण करने की राजनीति का आरोप लगाया। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इतने सालों से यात्रा शांति से चल रही थी, अब अचानक से क्या हो गया है।**

खाद्य दुकानों के नाम प्रमुखता से प्रदर्शित करने के आदेश को वापस ले लिया था, इस साल राज्य के कैबिनेट मंत्रियों ने खुले तौर पर इस आदेश को उचित ठहराया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सार्वजनिक रूप से कहा कि "हर खरीदार को यह जानने का अधिकार है कि वह किससे सामान खरीद रहा है। यह नियम भी है। यदि उनसे नाम लिखने को कहा जा रहा है, तो इसमें क्या समस्या है?"

वरिष्ठ मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि ऐसा आदेश विवाद से बचने के लिए जारी किया गया है। "विभिन्न धर्मों की अलग-अलग व्यवस्थाएँ होती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रोहित गोदारा के नाम पर 5 करोड़ की फिरौती मांगी

बीकानेर, 5 जुलाई (निसं)। एक फाइनेंशियल कंपनी के सीईओ पीयूष शृंगारी से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर रोहित गोदारा बताया था। पुलिस ने सीईओ को सुरक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही कॉल की छानबीन शुरू कर दी है। मामला जयनारायण व्यास थाने का है।

- **एसपी ने फाइनेंशियल सर्विस के सीईओ की सुरक्षा में हथियार बंद पुलिस तैनात की।**

वैल्थोनिक फाइनेंशियल सर्विस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सीईओ पीयूष शृंगारी ने पुलिस को इस मामले की शिकायत की। एसपी कावेंद्र सिंह सागर के आदेश पर सीईओ के घर और आसपास वर्दी व सामान्य वर्दी में हथियारबंद पुलिस तैनात की गई है। सीईओ ने रिपोर्ट में बताया कि 2 जुलाई की शाम को उनके पास वॉट्सएप कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नैशनल हैरल्ड को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रहे हैं, बेचने की नहीं'

कांग्रेस ने शनिवार को जवाब दिया कि पार्टी हैरल्ड की कम्पनी "एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड" (ए.जे.एल.) की सम्पत्ति नहीं बेचेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 जुलाई। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि वह नेशनल हैरल्ड को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही है, ना कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों को बेचने की।

एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) का आरोप है कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन नामक निजी कंपनी में 76 प्रतिशत बहुमत हिस्सेदारी है, और इस कंपनी ने 90 करोड़ के ऋण के बदले एजेएल की संपत्तियों को धोखाधड़ी से अपने अधीन कर लिया।

वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एस. चीमा, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने शनिवार को कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) एजेएल की संपत्तियों को बेचने की नहीं, बल्कि उस संस्था को बचाने की कोशिश कर रही है, जो

- **सुप्रीम कोर्ट में राहुल गांधी के वकील आर.एस. चीमा ने कहा, ए.जे.एल. की स्थापना 1937 में जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी, रफी अहमद किदवई आदि ने की थी। इस कम्पनी की आज़ादी के आंदोलन में अहम भूमिका थी। कांग्रेस पार्टी इसे बेचने के बजाय बचाने का प्रयास कर रही है।**
- **चीमा ने कहा, एजेएल के मैमोरैन्डम ऑफ एसोसिएशन में साफ लिखा है, कम्पनी की नीति ही कांग्रेस की नीति होगी। यह कम्पनी प्रॉफिट के लिए नहीं बनी थी।**
- **चीमा ने कहा, समस्या ए.जे.एल. को दिए गए कर्ज की वसूली नहीं, बल्कि ए.जे.एल. को पुनः पटरी पर लाने की है।**
- **ज्ञातव्य है कि ईडी ने गांधी परिवार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी कम्पनी "यंग इंडियन" के मार्फत 90 करोड़ रूपए के कर्ज़ के एवज में ए.जे.एल. की सम्पत्तियों पर कब्जा कर लिया है।**

स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा रही है।

चीमा ने यह जवाब विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने की अदालत में पेश किया।

ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस के दिवंगत नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडिस, साथ ही सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और निजी कंपनी यंग इंडियन पर 2,000 करोड़ से अधिक मूल्य की संपत्तियाँ धोखे से अधिग्रहित करने का आरोप लगाया है। ये संपत्तियाँ एजेएल की थीं, जो नेशनल हैरल्ड अख़बार प्रकाशित करता था।

चीमा ने अदालत में सवाल उठायाः "क्या मेरे मित्र (ईडी के वकील) बता सकते हैं कि उन्होंने एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) पेश करने से परहेज क्यों किया?"

उन्होंने बताया, "एजेएल की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सड़क हादसे में 36 अमरनाथ तीर्थयात्री घायल

जम्मू, 05 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में चंद्रकोट के निकट शनिवार को अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुए वाहनों के काफिले की चार बसों की आपस में टक्कर होने से कम से कम 36 तीर्थयात्री घायल हो गये।

अधिकारियों ने बताया कि यह टक्कर तब हुई जब काफिले में शामिल बसों में से एक के चालक ने चंद्रकोट

- **रामबन जिले में उस समय अमरनाथ यात्रियों के चार बसें आपस में टकरा गईं जब एक बस का ब्रेक फेल हो गया।**

के निकट ब्रेक फेल होने के कारण वाहन का नियंत्रण खो दिया। इस हादसे में कम से कम 36 लोग घायल हो गये।

उन्होंने कहा कि पुलिस, अर्धसैनिक बल और स्थानीय लोगों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। सभी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

24 जून को चुनाव आयोग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, ग्यारह दस्तावेज़ जरुरी होंगे, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए

यह निर्देश उन व्यक्तियों के लिए अनिवार्य है, जिनका नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 05 जुलाई। चुनाव आयोग ने 24 जून को बिहार में स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न (एस.आई.आर.) करने का निर्देश जारी किया था, कथित रूप से अपात्र नामों को हटाने और केवल पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के उद्देश्य से।

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाताओं के स्पैशल रिविज़न के मूल में 24 जून को दिया गया वह आदेश है, जिसमें कहा गया है कि जिन लोगों का नाम 2003 की मतदाता सूची में नहीं है, जिनकी संख्या अनुमानतः 2.93 करोड़ है, उन्हें वोट देने की पात्रता साबित करने के लिए 11 में से कम से कम एक दस्तावेज़ प्रस्तुत करना होगा।

चुनाव आयोग ने 24 जून और 30 जून को जारी दो बयानों में इस रिविज़न (पुनरीक्षण) के पीछे के कारण बताए गए हैंः "विदेशी अवैध प्रवासियों के नामों का सूची में होना," "बार-बार का पलायन", "युवाओं का मतदान के योग्य होना," और "मृत्यु की रिपोर्ट न होना।"

हालांकि चुनाव आयोग ने कहा है कि ये 11 दस्तावेज़ों की सूची केवल एक उदाहरण है इसका मतलब यह नहीं कि केवल यही दस्तावेज़ मान्य हैं, अगर किसी के पास इनमें से कोई दस्तावेज़ नहीं है तो भी वो अन्य दस्तावेज़ दिखाकर मतदाता सूची में नाम दर्ज करा सकते हैं। यह इसलिए संभव है क्योंकि भारत का जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 यह अधिकार निर्वाचक

- **बिहार में ऐसे कुल मतदाता 2.93 करोड़ हैं।**
- **बिहार की प्रशासनिक काम करने की रफ्तार से नये मतदाता काफी आशंकित हैं कि क्या वे समय रहते ये ग्यारह दस्तावेज़ सरकार से प्राप्त कर पायेंगे।**
- **इसी आशंका के कारण वोटर लिस्ट रिविज़न को "वोट बंदी" का नाम दिया गया है, सोशल मीडिया में। सोशल मीडिया के अनुसार, 2016 में सरकार ने अलोकप्रिय "नोट बंदी" लागू की थी तथा कोविड की महामारी के बाद स्वास्थ्य की सुरक्षा की दृष्टि से भारत में स्वयमेव "देश बंदी" लागू हुई थी।**

नामावली अधिकारियों (ई.आर.ओ.) को देता है कि वे तय करें कि कौन मतदाता सूची में शामिल किया जाए। चुनाव आयोग सिर्फ दिशानिर्देश जारी कर सकता है, लेकिन यह तय करना कि कौन से दस्तावेज़ मान्य होंगे, यह अधिकार ई.आर.ओ. के पास है।

इसलिए, ई.आर.ओ. को किसी व्यक्ति के आवेदन से संतुष्ट होना चाहिए, यानी उसे भरोसा हो जाना चाहिए कि आवेदक भारतीय नागरिक है और मतदान के योग्य है। आयोग ई.आर.ओ. को यह नहीं कह सकता कि सिर्फ यही दस्तावेज़ मान्य होंगे, अन्य प्रमाण भी मान्य हो सकते हैं। अगर वे ई.आर.ओ. को संतुष्ट करते हैं। लेकिन वास्तविकता में बिहार के सामाजिक-आर्थिक हालात को देखते हुए आम लोगों के लिए ये दस्तावेज़ जुटाना लगभग असंभव है।

दस्तावेज़ों में शामिल हैंः सरकारी कर्मचारी/पेंशनधारकों का पहचान पत्रः बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार केवल 20.49 लाख लोग सरकारी सेवा में हैं, जो राज्य की कुल जनसंख्या का सिर्फ 1.57 प्रतिशत है।

01.07.1987 से पहले भारत सरकार/स्थानीय निकायों/बैंकों आदि द्वारा जारी कोई प्रमाणपत्रः आम आदमी के लिए यह असंभव सी मांग है।

जन्म प्रमाणपत्र, जो राज्य सरकार द्वारा नियुक्त स्थानीय जन्म और मृत्यु पंजीयक द्वारा (बर्थ्स एण्ड डैथ्स एक्ट), 1969 के तहत जारी किए जाते हैं, 18 साल पहले दुर्लभ थे। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रक्रिया में पंचायत सचिव, ब्लॉक विकास अधिकारी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी शामिल होते हैं। शहरी क्षेत्रों में यह नगर निगम और परिषदों द्वारा पूरी होती है।

नियमों के अनुसार, अगर समय पर रिपोर्ट किया गया हो तो जन्म प्रमाणपत्र जारी होने में कुछ ही दिनों का समय लगता है, लेकिन अगर देरी हो तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा समाप्त हुई

भुवनेश्वर, 05 जुलाई। ओड़ीशा के पुरी में शनिवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथयात्रा का भव्य समापन हुआ।

इस अवसर पर आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर लाखों श्रद्धालु आज भगवान जगन्नाथ की 'बाहुदा यात्रा' (वापसी रथ उत्सव) देखने के लिए तीर्थ नगरी पुरी में उमड़ पड़े।

- **भगवान जगन्नाथ अपने भाई -बहिन के साथ गुंडिचा मंदिर से जगन्नाथ मंदिर लौट गए हैं। इस अवसर पर लाखों भक्तगण मौजूद थे।**

भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के रथों को भक्तों द्वारा खींचा गया, जिससे पूरा भव्य मार्ग जय जगन्नाथ के नारों और झांझ की थाप के बीच गूंज उठा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

55 साल की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने जहर खाकर आत्महत्या की

आत्महत्या से पहले वीडियो बनाया, विभाग के अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया

- बेटे ने पुलिस को बताया कि अधिकारी मां के स्थान पर किसी और की नियुक्ति करना चाहते थे
- आरोप है कि मां से नौकरी बचाने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की डिमांड की जा रही थी
- घटना को लेकर जैन समाज ने प्रदर्शन करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने तथा मृतका के पुत्र अथवा पुत्री को सरकारी नौकरी देने की मांग की

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में 55 साल की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले वीडियो बनाया जिसमें विभाग के अफसरों पर टॉर्चर करने के आरोप लगाए। बेटे ने पुलिस को बताया कि अधिकारी मां के स्थान पर किसी और की नियुक्ति करना चाहते थे। मां से नौकरी बचाने की एवज में डेढ़ लाख रुपए की डिमांड की जा रही थी।

घटना उदयपुर के धानमंडी थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 10 बजे के करीब देहलीगेट हनुमान मंदिर की है। महिला ने यहीं जहर खाकर वीडियो बनाया और बेटे को कॉल कर जहर खाने की बात बताई। मौके पर पहुंचे परिजन महिला को जिला हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन भी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां परिजन ने अधिकारियों की शिकायत की। धानमंडी पुलिस ने बताया अंजुबाला (55) पत्नी रतनलाल दलाल उदयपुर में सज्जनगढ़ रोड भीलू राणा आंगनबाड़ी में कार्यरत थीं। वे राताखेता श्रीजी पब्लिक स्कूल के पास रहती थी। शुक्रवार देहलीगेट हनुमान मंदिर के पास से उन्होंने बेटे अनमोल दलाल को कॉल किया।अंजुबाला ने बेटे को बताया कि उन्होंने जहर खा लिया है। परिवार के लोग तुरंत देहलीगेट मंदिर पहुंचे। वहां मां बेसुध हालात में मिली। उन्हें वे जिला हॉस्पिटल ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बेटे अनमोल दलाल ने आरोप लगाया आंगनबाडी में काम को लेकर मां अंजुबाला को विभाग के अधिकारी शारदा बंशीवाल, जया वीरवाल, दिनेश मीणा एवं आंगनबाडी कार्यकर्तृता अतिका मानसिक रूप से प्रताडित कर रहे थे। वे मां के स्थान पर अपने चहेते को नियुक्त करना चाहते थे। मां से कहते थे कि नौकरी करने है तो डेढ लाख रुपए देने होंगे। इससे मां बहुत परेशान थी। उन्होंने यह बात मुझे भी बताई और वीडियो बनाकर भी कही।बेटे अनमोल दलाल ने मामले की रिपोर्ट धानमंडी थाने में दर्ज कराई। महिला के परिजन ने उच्च अधिकारियों को प्रताडति किए जाने की शिकायत की। धार्मिक भेदभाव का भी आरोप लगाया। परिजनों ने पुलिस को महिला का वीडियो उपलब्ध कराया है।

महिला का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें वह अधिकारियों की प्रताड़ना से तंग आकर जहर खाकर सुसाइड करने की बात कह रही है। अपने विभाग के अफसरों पर गंभीर आरोप भी लगाए। कहा कि अफसरों ने मानसिक रूप से इतना परेशान कर दिया कि मजबूरी में आत्महत्या कर रही हूं। घटना के विरोध में शुक्रवार रात उदयपुर जिला अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत किया। मृतक महिला की बेटी निशा पितलिया के अनुसार जया वीरवाल (भतीजी) और शारदा बंशीवाल (बूआ) दोनों बूआ-भतीजी हैं। दोनों महिला एवं बाल विकास विभाग में सुवरवाइजर हैं। दिनेश मीणा विभाग में बाबू है और अतीका आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है। इन लोगों ने मेरी मां को बहुत प्रताड़ित किया। कई बार मेरी मां उनके साथ ही पीड़ा बताती थी कि मुझे ये लोग बहुत परेशान करते हैं। मुझे हटाकर किसी और को कार्यकर्ता को लगाने का दबाव बना रहे हैं। निशा ने बताया कि हम तीन बहन और एक भाई हैं। जिसमें मैं सबसे छोटी बेटी हूं।

घटना को लेकर जैन समाज ने शनिवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए दोषियों को गिरफ्तार करने तथा मृतका के पुत्र अथवा पुत्री को सरकारी नौकरी देने की मांग की। शनिवार को समझाइश के बाद एमबी हॉस्पिटल मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया।

दो लोगों की हत्या की तैयारी कर रहा युवक गिरफ्तार

- पुलिस ने युवक के कब्जे से पिस्टल, छह जिंदा कारतूस बरामद किये

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कारोई थाना क्षेत्र में दो लोगों की हत्या की तैयारी कर रहे युवक को पुलिस ने पिस्टल और छह जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।

कारोई थाना प्रभारी सुरेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि शुक्रवार को थाने पर मुखबिर से सूचना मिली कि सोपुरा में टी पॉइंट पर किराणा की दुकान के पीछे रहने वाले एक व्यक्ति के पास पिस्टल हो सकती है। सूचना पर थाना प्रभारी राठौड़ मय जाब्ता सोपुरा पहुंचे और किराणा की दुकान के पीछे की ओर जाने लगे, तभी एक व्यक्ति आता दिखा, जिसके कंधे पर काले रंग का बैग लटका हुआ था। वह पुलिस को देखकर सकपका गया और तेज कदमों से चलकर वापस जाने लगा। पुलिस ने उसे घेरा डालकर पकड़ा और पूछताछ की तो उसने खुद को सोपुरा निवासी शंकरपुरी (25) पुत्र श्यामपुरी गोस्वामी होना बताया। पुलिस ने संदेह के आधार पर बैग की तलाशी ली तो उसमें एक पिस्टल मय मैग्जजीन व एक थैली में छह जिंदा कारतूस व एक खाली मैग्जीन मिली। हथियार अवैध होने से पुलिस ने जब्त कर युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस पूछताछ में उसने कबूल किया कि दिसम्बर 2024 व जनवरी 2025 में दौलपुरा के कैलाश गुर्जर एवं प्रकाश गुर्जर उसके, उसके पिता श्यामपुरी एवं अंकल के लड़के बुद्ध पुरी के साथ लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट की थी। इसका बदला लेने के लिए वह झालना (महाराष्ट्र) से यह पिस्टल और छह जिन्दा कारतूस खरीद कर तीन जुलाई को अपने गांव सौपुरा आ गया। आरोपित ने कबूल किया कि वह कैलाश व प्रकाश गुर्जर को जान से मारने के लिए इनकी लोकेशन का इंतजार कर रहा था।

शेरसिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी न्यायिक हिरासत में

हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद, फरार आरोपी माउंट आबू से गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले के बहुचर्चित शेरसिंह हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी रामसिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहाँ से उसे 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया है।

यह था मामला :- शेरसिंह की हत्या 24 जून को प्रतापपुरा पुलिया पर हुई थी। पुलिस जाँच में सामने आया कि इस हत्या का मुख्य आरोपी रामसिंह है, जो मृतक शेरसिंह की पत्नी प्रमोद कंवर का प्रेमी है। पुलिस के अनुसार रामसिंह और प्रमोद कंवर ने मिलकर शेरसिंह की हत्या की साजिश रची थी। पुलिस की प्रारंभिक जाँच में खुलासा हुआ है कि रामसिंह और प्रमोद कंवर के बीच पिछले 14 साल से प्रेम संबंध थे। शेरसिंह इन संबंधों में बाधक बन रहा था, जिसके चलते दोनों ने मिलकर उसकी हत्या करने की योजना बनाई। घटना के बाद से रामसिंह लगातार फरार चल रहा था। पुलिस से बचने के लिए वह अहमदाबाद, मुंबई, सूरत और माउंट आबू जैसी जगहों पर छिपता रहा। पुलिस ने तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज की मदद से उसे माउंटआबू से धर दबोचा। इस मामले में रामसिंह के अलावा तीन अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। कांकरोली थानाधिकारी हंसाराम सीरवी ने बताया कि पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही अन्य तथ्यों का भी खुलासा होगा।

पूर्व सीएम गहलोत ने मेरी दिवंगत माता पर जो आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार : शेखावत

'अब अशोक गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए मुझे संदेश भेज रहे हैं, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है'

- केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर व्यक्तिगत आक्षेपों के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। शनिवार को सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता में शेखावत ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा इसी सर्किट हाउस में मेरी दिवंगत माता पर जो गंभीर आरोप लगाए थे, वे पूरी तरह निराधार और निंदनीय हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब अशोक गहलोत ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और मीडिया के जरिए मुझे संदेश भेज रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। शेखावत ने स्पष्ट किया कि वे इस मुद्दे को केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि व्यक्तिगत सम्मान और परिवार की गरिमा से जुड़ा मामला मानते हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगाना बिल्कुल भी शोभनीय नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा अल्पसंख्यकों को 'पहला अधिकार' देने की बात को कौन भूल सकता है? इसलिए पहले कांग्रेस को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए, उसके बाद भाजपा पर कोई आरोप लगाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा आपातकाल पर माफी मांगने से जुड़े सवाल पर भी शेखावत ने कड़ा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि क्या जबरन नसबंदी के शिकार लोग उस अमानवीयता को भूल पाएंगे? क्या उनका कोई कसूर था? यह विषय क्षमा योग्य नहीं है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत दो टूक कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने केवल अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंटा। उन्होंने कहा कि लंबी गुलामी और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बाद भारत को आजादी मिली। वैदिक काल से लेकर मध्यकाल तक इतिहास में देश की गौरवशाली परंपराओं के प्रमाण मिलते हैं। हमारा संविधान दुनिया का सबसे सजीव और प्रगतिशील संविधान है, जो 1950 में लागू हुआ। इसी के साथ नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी प्राप्त हुई, लेकिन देश पर थोपे गए आपातकाल के दौरान हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया। मीडिया पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाए गए। पत्रकारों को जेल भेजा गया और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को भी दबा दिया गया।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि आजादी के बाद के शासनकाल में हुए जनांदोलनों को नकारा नहीं जा सकता। 1977 में जब जनता ने तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाई, तब जाकर लोकतंत्र की पुनर्स्थापना हुई। आज वही लोग मीडिया की स्वतंत्रता की बात करते हैं, जिन्होंने उस दौर में मीडिया का गला घोंट दिया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में संविधान पर कोई हमला नहीं हो, उसको लेकर भाजपा जनजागरण कर रही है।

अवैध खनन कर ला रहा डंपर जब्त

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ थाना पुलिस ने अवैध खनन एवं परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डंपर को जब्त किया है। थाना प्रभारी सत्यवान सिंह मीणा ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त दौरान सुरसुरा ग्राम के पहाड़ी रास्ते से आते एक संदिग्ध डंपर को रोका गया, जिसकी आगे और पीछे की नंबर प्लेट गायब थी। पूछताछ के दौरान चालक ने डंपर का नंबर बताया। पुलिस द्वारा ऐप के माध्यम से जांच करने पर नंबर सही पाया गया, लेकिन डंपर में भरे पत्थर, गिट्टी और मिट्टी के मिश्रण की जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि सामग्री अवैध रूप से पहाड़ी क्षेत्र से खनन की गई है। जब चालक से वाहन से संबंधित दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने उक्त डंपर को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत जब्त करते हुए थाना परिसर में खड़ा कर दिया। साथ ही अवैध खनिज सामग्री को लेकर पृथक से कार्रवाई हेतु खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है। पुलिस टीम में थानाधिकारी सत्यवान सिंह मीणा के नेतृत्व में की बनवारीलाल, सहायक उप निरीक्षक कांस्टेबल विजय कुमार, बनवारीलाल, राजेन्द्र प्रसाद, चालक ने कार्रवाई की।

ऑनलाइन ठगी कर नगदी निकाली

मदनगंज किशनगढ़, (निसं)। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने ऑनलाइन धोखाधड़ी कर बैंक खाते से 1.7 लाख रुपए निकालने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ अंराई थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। धौलपुरिया निवासी पीड़ित मंगलराम जांगिड़ ने एडवोकेट रूपेश शर्मा के जरिए न्यायलय में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि अज्ञात बदमाश ने धोखाधड़ी पूर्वक बैंक अकाउंट को हैक कर एक लाख सात हजार रुपए ऑनलाइन निकाल लिये। अदालत ने एडवोकेट शर्मा के तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी के खिलाफ साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले के कांकरोली पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताड कर मामले की जांच कर रही है।

थाना अंतर्गत मोही में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी के मामले में पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई करते हुए युवकों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी हंसाराम सीरवी ने बताया कि मोही निवासी पीडित मुकेश धोबी ने 1 जुलाई को ट्रैक्टर ट्रॉली चोरी की शिकायत दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए पुलिस टीम का गठन किया।

गठित पुलिस ठीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिसमें रमेश पूर्बिया और कमल कीर को डिटेंन किया गया। कड़ी पूछताछ की गई है जिसमें उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी करना कबूल किया है, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज व संदिग्धों के स्थान पर दबिश देते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेंट्रल जेल का निरिक्षण करने पहुंची विजया राहटकर

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर शनिवार को जोधपुर प्रवास पर रही। अपने दौरे के दौरान विजया राहटकर सुबह सेंट्रल जेल पहुंची।

उन्होंने कहा कि जब तक समाज में महिलाओं के प्रति बुरी सोच में बदलाव नहीं आता, तब तक महिलाओं को समान अधिकार दिलाने का उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार और कानून अपनी ओर से पूरी कोशिश करते हैं, लेकिन समाज में व्याप्त संकीर्ण मानसिकता महिलाओं की प्रगति में बाधक बनती है, जिससे अनेक बार महिलाओं का अपमान सहन करना पड़ता है और उनके अधिकारों का हनन होता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में सबसे जरूरी है कि समाज स्तर पर ही सोच बदलने की प्रक्रिया शुरू हो।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में पुलिस को और भी अधिक संवेदनशील होकर कार्य करना चाहिए ताकि पीड़ित महिलाओं को न्याय मिल सके। वहीं, महिलाओं द्वारा आपराधिक कदम उठाए जाने के मामलों पर उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि कुछेक घटनाओं के आधार पर महिलाओं के प्रति पूर्वाग्रह नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन वास्तविक पीड़ित महिलाओं की आवाज को प्रमुखता से उठाना चाहिए, जिन पर अत्याचार हो रहा है।

राहटकर ने जोधपुर सेंट्रल जेल में महिला कैदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं व आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उन्हें महिला अधिकारों के प्रति जागरूक किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जेल में महिला कैदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की। इस दौरान उन्होंने जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत, महिला जेल डिप्टी जेलर लीला प्रजापत से भी चर्चा कर निर्देश दिए। उन्होंने महिला बंदियों को उनके कानूनी अधिकार समझाते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार की समस्या या शोषण की स्थिति में शिकायत करने से न डरें। निरीक्षण से पूर्व उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर (फ़ास्ट ट्रैक) जोधपुर मधुलिका सिंवर, उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग जोधपुर समदरसिंह भाटी सहित जिला प्रशासन, पुलिस के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाया

डॉक्टर के पास गई थी महिला, पीछे से घर सूना था

- एक लाख नकद सहित जेवरात पर हाथ साफ किया

अजमेर, (कासं)। शहर में सक्रिय चोर गिरोह के हौंसलते इतने बुलंद हो गए हैं कि अब दिनदहाड़े चोरी की वारदात अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला शनिवार को रामगंज थाना क्षेत्र का सामने आया, जहां सोमलपुर में अज्ञात नकबजनों दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देकर एक तोला सोना, चांदी और एक लाख रुपए नकद पर हाथ साफ कर दिया।

सोमलपुर निवासी पीड़िता महिला ने रामगंज थाने में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपने बीमार पति पीर मोहम्मद को डॉक्टर के पास दिखाने गई थी, दो साल से पति लकवे की बीमारी से ग्रस्त है और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर है। पति के इलाज के लिए जो रकम उन्होंने जमा की थी, वह भी चोर चुरा ले गए। परिवार में छोटे-छोटे बच्चे हैं और उनकी देखभाल का बोझ भी कमला पर ही है। पीड़िता ने बताया कि जब वह डॉक्टर से वापस लौटी तो घर का ताला टूटा मिला और सारा सामान बिखरा पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही रामगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

लाखों की नगदी और जेवर सहित दस्तावेज चोरी

परिवार तीन जुलाई को जयपुर गया हुआ था और शनिवार देर रात घर लौटने पर चोरी का पता चला

- पीड़ित परिवार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर शहर में चोरी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं, जिससे पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अटलबंध थाना क्षेत्र स्थित सेटेलाइट अस्पताल के पास प्रकाश सोनी के मकान में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नगदी, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात चोरी कर लिए। परिवार तीन जुलाई को जयपुर गया हुआ था और शनिवार देर रात घर लौटने पर चोरी का पता चला।

पीड़ित परिवार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ अटल बंद थाना क्षेत्र में मामला दर्ज करा दिया है पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ित प्रकाश सोनी ने बताया कि वह तीन जुलाई को अपने परिवार के साथ जयपुर गया था, शनिवार देर रात जब वे घर लौटे तो देखा कि मकान के मुख्य दरवाजे के ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर पहुंचने पर कमरे की आलमारी का लॉक टूटा हुआ था जिसके पास एक हथौड़ा और आरी पड़ी थी, आलमारी में रखे लाखों रुपये, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और जमीन से संबंधित कागज चोर अपने साथ ले गए। पीड़ित ने घटना की सूचना अटलबंध थाना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि अज्ञात चोरों की तलाश में लगे हुए हैं, चोरों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा जा रहा है। चोरी की घटनाओं को लेकर के स्थानीय लोगों ने नाराजगी भी जताई है।

ट्रक से 168 किलो डोडा-चूरा जब्त, एक गिरफ्तार

- वहीं एक किलो अफीम सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया
- केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने दो अलग-अलग कार्रवाई की

ट्रक से जब्त अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा के बैग।

कोटा, (निसं)। राजस्थान में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उसी अभियान के तहत केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ट्रक से अवैध मादक पदार्थ 168 किलो डोडा-चूरा को जब्त किया। वहीं (सीबीएन) की दूसरी टीम ने कार से एक किलो अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की। यह दोनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरा के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उपनारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ट्रक से नारायणपुरा टोल प्लाजा होता हुआ चित्तौड़गढ़-उदयपुर राजमार्ग, चित्तौड़गढ़ पर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। उपनारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की टीम का गठन किया गया और टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और मुखबीर द्वारा बताये गये वाहन की सफलतापूर्वक पहचान करने के बाद निवारक दल ने उसे रुकने का इशारा किया और टीम द्वारा ट्रक की तलाशी ली गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम ने तलाशी के दौरान ट्रक से 9 बैग अवैध डोडा-चूरा 168.120 किलोग्राम बरामद किया। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा और ट्रक को जब्त कर लिया और एन.डी.पी.एस. एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

एक किलो अफीम बरामद :- केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने अन्य स्थान पर कार्रवाई करते हुए कार से अवैध मादक पदार्थ एक किलो अफीम बरामद की।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ऑल्टो से जिला प्रतापगढ़ के तहसील छोटी सादड़ी चरलिया पर अवैध अफीम की तस्करी करेगा। उक्त सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), प्रतापगढ़ डिविजन द्वितीय और प्रतापगढ़ सेल के अधिकारियों की संयुक्त टीम का गठन किया गया और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और वाहन की सफलतापूर्वक पहचान करने के बाद निवारक दल ने उसे रुकने का इशारा किया और तलाशी ली गई। गठित टीम ने तलाशी के दौरान कार से एक किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की और वाहन को जब्त कर लिया और एन.डी.पी.एस. एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

हनीट्रैप मामले में महिला गिरफ्तार, 25 लाख रुपए ऐंठे

- शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षक को बलात्कार केस में फंसाने की धमकी दी थी, न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

पावटा, (निसं)। बानसूर थाना पुलिस ने एक 44 वर्षीय महिला को हनीट्रैप और साइबर ब्लैकमेलिंग के गंभीर मामले में गिरफ्तार किया है। महिला पर आरोप है कि वह शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षक को बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने के नाम पर धमकी देकर लाखों रुपए ऐंठ रही थी।

जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत, उपमहानिरिक्षक पुलिस सह जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली एवं वृत्ताधिकारी वृत्त बानसूर के सुपरविजन व बानसूर थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने हनीट्रैप मामले में मुल्जिमा चेतना गुप्ता को गिरफ्तार किया है। बानसूर थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि परिवादी ने 23 जून को मुल्जिमा चेतना गुप्ता के खिलाफ बलात्कार के झूठे मामले में फंसाने के नाम पर रुपए ऐंठने का अभियोग दर्ज करवाया था। जिस पर कार्यवाही करते हुए मुल्जिमा चेतना गुप्ता को बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया जाकर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में दाखिल करवाया गया है। गिरफ्तारी की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी सुरेंद्र मलिक के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में महिला कॉन्स्टेबल नरेश कालिका यूनिट थाना बानसूर, महिला कॉन्स्टेबल सोना कालिका यूनिट थाना बानसूर, रविन्द्र सिंह कांस्टेबल बानसूर थाना शामिल थे।

तीन युगल शांतिभंग में गिरफ्तार : कोटा के अन्नतपुरा पुलिस टीम ने इलाके में स्थित एक होटल पर कार्रवाई करते हुए होटल में बिना आईडी के रूकने पर तीन युगल को शांति भंग में गिरफ्तार किया साथ ही पुलिस ने होटल के संचालक व मैनेजर को भी गिरफ्तार किया है। शहर एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि अन्नतपुरा क्षेत्र में स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में होटलों में छात्र-छात्राओं व बाहरी लोगों के बिना आईडी व बगैर आपसी सम्बन्ध के रूकने की शिकायत मिलने पर अन्नतपुरा पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित लव होटल को चैक किया तो होटल में तीन युगल बगैर आईडी के होटल में रूकना पाया गया। शहर एसपी ने बताया कि जिस पर पुलिस टीम ने युगल को शांतिभंग में गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस ने कार्यवाही करते हुए होटल संचालक मुकेश व होटल के मैनेजर को भी गिरफ्तार किया है।

अंतर्राज्यीय गुजराती लूट गैंग का मास्टरमाइंड अपने साथी सहित दिल्ली से गिरफ्तार

विधायकपुरी थाना पुलिस ने गुजराती लूट गैंग के मास्टर माइंड सहित दो बदमाशों को दिल्ली से गिरफ्तार किया।

- बुजुर्ग महिलाओं को ऑटो में बिठा कर ज्वैलरी लूटने की करते थे वारदात
- दिल्ली में 25 गज कच्ची बस्ती रघुवीर नगर में बना रखा था ठिकाना
- वारदात में प्रयुक्त किया गया ऑटो भी रेलवे स्टेशन की पार्किंग से बरामद

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुजुर्ग महिलाओं को ऑटो में बिठा कर ज्वैलरी लूटने वाली अन्तरराज्यीय गुजराती लूट गैंग के मास्टर माइंड सहित दो बदमाशों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है।पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि लूट की वारदातों को अंजाम देने के बाद बदमाश रेलवे स्टेशन की पार्किंग में ऑटो रिक्शा को छिपाकर भागे थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अय्याशी की लत के चलते लूट-चोरी की वारदात करना कबूल किया है। पुलिस बदमाशों के पास से वारदात में प्रयुक्त किया गया ऑटो भी रेलवे स्टेशन की पार्किंग से बरामद किया है। पुलिस के अनुसारसौ से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर करीब पांच सौ ऑटो रिक्शा चालकों से पूछताछ के बाद बदमाशों को चिन्हित करते हुए पकड़ा है। जिन्होंने दिल्ली में भी ऑटो किराये पर लेकर कई दर्जन वारदातों को अंजाम दिया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुजुर्ग महिलाओं को ऑटो में बिठा कर ज्वैलरी लूटने वाली अन्तरराज्यीय गुजराती लूट गैंग के मास्टर माइंड गोविंद राजकोटिया (71) और अश्विन मीठापुरा (23) निवासी भावनगर (गुजरात) हाल टेगौर गार्डन नई दिल्ली को गिरफ्तार किया है। पुलिस गैंग के अन्य बदमाशों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

पुलिस जांच में सामने आया कि साल-2014 से सरगना गोविंद जयपुर में रहकर ऑटोरिक्शा खरीदकर चल रहा है। प्लानिंग के तहत गुजराती जानकारों को लेकर ऑटो रिक्शा में आगे की सीट पर बैठा कर बस-रेलवे स्टेशन के आस-पास स्थानों की रेकी करते है। रेकी के बाद बुजुर्ग महिलाओं को टारगेट कर सस्ते किराए पर सौदा तय कर ऑटो रिक्शा में बैठा लेते है। करीब 200-300 मीटर दूर पर प्री-प्लान के तहत गैंग के बदमाश ऑटो रिक्शा को रुकवाते है।

टायर में हवा कम होने का बहाना बनाकर ड्राइवर के पास बैठे साथियों को पीछे सीट पर भेज देते। बुजुर्ग सवारी को चारों ओर से घेरकर धक्का-मुक्की कर ध्यान भटकाकर पहने गए सोने के गहने व कीमती सामान पार कर लेते। वारदात को अंजाम देने के बाद इशारा मिलते ही ड्राइवर अपने साथियों को 10 मिनट में छोड़कर वापस आने की कहकर बुजुर्ग सवारी को रोड़ पर उतार कर फरार हो जाते।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गैंग के मास्टरमाइंड गोविंद राजकोटिया अय्याशी और सट्टे का शौकीन है। इसी कारण से उसके परिवार ने भी उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद से ही वह दिल्ली और जयपुर में रहने लगा। साल-2014 में जयपुर के गलता गेट इलाके में रहने के दौरान उसकी पत्नी की मौत हो गई। दूसरी शादी कर वह दिल्ली चला गया। ऐश-आराम की जिंदगी जीने के लिए दिल्ली में गैंग बनाकर ऑटो रिक्शा में सवारियों से सोना व सामान चोरी करने की वारदातों को अंजाम देने लगा। पिछले करीब 11 साल से दिल्ली में आरोपित गोविंद राजकोटिया इस तरह की ही वारदातों को अंजाम दे रहा है।

थानाधिकारी बनवारी लाल मीना ने बताया कि पुलिस से बचने के लिए आरोपित ने अपना हुलिया बदल लिया। जहां आरोपित ने सिर मुण्डन करवाने के साथ मूछें कटवाई।

पिछले करीब 11 साल से दिल्ली में ऑटो रिक्शा किराए पर लेकर सवारियों से लूट की कई वारदातों को अंजाम दे चुके है। जयपुर में एक ही दिन में दो महिलाओं से सोने के जेवरात लूट की वारदात को गैंग ने अंजाम दिया। वारदात करने के बाद ऑटोरिक्शा को रेलवे स्टेशन की पार्किंग में खड़ा कर दिल्ली भाग गए थे। पुलिस ने सौ से अधिक सीसीटीवी और पांच सौ ऑटोरिक्शा ड्राइवरों से पूछताछ कर लूट गैंग के बदमाशों को चिह्नित किया।

नई सीवर लाइन डाल कर किया सीवर लीकेज का समाधान

जयपुर। रेलवे जंक्शन के पास धंसी सीवर लाइन की समस्या का हल हेरिटेज निगम ने शनिवार रात कर दिया। इसके लिए हेरिटेज निगम के अधिकारी और इंजीनियर की टीम ने अथक प्रयास कर अत्याधुनिक पोकलेन मशीन की सहायता से काफी गहरा खड्डा किया और फिर नई पाईप लाईन डाली। इस संबंध में हेरिटेज निगम के एक्सईएन दिनेश गुप्ता ने बताया कि कल्पना ट्रेवल्स के सामने स्थित सीवर लाइन काफी पुरानी थी। बारिश में पानी जाने से ये धंस गई थी। ऐसे में हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल के निर्देश पर तत्काल रिपेयर का काम शुरू किया। लेकिन बारिश के कारण बार बार मिट्टी धंस रही थी। ऐसे में करीब 10 मीटर की सीवर लाइन को काट कर नई पाईप लाइन डालने का कार्य किया गया। अत्याधुनिक पोकलेन मशीन की सहायता से बिना मिट्टी धंसे पाइप लाइन को डाल कर जोड़ दिया गया।

- रेलवे जंक्शन के पास सीवर की समस्या के निस्तारण के लिए हेरिटेज निगम ने अपनाई अत्याधुनिक मशीन पॉकलेन

अविवाहित बताकर शादीशुदा युवक ने किया युवती से दुष्कर्म

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में अविवाहित बताकर शादीशुदा युवक ने एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर कई सालों तक देहशोषण करता रहा। बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर भी पिता का गलत नाम लिखवाया। इस संबंध में थाने में पीड़ित युवती ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि साल 2016 में उसकी मुलाकात आरोपित से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। आरोप है कि मिलने-जुलने के दौरान आरोपित ने खुद को अविवाहित बताकर शादी करने का ऑफर रखा। शादी करने का वादा कर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

शादीशुदा होते हुए भी झूठ बोलकर उसे शादी करने का झांसा देकर देह शोषण करने लगा। लम्बे समय तक देह शोषण करने पर बेटी का जन्म हुआ।

आरोप है कि धोखे में रखते हुए आरोपित ने बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर पिता का गलत नाम लिखवा दिया। कुछ समय पहले शादीशुदा होने के साथ ही आरोपित के जालसाजी कर बर्थ सर्टिफिकेट पर फेक पिता नाम अंकित करवाने का पता चला। इस संबंध में पीड़िता थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

- पीडिता का आरोप है कि आरोपित ने शादी का झांसा देकर कई सालों तक देहशोषण करता रहा। बेटी के बर्थ सर्टिफिकेट पर भी पिता का गलत नाम लिखवाया

घर के बाहर खड़ा ऑटोरिक्शा चोरी कर ले गए बदमाश

जयपुर। जवाहर सर्किल थाना इलाके में घर के बाहर खड़ा ऑटोरिक्शा चोरी का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया कि चोरी करने आए बदमाश भी ऑटो रिक्शा लेकर आए थे।

स्टार्ट नहीं कर पाने पर बदमाश ऑटो रिक्शा को धक्का मारकर चुरा ले गए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ऑटो रिक्शा चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस हेड कांस्टेबल विक्रम सिंह ने बताया कि मालवीय नगर निवासी मालिक बर्मन (54) ने मामला दर्ज करवाया है कि उसने अपने घर के बाहर खड़ा किया था। जहां देर रात चोरी नीयत से पहुंचे बदमाश ऑटोरिक्शा चोरी कर ले गए।

सुबह उठकर ऑटोरिक्शा संभालने पर गायब मिला। वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर ऑटो रिक्शा चोरों की करतूत कैद मिली। जहां ऑटो रिक्शा में आए बदमाशों ने चोरी की वारदात की। स्टार्ट नहीं होने पर ऑटो रिक्शा को धक्का मारकर चोरी कर ले गए। पुलिस फुटेज के आधार पर ऑटो रिक्शा चोरों की तलाश कर रही है।

डेविड वॉल्टर्स ने 'सोल ट्रॉपिकल' की धुनों से श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

- फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया, एलायंस फ्रांसेसे नेटवर्क इन इंडिया और जयपुर विरासत फाउंडेशन द्वारा आयोजन
- जयपुर में अफ्रो-केरेबियन रिदम, भारतीय शास्त्रीय और लोक संगीत की अनूठी प्रस्तुति

जयपुर। फ्रेंच-केरेबियन स्टार डेविड वॉल्टर्स ने अपने इंडिया टूर के तहत जयपुर के डिग्गी पैलेस में एक यादगार संगीतमय प्रस्तुति दी। इस अनूठे कॉन्सर्ट में वॉल्टर्स ने अपने लेटेस्ट एलबम 'सोल ट्रॉपिकल' की धुनों के माध्यम से श्रोताओं को सोल, फंक और ट्रॉपिकल रिदम्स से रू-ब-रू कराया। अफ्रो-केरेबियन रिदम और भारतीय शास्त्रीय एवं लोक संगीत के अद्भुत संगम से सजी यह शाम श्रोताओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गई। वॉल्टर्स के साथ मंच पर भारत की दो प्रतिष्ठित शास्त्रीय कलाकारों डॉ. शिवा व्यास और डॉ. प्रिया तिवाड़ी की प्रस्तुति ने संगीत में नए रंग भर दिए।

प्रस्तुति के दौरान, डॉ. शिवा व्यास ने सितार की मधुर धुन से श्रोताओं को मन मोहित किया, वहीं, डॉ. प्रिया तिवाड़ी ने तबले की थाप से श्रोताओं में नई ऊर्जा का संचार किया। इस शाम का मुख्य आकर्षण एक विशेष जैम सेशन रहा, जिसमें राजस्थान की प्रख्यात लोक कलाकार ममता सपेरा ने अपनी अनूठी शैली में बीटबॉक्स और मोरचंग पर दमदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं में जोश भर दिया। लगभग 1.5 घंटे तक चली प्रस्तुति में कलाकारों द्वारा 8-9 संगीत के ट्रैक्स पेश किए गए, जो कि मुख्य रूप से इंप्रोवाइजेशन पर आधारित थे, लेकिन अपनी गहराई और भावपूर्ण प्रवाह से दर्शकों को बांधे रखा। गौरतलब है कि स्थानीय कलाकारों के साथ कोलैबोरेशन की श्रृंखला में बेंगलुरु और कोलकाता के बाद जयपुर में यह तीसरा आयोजन था। 'सोल ट्रॉपिकल' के ज़रिए वॉल्टर्स ने भारत और फ्रांस के बीच संगीत, भाषा और कला के ऐतिहासिक संबंधों को एक नई ध्वनि और पहचान प्रदान की।

यह कॉन्सर्ट अंतरराष्ट्रीय फेट डे ला म्यूज़िक फेस्टिवल के अंतर्गत इंडिया टूर का एक विशेष हिस्सा था। इस इंडिया टूर का आयोजन फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया और एलायंस फ्रांसेसे नेटवर्क इन इंडिया द्वारा किया गया। जयपुर में कंसर्ट का आयोजन जयपुर विरासत फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य इंडो-फ्रेंच कल्चरल डायलोग के हिस्से के रूप में आपसी सहयोग, संगीत और विविधता को बढ़ावा देना है। दिल्ली, चंडीगढ़, भोपाल, पुणे, हैदराबाद, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे भारत के 7 प्रमुख शहरों में सफल प्रस्तुतियों के बाद के बाद यह संगीतमय यात्रा जयपुर में आकर संपन्न हुई।

देवशयनी एकादशी आज

जयपुर। देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर रविवार को ठिकाना मंदिर श्री गोविंद देवजी में प्रातः काल मंगला झांकी पश्चात ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक किया जायेगा एवं उसके पश्चात ठाकुर श्री जी को नवीन लाल रंग की नटवर वेश पोशाक धारण कराई जाएगी और विशेष अलंकारों पुष्प श्रृंगार किया जायेगा। ग्वाल झांकी पश्चात ठाकुर श्रीजी शालिग्राम स्वरूप को रथ पर विराजमान करके मंदिर के दक्षिण पश्चिम कोने पर स्थित तुलसा मंच पर ले जाया जाएगा और विराजमान कर महंत श्री अंजन कुमार गोस्वामी जी द्वारा शालिग्राम भगवान का पंचामृत अभिषेक एवं तुलसी महारानी जी का पूजन किया जाएगा। पूजन के पश्चात भोग अर्पण किया जायेगा। तुलसी महारानी जी एवं शालिग्राम भगवान जी की चार परिक्रमा एवं आरती की जाएगी। इसके पश्चात ठाकुर श्रीजी शालिग्राम भगवान जी को खाट पर विराजमान कर निज मंदिर की एक परिक्रमा पश्चात वापस गर्भगृह में विराजमान किया जाएगा।

मादक पदार्थ स्मैक मामले में डेढ माह से फरार आरोपित गिरफ्तार

अवैध स्मैक बिक्री के करीब डेढ़ माह से फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है

जयपुर। संजय सर्किल ने कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन क्लीप स्वीप के तहत अवैध स्मैक बिक्री के करीब डेढ़ माह से फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है।

जो साथी के पकडे जाने के बाद से फरार चल रहा था। आरोपित पुलिस से बचने के लिए जयपुर से बाहर राजस्थान में कई स्थानों सहित इंदौर में रहकर फरारी काट रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशे की लत को पूरा करने व मौज मस्ती करने के लिए रुपयों की जरूरत होने पर अवैध स्मैक का कारोबार करता था।

फिलहाल पुलिस आरोपित से अवैध स्मैक प्राप्त करने व बिक्री करने वालों के संबंध में पूछताछ कर रही है। इस मामले में आरोपित के साथी को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डूडी डोगरा ने बताया कि पुलिस थाना संजय सर्किल ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत अवैध स्मैक बिक्री के करीब डेढ़ माह से फरार चल रहे आरोपित मोहम्मद इलियास निवासी राजीव नगर हसनपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

युवती से दोस्ती कर प्यार में फंसाकर जबरन दुष्कर्म

जयपुर। विधाधर नगर थाना इलाके में पड़ोसी युवक द्वारा एक युवती से दोस्ती कर प्यार में फंसाकर जबरन दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर शादी करने का झांसा भी दिया। इस संबंध में पीड़ित युवती ने आरोपित पड़ोसी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि भट्टाबस्ती की रहने वाली बीस वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि एक ही कॉलोनी में रहने के कारण आरोपित पड़ोसी को वह जानती थी। कुछ समय पहले आरोपित पड़ोसी ने बातचीत के साथ उससे मिलना-जुलना शुरू कर दिया। बातचीत के दौरान आरोपी ने उससे दोस्ती कर ली। दोस्त होने का फायदा उठाकर मिलने पर प्यार करने का दिखावा करने लगा। साल-2025 में प्यार के जाल में फंसाकर मिलने के बहाने उसे विद्याधर नगर बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी ने अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का झांसा दिया। शादी करने का झांसा देकर देहशोषण करने लगा। पीडिता के शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपित युवक ने मना कर दिया। इसके बाद पीड़ित युवती थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

- पीडिता के शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपित युवक ने मना कर दिया। इसके बाद पीड़ित युवती थाने पहुंची

शिविर में दिखा उत्साह,जुटा 103 यूनिट ब्लड

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला जयपुर, युवा इकाई,राजस्थान एवं भारतीय जनता पार्टी जिला जयपुर इकाई के संयुक्त तत्वाधान में विशाल रक्तदान शिविर शनिवार को य, विद्याश्रम स्कूल के पास, दैनिक भास्कर कार्यालय के सामने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित किया गया।

इस मौके पर रक्तदाताओं मे रक्तदान के प्रति उत्साह दिखा और करीब 103 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। अध्यक्ष रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ओर सचिव संजय पाबूवाल ने बताया कि षिविर में मुख्य अतिथि भाजपा के जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल रहे।

दीप प्रज्ज्वलन जेडी माहेष्वरी व उद्घाटन प्रमुख समाजसेवी अजय गंगवाल ने किया। इस मौके पर पूर्व मेयर ज्योति-शरद खंडेलवाल, राजस्थान वैश्य महासम्मेलन के प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, महासचिव गोपाल दास गुप्ता, राजस्थान महिला विंग की अध्यक्ष चारु गुप्ता, महामंत्री सीमा सेठी, जयपुर जिला यूथ विंग महिला अध्यक्ष सारिका जैन, महामंत्री सुषमा माहेश्वरी,संगठन मंत्री अंजना जैन, रश्मि जैन, कमल मुकुट फिल्म प्रोड्यूसर ओर अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हमने धरातल पर ऐसे कदम उठाए है जिससे गरीब समृद्ध हो सके : मदन राठौड़

- 'अपनी राजनैतिक ज़मीन खिसक ना जाये इसलिए गहलोत सुर्खियों में रहना चाहते है'
- हनुमान बेनीवाल नकारात्मक राजनीति करते है, भड़काऊ बयानबाजी करके सुर्खियों में रहने का प्रयास करते है : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि गहलोत जादूगर के जैसे काम करते थे परंतु राजस्थान में धरातल पर काम करने वाली भाजपा सरकार 5 साल नहीं बल्कि कई सालो तक चलने वाली है। डोटासरा ने कहा था कि भाजपा सरकार पाँच साल चलेगी परंतु पाँच ही नहीं अपितु कई सालो तक भाजपा सरकार चलने वाली है, अब गहलोत राजस्थान में मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे।

राठौड़ ने कहा कि हमारी पार्टी में हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण होता है। हमारे यहां दायित्व परिवर्तित किया जाता है ,किसी को मोर्चे में भेजा जाता है तो किसी को जिले और प्रदेश में। अभी कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था की कांग्रेस एक परिवार मान कर के परिवार की समृद्धि के लिए कार्य करे तो इसको वो किस परिपेक्ष से देखते है परंतु अगर कांग्रेस जनाधार बढ़ाती है तो ये अच्छी बात है राजनीति में एक मजबूत विपक्ष होना अच्छी बात है।

आज कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि इनके आपस में ही विरोधाभास है। गहलोत कभी डोटासरा के ख़िलाफ़ बोलते है कभी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के ख़िलाफ़ बोलते है तो इनको पहले तो आपस में एक परिवार बनाना चाहिए और वैसे एक परिवार के प्रति तो ये समर्पित है ही।

राठौड़ ने कहा कि हमारी सरकार ने क़ानून व्यवस्था का पूरा पालन करवाया है और कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। कहीं कोई घटना होती है तो वो प्रायोजित होती है। कांग्रेस का काम ही हमेशा से उकसाने का रहा है। इनका काम हमेशा वातावरण को ख़राब करने का रहा है , अस्थिरता पैदा हो ऐसा काम कांग्रेस हमेशा से करती है लेकिन हम सावधान है , सजग है इनके प्रयासो को सफल नहीं होने देंगे और सभी तरफ़ से सभी को सम्मान मिलेगा , सभी धर्मो को साथ लेकर चलेंगे और सभी की धार्मिक भावनाओं का आदर करेंगे। राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जो अंत्योदय पखवाड़ा योजना चलाई है ये एक अच्छी सोच है और गरीबी उन्मूलन की दिशा में बहुत बड़ा योगदान साबित होगी। अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी मदद देने के लिए कारगर साबित होगी।

कांग्रेस केवल नारे लगाती आई है ग़रीबी हटाओ परंतु हमने धरातल पर ऐसे कदम उठाए है जिससे ग़रीब समृद्ध हो सके। राठौड़ ने कहा कि हमारी पार्टी अनुशासनात्मक पार्टी है हम पंच निष्ठा में विश्वास रखते है। हमारी भाजपा सरकार की योजनाओं से उनको क्या तकलीफ़ है। आज हमारी सब योजनाएं जैसे वंदे गंगा हाल संरक्षण,एक पेड़ माँ के नाम , अंत्योदय पखवाड़ा जनउपयोगी है। कांग्रेस को इसमें साथ देना चाहिए।

परंतु ये कहते है हमे आरएसएस और भाजपा की तर्ज पर संगठन मनबूत कर्मा चाहिए। इनको मैं कहना चाहता हूँ की इसके किए इनको समझना पड़ेगा, समर्पण लेना पड़ेगा, एक होना पड़ेगा , एक दूसरे का विरोध करना बंद करना पड़ेगा। अपनी राजनैतिक ज़मीन खिसक ना जाये इसलिए गहलोत सुर्खियों में रहना चाहते है।

इनके केंद्रीय नेतृत्व ने पायलट को ज़्यादा आगे कर रखा है तो गहलोत को भय है। वही डोटासरा भी पायलट के भय के कारण उल झल्लूल बयान देकर सुर्खियां बटोरने में लगे हुए है।

राठौड़ ने कहा की हनुमान बेनीवाल नकारात्मक राजनीति करते है और भड़काऊ बयानबाजी करके सुर्खियों में रहने का प्रयास करते है। राजस्थान की जनता समझदार है और भजनलाल सरकार की योजनाओं को समझकर उनको धरातल पर लाने में मदद कर रही है जिससे गरीबी उन्मूलन की दिशा में एक बड़ा बदलाव हो सके।

सार-समाचार

राज्यपाल हरिभाऊ ने 40 सफल प्रथम स्टूडेंट्स को सम्मानित किया

जयपुर। राजस्थान इंटरनेशनल संस्थान में आयोजित विद्या भारती राजस्थान के प्रतिभा सम्मान समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ ने 10 व 12 की बोर्ड परीक्षा में कीर्तिमान बनाने वाले विद्या भारती संस्थान के 40 सफल प्रथम स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। केसर देवी सोती आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय, चुरू से 12 आर्ट्स में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर कीर्तिमान बनाने वाले मृत्युंजय शर्मा को राज्यपाल बागड़े ने उनके बेहतरीन परिणाम के लिए सम्मानित किया व उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

रितु सिंह का काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर की कार्यकारी समिति में चयन

जयपुर। जयपुर की प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट और डिज़ाइन आर्किटेक्ट्स की संस्थापक, रितु सिंह को मुंबई में आयोजित चुनाव के बाद काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (सीओए) की कार्यकारी समिति में चुना गया हैकाउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर भारत में वास्तुकला और वास्तु शिक्षा को विनियमित करने वाली एक वैधानिक सर्वोच्च संस्था है। इसकी पांच-सदस्यीय कार्यकारी समिति प्रमुख निर्णय लेने वाली इकाई होती है, जो काउंसिल के प्रस्तावों को लागू करने और उसकी दिशा तय करने का कार्य करती हैरितु सिंह पिछले पांच वर्षों से काउंसिल की सक्रिय सदस्य रही हैं। वे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा नियुक्त विजिटर्स नॉमिनी सदस्य के रूप में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल की चयन समिति में भी शामिल हैं।इस अवसर पर रितु ने कहा, यह मेरे लिए एक सम्मान और ज़िम्मेदारी दोनों है। मैं देश में वास्तुकला अभ्यास और शिक्षा को सशक्त बनाने में योगदान देने के लिए तत्पर हूं।इस क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक के पेशेवर अनुभव के साथ, सिंह एक पुरस्कार विजेता आर्किटेक्ट हैं, जिन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी और पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कई प्रमुख बिल्डिंग्स को डिज़ाइन किया है। उनकी फर्म डिज़ाइन आर्किटेक्ट्स को नवाचारपूर्ण और स्थानीय सन्दर्भ के अनुरूप डिज़ाइन के लिए जाना जाता है।उनका कार्यकारी समिति में चुना जाना भारत में वास्तुकला के क्षेत्र में उनके दीर्घकालिक योगदान की एक महत्वपूर्ण मान्यता के रूप में देखा जा रहा है।

पारीक महिला परिषद के सदस्यों ने बुजुर्गो का स्वागत किया

जयपुर। अकेलेपन, उपेक्षा और निराश्रित जीवन जी रहे बुजुर्गो को अपनेपन, सम्मान और स्नेह का अहसास करवाने का एक छोटा सा प्रयास शनिवार को पारीक महिला परिषद के सदस्यों द्वारा नया सवेरा वृद्धा आश्रम में किया गया। पारीक महिला परिषद के सदस्यों द्वारा नया सवेरा वृद्धा श्रम, रानी सती नगर जयपुर के सभी बुजुर्गो (जिसमें महिला ओर पुरुष दोनो शामिल)को आश्रम के करीब एक रेस्टोरेंट मे ले जाकर उनका स्वागत करते हुए उनके साथ विभिन्न टेबल गेम खेले, उनकी पसंद का खाना खिलाया और उनकी जरूरत का सामान दिया।इस अवसर पर बुजुर्गो से उनके जीवन के अनुभवों उनके द्वारा निजी जीवन और सार्वजनिक जीवन मे किये गए कार्यों की जानकारी प्राप्त किये गए इस अवसर पर परिषद की अध्यक्ष निशा पुरोहित, पूर्व अध्यक्ष शशि पुरोहित, महा सचिव रश्मि पारीक, गीता (ब्रजेश) पारीक, रेणु पारीक, चन्द्र कला पारीक,पुनीता पाण्डेय, सविता पारीक, आशा (बेबी) पारीक, श्री मती, सीमा पारीक, पुष्पा पारीक, नीरू पारीक उपस्थित रही।

एक शाम आनंद के नाम में प्रस्तुत गीतों ने श्रोताओं का दिल लुभाया

जयपुर। यहाँ जवाहर कला केंद्र के "रंगायन" ऑडिटोरियम में आज शाम प्रसिद्ध गीतकार आनंद बख्शी के गीतों का एक बहुत ही मधुर कार्यक्रम " की शाम आनंद के नाम" पेश किया गया. इस प्रोग्राम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गायिका वीणा मोदानी थीं जो राजस्थान की आशा भोंसले के नाम से जानी जातीं हैं। कार्यक्रम में जयपुर के 30 नामचीन कलाकारों ने अपने गानों से मधुर स्वर- लहरियां बिखेरी। कार्यक्रम में मीनू तहिंन ,ज्योति अग्रवाल के अलावा ग्रुपमेंटर अंजन चौधरी,वीनू मित्तल, विकास चंदेलिया,अरुणा जैन ,अजोय कल्ला, विक्टर मोटवानी,श्वेता मिश्रा ,रजनीश उपाध्याय,मोहित मोहता ,प्रसिद्ध हार्ट सर्जन डॉ के के मावर,डॉ अशोक शर्मा ,गुरुग्राम से आई मोनिका चौधरी सहित 30 नामचीन गायकों ने अपने गीतों से कार्यक्रम को चार चांद लगा दिए। ग्रुप के संस्थापक अरविंद गोयल ने बताया कि इस म्यूजिकल ग्रुप की स्थापना 2012 में की गई थी।

आत्मनिर्भर वृद्धा आश्रम को भेंट की कुर्सियां व आलमारी

जयपुर। दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग जयपुर के तत्वावधान में आत्मनिर्भर वृद्धा आश्रम में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर चांद वाई परमार्थिक ट्रस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर वीरेंद्र कुमार सेठी तथा ट्रस्टी शांता सेठी एवं अशोक चांदवाड के सहयोग से आश्रम को 5कुर्सियां व आलमारी भेंट की,साथ ही राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांड्या ने भी 5100रुपए का सहयोग दिया। इसके अलावा मनोज गोधा व निर्मल कुमार संघी ने भी सहयोग दिया। दिगंबर जैन महासमिति पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी तथा संयोजक रश्मि जैन ने बताया कि यह फर्नीचर आत्मनिर्भर संस्थान के अध्यक्ष हरदेव शर्मा सचिव ध्रुव सत्य अग्रवाल कोषाध्यक्ष कुसुम देवी, प्रबंधक राधिका शर्मा एवं कर्मचारी गण जय राम शर्मा, महेंद्र पांडे , भूपेंद्र शर्मा ,अश्विनी कुंदन, आदि की उपस्थिति में प्रदान किया गया। इस मौके पर आंचलिक अध्यक्ष रिटायर्ड आईपीएस अनिल कुमार जैन, आंचलिक महामंत्री महावीर बाकलीवाल कार्य अध्यक्ष णमोकार जैन ,राजेंद्र पापड़ीवाल, महारानी फार्म संभाग के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार व सेठी ललित कुमार सेठी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

It is National Air Traffic Control Day

National Air Traffic Control Day celebrates the unsung heroes who ensure that our air travel is safe and efficient. These skilled professionals juggle thousands of flights daily, coordinating everything from takeoff to landing. Their efforts keep the skies safe, making them vital to both public safety and our economy. Today, we celebrate their dedication and their critical roles in managing the complex airspace above us. Celebrating National Air Traffic Control Day can be as entertaining as it is educational. Visit an air traffic control center today. It's a fantastic way to see the wizards at work, managing the skies and keeping flights smooth and safe.

#WORLD ORDER

The Fall of Nicolae Ceausescu

How a Defiant Speech led to the end of a Brutal Regime!

Thirty years ago, Romanian leader, Nicolae Ceausescu, and his wife, Elena, were executed by firing squad after a hasty one-hour show trial.

In late December 1989, the world watched as one of Eastern Europe's most repressive communist leaders met a dramatic and violent end. Nicolae Ceausescu, Romania's dictator for over two decades, was executed alongside his wife, Elena, in a televised firing squad just days after a public speech intended to demonstrate his control. This shocking conclusion to his rule was the climax of a revolution fueled by years of political repression, economic hardship, and growing unrest.

A Legacy of Repression and Hardship

Nicolae Ceausescu rose to power in 1965 as General Secretary of the Romanian Communist Party, and later, became President in 1974. His early years in power saw some attempts to distance Romania from Soviet control, earning him a degree of popularity, both domestically and internationally. However, as the years went on, Ceausescu's regime grew increasingly authoritarian and isolated. He imposed harsh policies, including strict censorship, a ruthless secret police (the Securitate), and severe limitations on freedoms of speech and assembly.

The Romanian people also endured extreme economic austerity in the 1980s as Ceausescu prioritized paying off the country's foreign debt. This led to widespread shortages of food, electricity, heating, and basic goods. The quality of life plummeted, and many Romanians suffered under harsh living conditions while the Ceausescu family and political elite enjoyed extravagant lifestyles.

The Sparks of Revolution

Inspired by the wave of anti-communist uprisings sweeping through Eastern Europe in 1989, including the fall of the Berlin Wall and the collapse of regimes in Poland and Hungary, Romanians began to rise against their own dictator. The immediate spark came in mid-December when protests broke out in the city of Timisoara following the attempted eviction of a Hungarian pastor, László, who had spoken out against the regime.

These protests quickly escalated into nationwide demonstrations demanding Ceausescu's resignation. The government's attempts to crush dissent with force only intensified public outrage, as security forces opened fire on demonstrators in several cities.

The Fateful Speech and the Rapid Collapse

On December 21, 1989, Ceausescu made a critical decision to address a massive crowd in Bucharest's Palace Square. The speech was designed to reaffirm his control and quell the unrest. Instead, it backfired spectacularly. The crowd responded with loud jeers, boos, and chants against the regime, an extraordinary and unprecedented display of defiance broadcast live on state television. The moment revealed the depth of his isolation and the regime's waning grip on power.

Within days, the military and key political figures abandoned Ceausescu, siding with the revolutionaries. On December 22, the dictator and his wife fled the capital but were soon captured by the army.

Trial and Execution

Ceausescu and Elena were subjected to a brief, summary trial on December 25, 1989, accused of genocide, corruption, and abuse of power. The trial, lasting less than two hours, was marked by its swift verdict. Both were found guilty and sentenced to death. Their execution by firing squad was carried out immediately and broadcast on national television, a shocking event symbolizing the violent end of one of Europe's most brutal regimes.

Aftermath and Legacy

The execution of Ceausescus marked the definitive end of communist rule in Romania and the beginning of the country's transition towards democracy. However, the revolution was far from peaceful, resulting in hundreds of deaths and lingering political instability. Today, the events of December 1989 remain a powerful reminder of the risks and costs of authoritarianism. Ceausescu's downfall underscored the profound desire for freedom and justice among Romanians and symbolized the broader collapse of communist regimes across Eastern Europe.

Indira Gandhi and Nicolae Ceausescu.

There Are More Than Asses Here!

The Indian Wild Ass is a herd-living endemic equine species. Its population recovery from about 400 in the late 1990s to more than 6000 individuals is one of India's celebrated conservation success stories.

The large Eastern imperial eagle.

Finally, the door was opened and I was the first one to get the tickets. I knew guide is mandatory in the park and I thought they would be waiting near the ticket counter for the forest officials to pick and assign like in Velavadar. But I didn't seem to find anyone there, so, when the forest official asked me who is our guide, I had no answer. The other two people in the queue had come down with their big cameras and pre-arranged guide. So, they all got their tickets and started off. The forest official then called a guide and that guy was already booked, so, he arranged an amateur guide for me.

The Peregrine falcon.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

The Little Rann of Kutch (LRK) is a vast desert and a seasonal salt marsh near the northern frontier of Gujarat. It is the last remaining stronghold of the Indian Wild Ass or Khur, which roams the ~5000 sq.km. Wild Ass Sanctuary is situated in the *Rann* (desert in Gujarati). A popular tourist destination, LRK, attracts wildlife photographers from across the world to shoot the wild ass and the scores of migratory birds that flock here during the winter season. The internet holds witness to the striking landscape and portrait shots of this unique terrain and its charismatic wildlife. The wildlife in these photographs stands out against a seemingly barren and monotonous background, which adds to its appeal. My understanding of LRK and its wildlife has predominantly been shaped by these images.

This was until I visited the Wild Ass Sanctuary in person for the first time in the summer of 2024. Desert summers are incredibly harsh, and yet, I timed my visit during this particular period for two reasons. First, the wildlife here has evolved unique adaptations to survive the peak desert heat, and it is only during the summer that one can contextualise and appreciate them. Second, very few tourists and photographers visit LRK during the summer months to avoid the heat, which means fewer crowds and an overall better experience.

My trip to LRK completely changed my perception of the Wild Ass Sanctuary and the surrounding Rann. This photo story is my attempt to showcase the reality of the Indian Wild Ass and its co-inhabitants.

A herd of Indian wild asses should have been a common sight in India but that is not the current scenario as they were in very less numbers. So, I had to travel thousands of kilometers to see a herd of these gorgeous Indian wild asses in Wild Ass Sanctuary, Little Rann of Kutch.

After spending some good time in the waters of Nalsarovar, I headed to Little Rann of Kutch, part of the Gujarat Road Trip. I had booked a hotel in Patdi which is located around 70 kms from Nalsarovar. My plan was to visit Wild Ass Sanctuary in Little Rann of Kutch and do some casual birding outside the sanctuary. When I reached Patdi, I saw at a temple with many unique sculptures and there was a small pond next to that temple with lots of waterbirds. I decided to come back to that pond after some quick refreshment in the hotel as I had crossed many dusty roads. I was not very confident about the hotel I had booked, so, I felt reassured when I saw many other guests with full wildlife gear. After drinking some tasty *lassi*, I went back to the pond. In the evening light, I saw Ruddy shelducks, Greylag geese and few other waders.

While watching the birds, I heard some loud crackers from the temple. Out of curiosity, I decided to visit that Shakti Mata temple. The temple was full of lights and the statues were very different from other Indian temples. The goddesses were holding handbags. A child god was drawn with lots of birds, so, I have to say it was quite an interesting evening for me.

Majestic flamingoes.

#SWEET WILD ASSES

Gujarati sign board.

Plover, Little Rann of Kutch.

A surprising sighting of the Merlin.

Wildlife Safari in LRK

Next day, very early morning, I headed to the ticket counter of Wild Ass Sanctuary. It was cold and very dark and there was no sign of opening the gates anytime soon. So, I just waited in car and watched a petty shop which was opened even at that time. After few minutes, the shopkeeper closed the shop. I was confused like 'why did he open so early and why did he already close it.' He went inside his house which was behind his shop and came back with a small watercan. Few others also joined him and each with their own cans. Then, I realized they were going to do 'Swach Bharat.' I couldn't stop laughing to see this methodical early morning. By this time, two more cars joined us.

Finally, the door was opened and I was the first one to get the tickets. I knew guide is mandatory in the park and I thought they would be waiting near the ticket counter for the forest officials to pick and assign like in Velavadar. But I didn't seem to find anyone there, so, when the forest official asked me who is our guide, I had no answer. The other two people in the queue had come down with their big cameras and pre-arranged guide. So, they all got their tickets and started off. The forest official then called a guide and that guy was already booked, so, he arranged an amateur guide for me.

The problem with birding guides nowadays is commercialization. Most bird photographers cannot spot a bird on

their own, so, they need spoon feeding. But for birders without a bird guide, nothing can be done. So, I take a guide only when the park mentions it as mandatory and am happy if the guide knows his terrain.

So, when a small boy came with us as a guide to Wild Ass Sanctuary, I didn't complain. I went back to the main road and drove into the Wild Ass Sanctuary with a big board at the entrance. Once we entered inside the sanctuary, we were treated with total change in the scenery.

The Wild Ass Sanctuary is spread across and there is no well-laid path inside the sanctuary. This gave all the tourists an opportunity to drive around the park in all directions. There were zigzag tracks everywhere. Initially, there was a small waterbody with lots of water bird activities. I got tempted to stop there but since that was the right time for raptors, which I didn't want to miss, I just drove across.

I did make a lot of unnecessary stops though, as I imagined all the small mud rocks were some raptors. The place was just wide open barren land with just few bunds here and there. Occasionally, I saw a shrub where shrike and drongo were sitting on. After some driving, I spotted a raptor sitting on a Prosopis juliflora and everybody was very enthusiastic to see the raptor. When I went closer, I realized it was the Common Kestrel. This happened few more times and when I was about to lose hope, another visitor spotted a tiny speck on a bund. He was very confident that it was a Peregrine Falcon, and surprisingly, it was.

I had seen the Peregrine Falcon in few other places but it looked more beautiful in this terrain. I drove on and stopped when I saw Wild Asses. They were just standing without doing anything and I had no clue what they got to eat in the barren land. Later, I learnt that they feed on saline vegetation and pods of Prosopis juliflora. They are one of the fastest animals in India. Once they lived throughout Northwestern India, but now they are only in this Wild Ass Sanctuary. That is pretty sad to know these very innocent species (asses are so cute) are Near Threatened status.

Like I always say, we don't feel elated when we see a rare species. Instead, we feel guilty that these beautiful, innocent wild creatures were pushed to Near Threatened, Endangered categories because of human activities.

By this time, the sun was blazing, but unlike my expectations, the weather was considerably okay. That was a big plus in my Gujarat Road Trip as I was able to stay outside the entire day. I drove a bit more and spotted Eastern Imperial Eagle. He looked very majestic in that morning light and muddy ground. I had a direct eye contact with him but he was not bothered about our presence. After I had a good look at the Eastern Imperial Eagle, I decided to return back to the waterbody inside the sanctuary. I saw few more wild asses before reaching the waterbody.

The waterbody was buzzing with activity and I saw Lesser Flamingos flying here and there. I had missed Lesser Flamingos in Pulicat Lake, so, I was glad to see them here. The Pied Avocets were also in good number but I had seen them very closely earlier in Chennai Pallikaranai Marsh area. The Lesser Flamingos were as graceful as the Greater Flamingos and I really enjoyed watching them. Flamingos can never bore you.

I decided to come for evening safari, but maybe, on a different route. It was around 11 AM when we finished the morning safari, so, I dropped the guide and just roamed around to see the birds on the roadside. I had many interesting sightings on the electrical wire itself. I was hopeful that in the evening safari, I could sight more raptors as I now had a good look on the terrain. I started off to the Wild Ass Sanctuary in the evening, and on the way, I had a surprise sighting. I was delighted at the sighting and excitedly continued the drive for the evening safari. But the evening turned out to be a disaster as there was slight drizzling and lightning too. I could not drive inside the sanctuary while it was raining.

So, I skipped the evening safari, and next morning, I went around the neighbourhood waterbodies. The roads were very good in few places, but suddenly, all the roads disappeared and just mud paths appeared. I didn't continue with the drive, where by the looks of it, only cattle can use. This happened few times in our Gujarat Road Trip where the Google Map showed us a perfect route but there was no road in the final stretch.

So, I stuck to the proper roads and was not sorry for it. I had good sightings of Eurasian wryneck, Humes whitethroat, Wire-tailed swallow and many other small birds on the roadsides itself. So, I explored few other roads and then started the long drive to Bhuj.

Good

Indian Wild Ass Sanctuary is spread across 4954 sq.km, which is quite big in the caders of Indian Sanctuaries.

Bad

Exploitation of natural resources in the form of mining.

Ugly

While exploitation of natural resources can be temporary, the damage done by water management is permanent. That will ultimately change the terrain. Even though these lands look barren, this land supports wide variety of wild beings. This water management could change everything.

rajeshsharma1049@gmail.com

Never expected to see an Eurasian Wryneck on an electrical line.

#TECHWONDER

Hydraulic Fracturing and Shale Gas

Although the controversy with fracking and shale gas is new, the technology is quite old. It was first developed by well engineers after the Second World War.

It goes by a number of names, 'hydraulic fracturing,' 'shale gas extraction,' 'hydrofracturing' or 'hydrofracking.' Not to forget the name beloved of headline writers around the world is 'fracking.' But what exactly is fracking, and why has it become such an environmental hot potato? Is it helping to save the world, or condemning it to climate chaos, or is it just perhaps a scam, stoking up a fossil-fuel financial bubble?

Hydraulic fracturing is the name given to a way of squeezing gas and oil out of tight rock reservoirs, places where these hydrocarbons just won't flow out naturally. So far, most of the oil and natural gas man has extracted comes out of the ground on its own accord, so called conventional plays.

It gets pooled in deeply-buried reservoirs, sponge-like rocks where it has been trapped, unable to move any further. Down there, it is also under a lot of pressure. Simply drill a well into these conventional reservoir rocks, and that pressure drives out the fossil fuels, into the well and so up to surface, such wells are understandably called 'gushers.'

But there are plenty of rocks that hold onto their gas (and occasionally oil) in tiny fractures, rather than larger pores. These 'unconventional' reservoirs are usually mudstones, buried and compressed into a hard rock that geologists call 'shale.' Drill a well into them, and nothing happens, the shale gas is locked up too tightly.

Although the controversy with fracking and shale gas is new, the technology is quite old. It was first developed by well engineers after the Second World War. It helped to get to more hydrocarbons out from some reservoirs, even using the vertical wells that companies drilled at the time. What has changed over the last decade is that new drilling technology allows long horizontal wells to be drilled, for miles along the rock layer. That and the fact that energy prices have shot through the roof.

That's particularly true in the US. Large areas of the country are underlain by thick shale deposits, including the Texas Barnett shale formation, and the Marcellus Shales stretching under New York, Pennsylvania and West Virginia. An

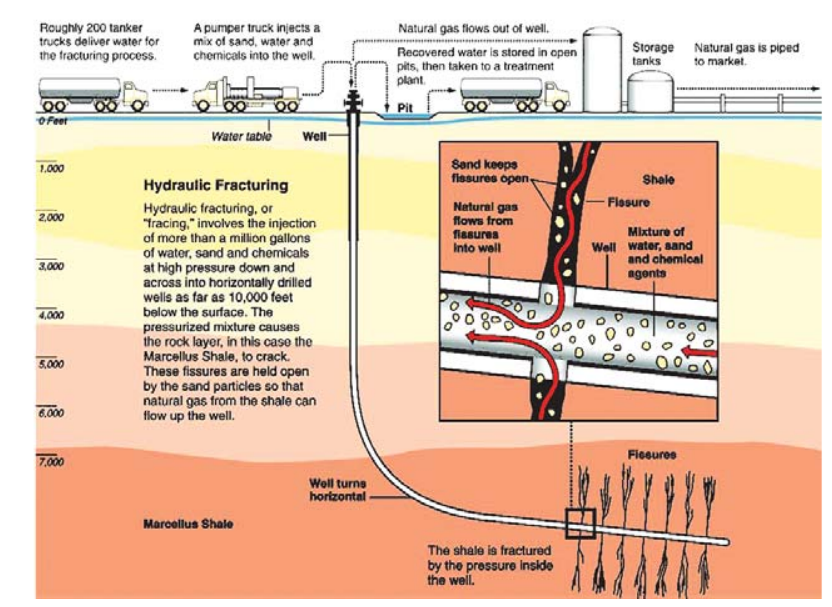

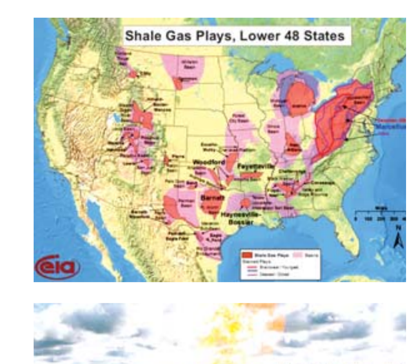

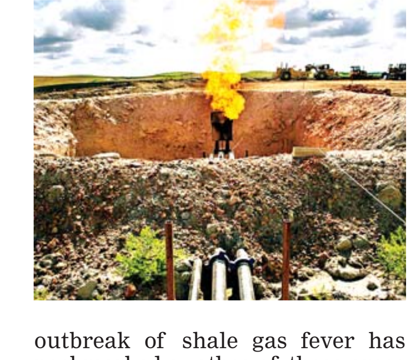

outbreak of shale gas fever has pockmarked swathes of these areas with thousands of wells, and boosted shale gas production from 0.4 trillion cubic feet in 2000, to nearly 5 trillion cubic feet, just 9 years later.

But whilst gas companies have eyed plentiful new resources, which have ballooned to 860 trillion cubic feet in the US, and over 6,000 trillion cubic feet worldwide, many living near to hydraulic fracking wells have simultaneously watched their water quality plummet. The number of environmental problems for locals has multiplied worryingly, pushing the United States' EPA into conducting a thorough review of the whole industry. Problems reported include flaming tap-water, due to methane contamination; leaks of fracking fluids into water-wells and aquifers; chemically-contaminated waste water spills into rivers; and even earthquakes. Fracking operations also use vast quantities of water, so, worries about the drawing down of scarce water resources have been expressed in place like Texas.

These local problems are magnified by more global concerns, shale gas has been marketed as a relatively clean fuel because the CO2 emissions from burning it are so much lower than for fossil fuels like coal and petroleum. Many gas companies have put forward shale gas a clean 'bridge fuel' to help ease the move to a wind- and sun-powered future. The problem is that gas is leaky, and shale gas may be doubly so. That matters because shale gas is mainly methane, a potent greenhouse gas.

From the time the well is drilled, methane is leaking into nearby rocks, and escaping to the surface; not all of it is captured at the wellhead. And gas pipes, taking the shale gas from wellhead to homes, are notoriously prone to escapes. That may put the carbon footprint of shale gas on a par with dirty coal.

Finally, there are concerns over whether the whole 'shale gas revolution' has been blown out of proportion, with the gas industry exaggerating the potential to attract investors. Many wells fail to produce anything, and even the best wells show a dramatic decline after a year, requiring more and more wells to be drilled. Because shale gas is more expensive than conventional gas to produce, a collapse in gas prices could eventually prick the shale gas boom.

So, poor economic fundamentals could come to the rescue of worried residents, and a warming planet, well before the regulators decide on how best to handle fracking, and the shale gas explosion.

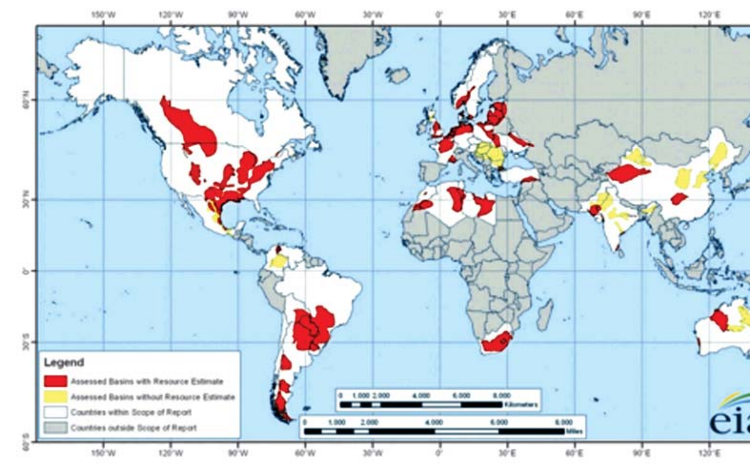

THE WALL

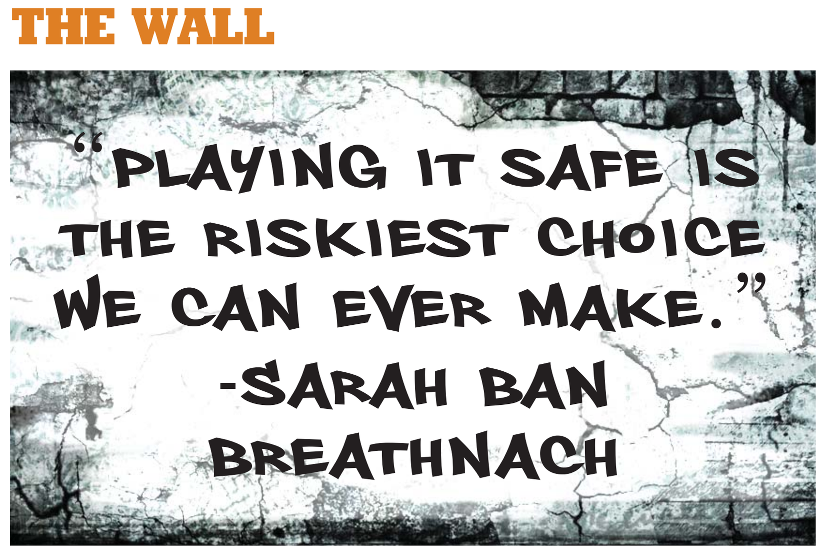

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

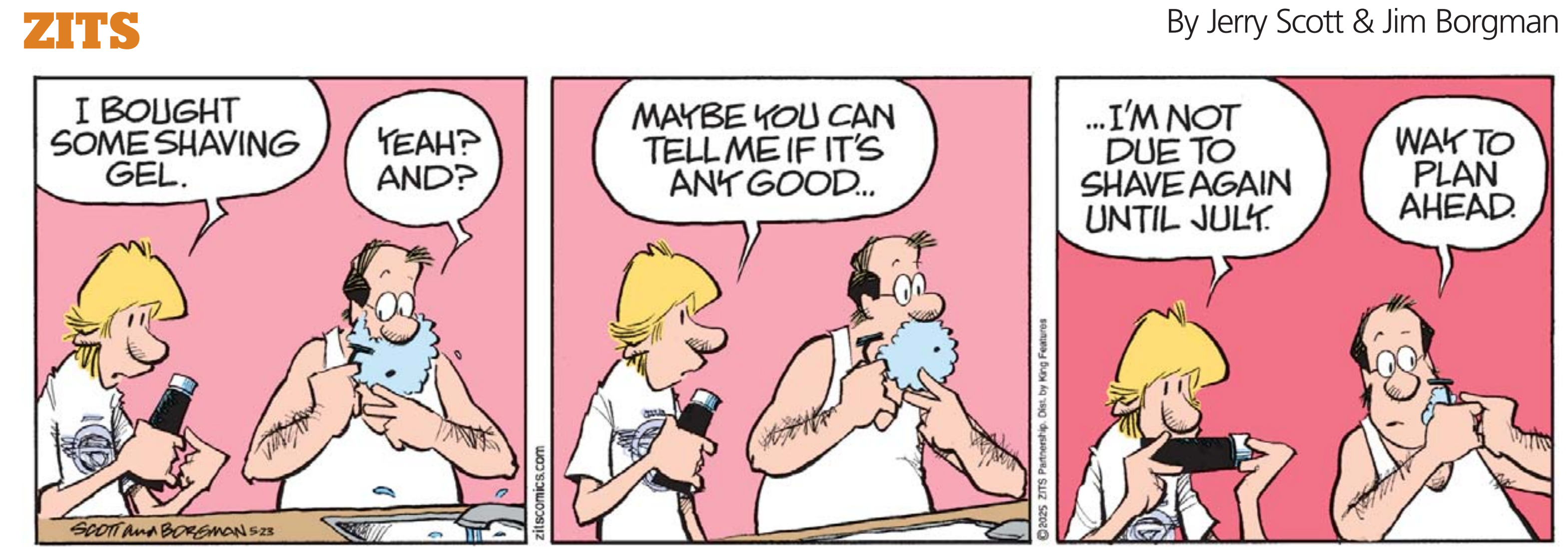

ठेले के टक्कर लगने के बाद कार सवार की संदिग्ध मौत, जहाजपुर में तनाव

आक्रोशित हिन्दू समाज ने बाजार बंद कर विरोध दर्ज करवाया, 10 थानों की पुलिस तैनात

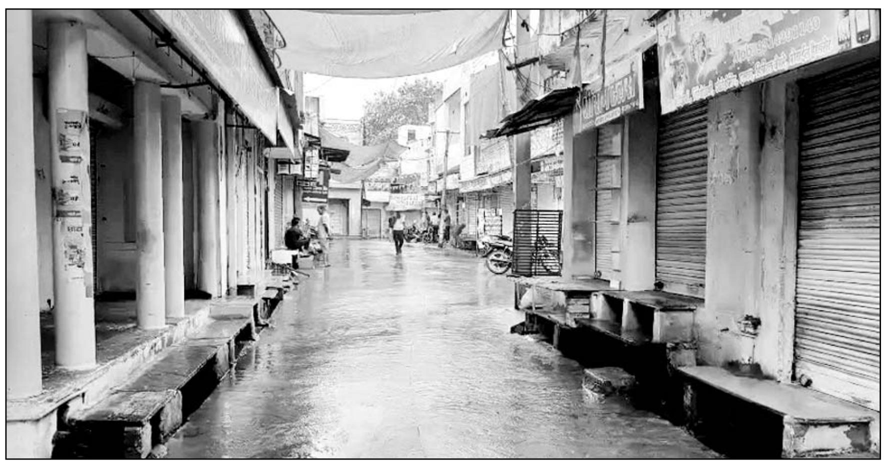

भरतपुर में करोड़ों की ठगी मामले में

- विधायक गोपीचंद मीणा प्रदर्शन में शामिल हुए और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की
- भीड़ पर युवक की पीट-पीट कर हत्या करने का आरोप, पुलिस ने एक जने को गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर में कार-ठेला की टक्कर के बाद कार सवार युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हादसे के बाद जमा भीड़ पर युवक की पीट-पीट कर हत्या करने का आरोप है। आक्रोशित हिन्दू समाज ने बाजार बंद कर विरोध दर्ज करवाया तो वहीं कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फ़िलहाल जहाजपुर में शांति लेकिन माहौल तनावपूर्ण बन हुआ है।

जानकारी के अनुसार सीताराम कीर (25) की अनियंत्रित कार तकिया मस्जिद स्थित बाजार में एक आलू-प्याज बेचने वाले ठेले से टकरा गई। अचानक हुए हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसका एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। भीड़ में शामिल लोगों ने सीताराम के साथ खींचतान और मारपीट की, जिससे पर अचानक से गिरा और बेहोश हो गया। सीताराम को अन्य साथी अस्पताल में लेकर गए, वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसकी सूचना मिलते ही अस्पताल के बाहर लोग इकट्ठा हो गए और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। 16 नामजद और 20 अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। हालात को काबू करने के लिए जहाजपुर में 10 थानों की पुलिस फोर्स लगाई गई है। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव ने भी रात में मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। विधायक गोपीचंद मीणा विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

मृतक के जीजा ने बताया कि घटना के वक्त सीताराम के साथ मारपीट की गई। हमने बीच-बचाव किया तो हमारे साथ भी मारपीट की गई। सीताराम के साथी सिकंदर कीर ने बताया कि भीड़ ने उनकी कार का तार भी काट दिया, जिससे वे मदद के लिए कहीं नहीं जा सके। बाद में बाइक पर सीताराम को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इस हत्या को लेकर विरोध जताया है।

विहिप के चित्तौड़ प्रांत के विभाग मंत्री विजय ओझा ने बताया कि प्रशासन की लापरवाही के कारण युवक की हत्या हुई है। संगठन ने ऐलान किया है कि जिले में मोहर्रम के दिन ताजिए नहीं निकलने देंगे। फ़िलहाल जहाजपुर में शांति लेकिन माहौल तनावपूर्ण बन हुआ है। इसी बीच जिला कलेक्टर जसमीत सिंह जहाजपुर पहुंचे और आक्रोशित समाज और हिंदूवादी संगठनों के पदाधिकारियों से समझौता वार्ता की। विहिप ने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने कहा कि पुलिस प्रशासन मुस्तैदी से सभी मुल्जिमों को गिरफ्तार करते हुए कानून व्यवस्था बहाल करें। उपखंड अधिकारी जहाजपुर की ओर से क्षेत्र में मोहर्रम के अवसर पर ताजिए निकालने की अनुमति पहले दी गई थी, लेकिन शुक्रवार रात हुई घटना के कारण क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। हालांकि क्षेत्र में शांति है। उपखंड अधिकारी जहाजपुर ने आदेश जारी कर ताजिए निकालने की अनुमति को प्रत्याहरित करते हुए निरस्त कर दिया है।

एडीएम ने जलभराव का निरीक्षण कर नाराजगी जताई

गंगापुर सिटी के सालोदा क्षेत्र में जलभराव का एडीएम रामकिशोर मीणा ने निरीक्षण किया।

- एडीएम रामकिशोर मीणा ने कमेटी का गठन कर पांच दिन में समस्या समाधान के निर्देश दिए
- नगर परिषद का दावा है कि वार्डों में नालों की सफाई पूरी हो गई है, लेकिन वास्तविकता अलग है

गंगापुर सिटी, (निसं)। एडीएम रामकिशोर मीणा ने शनिवार को सालौदा क्षेत्र का निरीक्षण किया जहां सड़कों पर जलभराव की स्थिति देखकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। एडीएम ने तत्काल नगर परिषद के सहायक अभियंता के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया है।

शनिवार को एडीएम रामकिशोर मीना ने एसडीएम व आयुक्त बृजेन्द्र मीणा, तहसीलदार बृजेश सिहरा, नगर परिषद के अभियंता तरुण कुमार और अन्य अधिकारियों के साथ सालौदा से डॉ. हरिचरण तक का एक किलोमीटर का पैदल निरीक्षण किया। उन्होंने पानी भरे होने पर नाराजगी जताते हुए कमेटी को पांच दिन के भीतर नालों की सफाई कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए हैं। मानसून इस वर्ष पहले ही आ गया, लेकिन नगर परिषद ने अभी तक शहर के नालों की पूरी सफाई नहीं करवाई है। शहर की पुरानी बनावट और खराब ड्रेनेज सिस्टम के कारण नया बाजार और फव्वारा चौक पर मामूली बारिश में भी पानी भर जाता है। शहर में अब तक केवल 50 प्रतिशत नालों की सफाई हुई है। परिषद का दावा है कि वार्डों में नालों की सफाई पूरी हो गई है, लेकिन वास्तविकता अलग है। कई वार्डों में नाले अभी भी गंदगी से भरे हैं। सालौदा क्षेत्र में स्थिति सबसे खराब है। पानी की निकासी न होने से सडकों पर पानी भरा रहता है। इससे दुकानदारों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। राहगीरों और वाहन चालकों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

मेवाड़ महामंडलेश्वर चेतनदास महाराज पंचतत्व में विलीन

- 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने अंतिम विदाई दी, कई राज्यों से संत पहुंचे
- मेवाड़ महामंडलेश्वर चेतनदास महाराज का शुक्रवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया था

कपासन, (निसं)। श्री सांवलिया धाम आश्रम मुंगाणा के महंत महामंडलेश्वर चेतनदास महाराज शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। शुक्रवार को हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया था। आज उनका अंतिम संस्कार आश्रम में किया गया। अंतिम यात्रा सुबह आश्रम से शुरू हुई और पूरे गांव का भ्रमण किया गया। भ्रमण के बाद अंतिम यात्रा वापस आश्रम पहुंची, जहां करीब 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यात्रा के बाद आश्रम में पट शिष्य अनुजदास महाराज और रामपाल सहित कई लोगों ने मुंडन करवाया।

आश्रम के पंडित कमलेश खंडेलवाल ने बताया कि 90 वर्षीय संत की तबीयत उम्र के हिसाब से ठीक थी। शुक्रवार सुबह भी वे श्रद्धालुओं से बातचीत कर रहे थे। सवा दस बजे हार्ट अटैक आने से उनका निधन हो गया। महामंडलेश्वर चेतन दास मेवाड़-मालवा, गुजरात, महाराष्ट्र और संपूर्ण राजस्थान क्षेत्र के प्रसिद्ध संत थे। उन्होंने लगभग 1700 मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा करवाई। जिसमें कई मंदिरों का निर्माण और जीर्णोद्धार भी करवाया। पिछले 30 वर्षों से कुंभ मेले में संतों और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए मेवाड़ मीरा खालसा का संचालन कर रहे थे। कई संत और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से कई प्रसिद्ध संत और हजारों शिष्य उपस्थित हुए। इस दौरान महन्त रामसागर दासजी हमीरगढ़, मेवाड़ मंडल अध्यक्ष संतदास जी झडोल, प्रमुख गौभक्त स्वामी गोपालनंद सरस्वती, दिग्विजयराम चित्तौड़गढ़ , महंत आशुतोष दास भीलवाड़ा, महंत बनवारी शरण दास, काठिया बाबा, महंत रामदास, रामस्नेही संप्रदाय के संत रमताराम, मंत्री गोतमदक, सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, श्रीचंद कृपलानी, भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी और पूर्व विधायक बद्रीलाल जाट, पूर्व पंचायत समिति सदस्य कैलाश अहीर सहित सहित कई जनप्रतिनिधि संत महाराज आदि भक्तजन शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से डीएसपी हरजीलाल यादव, सीआई रतन सिंह सहित पुलिस जाब्ता तैनात था।

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में एक फार्म हाऊस पर मित्रों के साथ पार्टी करने गये युवक की स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान अचानक तबियत बिगड़ने से मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामले में सामने आया कि युवक स्विमिंग पूल में स्टंट करने के लिये दौड़कर आता है और पूल में कूद जाता है और कुछ ही देर में उलटा पानी में ऊपर की ओर आता है। जिसे उसके दोस्त बाहर निकालकर उपचार के लिये अस्पताल लेकर पहुंचते हैं, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि चश्में की बावड़ी निवासी मुबारिक (35) अपने कुछ दोस्तों के साथ नान्ता इलाके में स्थित एक फार्म हाऊस पर आया था। जहां स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान तबियत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई।

मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नही हो पाया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पायेगा।

पुरी की तर्ज पर अजमेर में भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकाली

अजमेर में धूमधाम व गाजे-बाजे से भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकाली गई।

- हाथों से रथ खींचने के लिए मची होड़, नया बाजार चौपड़ पर महाआरती हुई

अजमेर, (कासं)। श्री जगन्नाथ भगवान रथ यात्रा महोत्सव समिति व श्री अग्रवाल पंचायत मारवाड़ी छोटाधड़ा जनकपुरी गंज के तत्वावधान में दस दिवसीय श्री जगन्नाथ भगवान का रथयात्रा महोत्सव के आखरी दिन शनिवार को पूरी की तर्ज धूमधाम व गाजे-बाजे से भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा निकाली गई और भगवान जगन्नाथ नगर भ्रमण कर ऋषि घाटी जगन्नाथजी मन्दिर पहुंचे। शहरभर में रथयात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथजी के दर्शन किए और जयकारे लगाए। रथयात्रा मार्ग पर भगवान जगन्नाथजी के दर्शन करने के लिए हजारों श्रृद्धालु उमड़े।

समिति के अध्यक्ष संजय कंदोई व मेला संयोजक विनोद डिडवानिया ने बताया कि जनकपुरी से महाआरती कर गाजे-बाजे व भजन कीर्तन के साथ धूमधाम से रथयात्रा का शुभारम्भ किया गया। समिति के अध्यक्ष संजय कंदोई, मेला संयोजक राकेश डिडवानिया, विनोद डिडवानिया, मेला संयोजक हरीश बंसल, गोविंद नारायण डाणी, लक्ष्मी नारायण बंसल, अशोक गुजराती, प्रहलाद गर्ग, आयुष कंदोई, सुनील गोयल, संजय पचभैया, ज्योति स्वरूप व पवन बंसल सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों व शहर के गणमान्य लोगों ने भगवान श्री जगन्नाथ जी की महाआरती कर रथ यात्रा का विधिवत शुभारम्भ किया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथजी के दर्शन कर हाथों से भगवान जगन्नाथ का रथ खींचना शुरू किया। भगवान जगन्नाथ के रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं के बीच जबरदस्त होड मची। महिला पुरुष व बच्चे रथ खींचते रहे। इस रथ यात्रा में सबसे आगे ढोल ढमाकों की गूंज व बैंड बाजे की धुन बिखर रही थी। भगवान गणेशजी झांकी, कृष्ण राधा की झांकी, श्याम बाबा दरबार की झांकी, भगवान चारभुजा नाथभकी रेवाड़ी, भगवान विष्णु अवतार की झांकी शामिल रही। सबसे आखिर में रथ में सजी भगवान जगन्नाथजी, बलभद्र व सुभद्राजी की झांकी चल रही थी। शाम करीब 7.30 बजे नया बाजार चौपड़ पर श्री चार भुजानाथ के मंदिर के पुजारी ने भगवान जगन्नाथ की महाआरती की। इसी के साथ आज 10 दिवसीय भगवान जगन्नाथ रथयात्रा का विधिवत समापन हो गया।

साबरमती-जम्मूतवी एक्सप्रेस का का गोटन स्टेशन पर ठहराव प्रारंभ

जोधपुर, (कासं)। उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के गोटन रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 19223, साबरमती-जम्मूतवी एक्सप्रेस का ठहराव प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर गोटन स्टेशन पर मुख्य अतिथि विधायक लक्ष्मणराम कलरु द्वारा ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

कार्यक्रम में मंडल सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजकुमार उधवानी सहित स्टेशन अधीक्षक, रेलवे अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इस रेल सेवा के ठहराव पर पूरे क्षेत्रवासियों में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर ट्रेन चालक दल का माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान भी किया गया।

जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि गाड़ी संख्या 19223, साबरमती-जम्मूतवी एक्सप्रेस अब प्रत्येक दिन रात 8:10 बजे गोटन स्टेशन पर पहुंचेगी तथा 8:12 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 19224, जम्मूतवी-साबरमती एक्सप्रेस का गोटन स्टेशन पर प्रत्येक दिन सुबह 3:23 बजे आगमन तथा 3:25 बजे प्रस्थान होगा। मंच संचालन राजकुमार जोशी ने किया।

स्मैक सप्लायर को पकड़ा

जैसलमेर, (नि.सं)। जिले की रामगढ़ थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया है। रामगढ़ थाना प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि बाड़मेर जेल से तस्कर रामाराम को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। आरोपी रामाराम स्मैक का नेटवर्क चलाता है। फरवरी महीने में जैसलमेर कोतवाली पुलिस द्वारा पकड़ी गई 27 ग्राम स्मैक का रामाराम मुख्य सूत्रधार था। पुलिस ने रामाराम को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ शुरू की।

आरोपी को कारावास

जालोर, (कासं)। पॉक्सो न्यायालय जालोर के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक ने शनिवार को लज्जा भंग करने के आरोपी को दो साल के कारावास की सजा सुनाई। वि. लोक अभियोजक रणजीतसिंह राजपुरोहित ने अनुसार पीडिता ने 14 फरवरी 2022 को एसपी जालोर को रिपोर्ट पेश की थी।

महिलाओं एवं बच्चों बंधक बनाकर डकैती

18 से 20 लाख रूपए के जेवर, नकदी, मोबाइल और बाइक की डकैती कर लुटेरे फरार हुए

- सात से आठ बदमाशों ने कनपटी पर बंदूक तानकर रात एक बजे से सुबह पांच बजे तक घर में आतंक मचाया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के सायरा थाना क्षेत्र के पुनावली गांव में मुख्य सड़क के पास स्थित घर में शुक्रवार देर रात सात से आठ बदमाशों ने डकैती की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने घर में महिलाओं की कनपटी पर बंदूक तानकर दो महिलाओं और दो बच्चों को बंधक बनाया, इसके बाद उनके पहने हुए जेवरों सहित पूरे घर में डकैती को अंजाम दिया।

जानकारी के अनुसार बदमाशों ने रात एक बजे से सुबह पांच बजे तक घर में आतंक मचाया और 18 से 20 लाख रूपए के जेवर, नकदी, मोबाइल और बाइक सबकुछ समेटकर फरार हो गए। रातभर दहशत में रहे बंधक महिलाओं, बच्चों ने सुबह बमुश्किल ग्रामीणों को सूचना दी और इसके बाद वारदात का पता चला। वारदात ताराबाई पत्नी मांगीलाल पुरोहित के घर पर हुई है।

एडि.एसपी गोपाल स्वरूप मेवाड़ा ने बताया कि डीएसपीए थानाधिकारी मय जाब्ता मौके पर पहुंचे हैं, अज्ञात बदमाशों की पहचान करने और उनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गयी हैं। वारदात का जल्द ही खुलासा करने का प्रयास कर रहे हैं। परिवार के पुरूषजन सूरत में काम करते हैं, ऐसे में वारदात के समय दो महिलाएं और दो बच्चे ही घर पर थे। पीड़िता ताराबाई ने बताया कि घर में वह, उसके दो बच्चे (बेटा-बेटी) और रिश्तेदार महिला मौजूद थे। रात करीब एक बजे दरवाजा बजा, मैंने दरवाजे के पास जाकर अंदर से ही बाहर झांक कर देखा तो घर के बाहर 8 से 10 बदमाश खड़े दिखे। मैं बहुत घबरा गयी, मैं घर के अंदर बच्चों की तरफ भागी, हम कुछ कर पाते इससे पहले घर का दरवाजा तोड़ बदमाश अंदर घुस चुके थे। घर के अंदर घुसे बदमाशों के हाथों में हथियार थे। घर के अंदर आते ही बदमाशों ने मेरी कनपटी पर बंदूक तान दी और मुझे, मेरे दोनों बच्चे व रिश्तेदार महिला हम चारों को बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाशों ने हमारे पहने जेवर उतरवाए और कहा घर में जो कुछ भी है, सब लाकर दो। हम बहुत घबरा गए थे।

बदमाशों ने हमसे जबरन कमरे की चाबियां ली और घर में रखे सोने.चांदी के सभी जेवर और नकदी लूट कर ले गए। बदमाश करीब 18 से 20 लाख रूपए के जेवर नकदी डकैती कर ले गए हैं। बदमाश रात करीब एक बजे घर में घुसे थे और चार घंटों तक हम बदमाशों की दहशत में रहे। बदमाशों ने हमसे हमारे मोबाइल भी छीन लिए और घर के बाहर खड़ी बाइक भी ले गए। बदमाश हमें धमकाकर गए कि थाने पर सूचना दी तो जान से मार देंगे। महिला ने बताया कि बदमाशों की दहशत में उनके लिए रात का एक-एक पल काटना मुश्किल हो रहा था। पूरी रात बहुत मुश्किलों में और दहशत में गुजरी। बदमाशों के जाने के बाद हमने हिम्मत जुटायी और पड़ोसियों को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

महिला की उपचार के दौरान मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र में चाय में भूलवश चूहे मारने की दवा डालकर पीने के बाद अचेत महिला की एमजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

रायपुर थाना पुलिस ने बताया कि कलालखेड़ी निवासी कांता (32) पत्नी गोवर्धननाथ सुबह जल्दी उठती है। दो जुलाई को भी कांता रोजमर्रा की तरह जल्दी उठी और नींद से उठते ही चाय बनाई। इस दौरान कांता ने भूलवश चाय में चूहे मारने की दवा डाल दी। इसके बाद कांता ने चाय पी तो उसकी हालत बिगड़ गई। परिजन उसे नजदीकी अस्पताल ले गये, जहां से उसे एमजी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। इसके बाद से उसका एमजी अस्पताल में उपचार चल रहा था, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पीहर नांदवा, देवगढ़ से उसका भाई व अन्य परिजन भी अस्पताल पहुंचे, जिनकी मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

कलेक्टर ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया, नाला निर्माण में देरी पर नाराजगी जताई

भरतपुर कलेक्टर कमर चौधरी ने जलभराव क्षेत्रों और विकास कार्यों का निरीक्षण किया।

- कलेक्टर ने भूमिगत ड्रेन के कार्य का निरीक्षण कर कार्य को पूरी गति के साथ कराने के निर्देश दिए

भरतपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने नगर निगम एवं भरतपुर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की टीम के साथ शहर के जलभराव क्षेत्रों, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, कचरा सेग्रीगेशन स्थल सहित विकास कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को पूर्ण गति से कार्य कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने पुष्प वाटिका कॉलोनी का निरीक्षण कर जल भराव की समस्या के समाधान के लिए अस्थाई रूप से जल निकासी हेतु कच्चा नाला तैयार कर पानी निकासी करने के निर्देश दिये। उन्होंने पुष्प वाटिका की ओर बनाए जा रहे भूमिगत ड्रेन के कार्य का निरीक्षण कर कार्य को पूरी गति के साथ कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नाला निर्माण में देरी होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नगर निगम के अभियंताओं को निर्देश दिए कि संवेदक के खिलाफ कार्रवाई करें जो भी शेड्यूल निर्धारित है उसके अनुसार प्रत्येक माह कार्य की गति का निरीक्षण कर लगातार कार्य को जारी रखें। उन्होंने वर्षा के दौरान निर्माण कार्य प्रवाहित नहीं हो इसके लिए वैकल्पिक इंतेजामत करने के निर्देश दिए।

सीवरेज टूरीटमेंट पानी का रियूज करें :-जिला कलेक्टर ने नौह चौराहे के पास नगर निगम के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण कर 15 एमएलडी सीवरेज के ट्रीटमेंट की प्लानिंग को मौके पर देखा। उन्होंने कहा कि सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में जो भी निर्माण कार्य प्रस्तावित है उन्हें पूर्ण गति के साथ पूरे कराया जाए। सीवरेज ट्रीटमेंट के बाद पानी का रीयूज प्लान तैयार कर आय बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में बड़े राजकीय संस्थानों के पार्कों, सार्वजनिक पार्कों व गार्डन के विकास के लिए सीवरेज के पानी का उपयोग किया जाए इसका भी प्लान तैयार करें। उन्हों सीवरेज पानी के ट्रीटमेंट के बाद जां के लिए लैबोरेट्री का भी निरीक्षण कर पानी की गुणवत्ता को भी देखा।

कलेक्टर ने नगर निगम के कचरा सेग्रीगेशन स्थल का निरीक्षण किया जहां एक टन प्लास्टिक कचरा प्रतिदिन छंटनी की जा रही थी। इस बढ़ते हुए निर्माण कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चल रहे सभी निर्माण कार्यों को दिसंबर 25 तक पूर्ण कराने के लिए प्रत्येक माह लक्ष्य तय कर कार्य करें। उन्होंने सूखा व गीला कचरा विभाजन के लिए किया जा रहे कार्य का निरीक्षण किया तथा लिगेसी वेस्ट का उपयोग करने का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों को 15 अगस्त तक प्लैंथ लेवल पर लाने के निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के दौरान कॉलम बनाने, फ्रेम स्ट्रक्चर आदि कार्य पूर्ण गति से किए जाएं। बरसात से बचने के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी रखें।

जिला कलेक्टर ने नौह तिराहे पर प्रगतिरत पुल का भी निरीक्षण किया जहां पर एप्रोच रोड का कार्य शेष पाया गया जैसे 15 दिवस में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मडरपुर रोड से सूरजपोल गेट तक प्रस्तावित सड़क चौड़ाईकरण कार्य का भी निरीक्षण किया। यह सड़क 60 फीट चौड़ाई में बीडीए द्वारा बनाए जा रही है। उन्होंने इसमें विद्युत केबल के भूमिगत कार्य को एक माह में पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया, अतिरिक्त कलेक्टर शहर राहुल सैनी, आयुक्त नगर निगम श्रवण बिश्नोई, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. नागेन्द्र भदौरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वा. अधिकारी डॉ. गौरव कपूर, अधीक्षण अभियंता बीडीए योगेश माथुर, सार्वजनिक निर्माण विभाग रिद्धीचन्द मीणा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी नगर निगम एवं भरतपुर विकास प्राधिकरण के इंजीनियर की टीम उपस्थित रही।

संक्षिप्त

पुस्तक का विमोचन

निवाई। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में नियुक्त पुस्तकालय प्रभारी उषा स्वामी के विदाई समारोह में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कवि प्रदीप पंवार ने उषा स्वामी द्वारा स्वरचित पुस्तक का विमोचन किया। प्रधानाचार्य लक्ष्मी शर्मा ने बताया कि स्थानीय विद्यालय में कार्यरत पुस्तकालय प्रभारी उषा स्वामी ने पूर्ण मनो योग से राजकीय सेवा की तथा उनके विदाई समारोह में प्रमुख कवि प्रदीप पंवार तथा प्रसिद्ध शायर जिया टॉक की उपस्थिति में उनकी स्वरचित कविता पुस्तक मनोभाव का विमोचन किया। पुस्तकालय प्रभारी ने विद्यालय विकास के लिए 11 हजार की राशि भेंट की। उन्होंने गौशाला हेतु भी 11 हजार का दान दिया। इस अवसर पर सीनियर सेकंडरी विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेंद्रपाल सिंह चौधरी, टोंक से मुकेश शर्मा, विद्यालय प्रभारी रुक्मणी मीणा, सहायक प्रशासन अधिकारी मेघराज चौधरी, व्याख्याता चंद्रप्रकाश खंडेलवाल, मोहित वर्मा, प्रभाती मीना, प्रतिभा नोगिया, देवकीनंदन गौतम, मोहनलाल स्वामी, पदमचंद स्वामी तिलकराज मीणा, श्वेता नागर, मदन गोपाल वैष्णव, अनीता चौधरी, विजयलक्ष्मी चौधरी, विजयलक्ष्मी नरूका, रिंकी स्वर्णकार, ममता शर्मा पूजा यादव, कंचन सिंहल, नूपुर अठावाल, मीनाक्षी शर्मा, सुमन चौधरी, सरिता व सीमा शर्मा सहित कई लोग मौजूद थे।

निर्माण कार्य करवाने के लिए सहमति

निवाई। झिलाय कस्बे के मुरली मनोहर मंदिर का जीणोद्धार कार्य को लेकर बैठक आयोजित हुई जिसमें मुरली मनोहर मंदिर का नवमी जीणोद्धार कार्य करवाने का निर्णय लिया गया। मंदिर पुजारी मनीष पारीक ने बताया कि मुरली मनोहर जी का मंदिर बहुत पुराना व क्षितठास्त हो गया है उसका जीणोद्धार कार्य करवाने के लिए भंवरलाल पारीक, प्रेमचंद बोहरा, ताराचंद बोहरा, बाबूलाल सोनी, जगदीश निराला, भगवान सोनी, जगदीश साहू, लालचंद बोहरा व महेश कुमार मिश्रा सहित कई ठाामवासियों ने बैठक आयोजित करके सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मंदिर की मरम्मत करवाई जाए। जिसको लेकर मंदिर का जीणोद्धार कार्य के शुभ मुहूर्त पर विधिवत निर्माण कार्य शुरू करवाया गया।

अध्ययन शुरू

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय निवाई में बीए पार्ट द्वितीय तथा बीए पार्ट 3 सेमेस्टर द्वितीय तथा सेमेस्टर चतुर्थ का अध्यापन कार्य प्रारंभ हो गया है। प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 7 जुलाई को होगा। प्राचार्य प्रोफेसर पानमल पहाडिया ने बताया कि बीए पार्ट द्वितीय तथा तृतीय का अध्यापन कार्य प्रारंभ हो गया है। उन्होंने बताया कि बीए प्रथम वर्ष सेमेस्टर प्रथम का नवीन प्रवेश प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 7 जुलाई को होगा। दस्तावेज सत्यापन तथा ई-मित्र पर फीस जमा करने का प्रारंभिक तिथि 7 जुलाई तथा अंतिम तिथि 11 जुलाई 2025 है।

तीये की बैठक

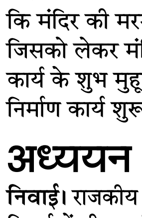

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी **श्री ओमप्रकाश जी अग्रवाल** पुत्र स्व. श्री बिरदीचन्दजी (प्रतापपुरा कलाँ) वालों का स्वर्गवास दिनांक 04.07.2025 को हो गया है जिनकी तीये की बैठक दिनांक 06.07.2025 रविवार को अपरान्ह 3 से 4 बजे तक स्थान- आदर्श विद्या मन्दिर, अम्बाबाडी, जयपुर पर रखी गयी है।

शोकाकुलः मुकेश, रिंकु (पुत्र), नेमीचन्द, बाबूलाल, कजोड़मल, विजय (भ्राता), भँवर, कमलेश, अनिल, रमेश, राजेन्द्र, अक्षय, कुलदीप, अशोक,रूपेश, निकुन्ज (भतीजे), गोपाल, नीरज, दिव्यांश (पौत्र), शकुन्तला-प्रवीणजी, पूनम-मनोजजी (पुत्री-दामाद) एवं समस्त ऐरण परिवार
9314260745, 7339761601
ससुराल पक्षः पवन कुमार, सदीप कुमार हेमाका खेजरोली

नम्बर मिलाइए 9587884433

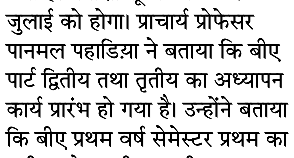

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

हादसे में दो जने घायल,

निवाई। शुक्रवार की रात को नेशनल हाईवे 52 पर होटल भारद्वाज के समीप तेज गति से आ रहे एक डंपर ने बाइक के टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद डंपर चालक डंपर को भगा ले गया और गांव झिलाय के समीप सडक़ पर खड़ा कर फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी रामजीलाल जाप्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और दोनों घायलों को हाईवे एंबुलेंस से उप जिला अस्पताल में लाकर उपचार के लिए भर्ती करवाया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना स्थल के आसपास के लोगों ने बताया कि तेज गति ओवर स्पीड डंपर ने बाइक के पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों युवक दूर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि इस वाहन दुर्घटना में मुकेश पुत्र हजारीलाल सैनी उम्र 30 वर्ष निवासी चाकसू जिला जयपुर व चिरंजीलाल पुत्र जमनालाल सैनी निवासी ईसरदा उम्र 35 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों की गंभीर हालत देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया। उन्होंने बताया कि झिलाय ठाामीणों की सूचना पर ड्यूटी अधिकारी हेड कांस्टेबल देवराजसिंह मय जाप्ते पहुंचे व डंपर को जप्त कर निवाई थाना परिसर लाकर खड़ा करवा दिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण चर्चाएं

निवाई। भगवानदास पारीक ड्रीम स्कूल व लीड टीम के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई महत्वपूर्ण मुददों पर चर्चा की गई। सत्र की शुरुआत निदेशक डॉ. शची पारीक व यशवंतकुमार पारीक द्वारा मां शारदे के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन करके किया। कार्यक्रम में प्रमुख अधिकारी डॉ. जूही मुखर्जी, गौरव डोभाल, दक्ष शर्मा व प्रधानाचार्य ओमप्रकाश राजोरा ने नव शैक्षिणक गतिविधियों की जानकारी दी एवं उनको लागु करने सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान विद्यार्थियों को कक्षा में सीखने के माहौल और अनुभव को बढ़ाने के लिए नई पद्धितयों पर चर्चा की। कार्यशाला में सत्र 2025 में कक्षा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। जिसमें अनुशासन बनाए रखने की तकनीकें, पारितोषिक और शिक्षा शामिल है। प्रभावी पाठ योजनाएँ बनाने की रणनीतियों को लेकर स्मार्ट तकनीक विधियों व घटक शामिल किए गए। कार्यशाला का समापन छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरण करके किया। डॉ. जूही मुखर्जी व गौरव डोभाल ने कहा कि शिक्षा, शिक्षक व छात्र-छात्राओं के विकास के लिए भगवानदास पारीक ड्रीम स्कूल उच्च गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने और दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मंत्री संजय शर्मा ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनी

अलवर निवास पर मंत्री संजय शर्मा ने जनसुनवाई की।

■ **अधिकारियों को कहां आमजन के कार्यों में लापरवाही बिल्कुल नहीं होगी बर्दाश्त, समय पर समाधान करें ।**

अलवर। पर्यावरण एवं वन मंत्री संजय शर्मा ने शनिवार को अलवर निवास जनसुनवाई की आमजन की परिवेदनाओं पर अधिकारियों त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये और कहा कार्य में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगी।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने जनसुनवाई में आए विद्युत, पेयजल, सडक, पुलिस आदि की परिवेदनाएं लेकर आए फरियादियों की परिवेदनाओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिये है। और कहा है कि फरियादियों की समस्याओं का निराकरण होने पर उन्हें सूचित करें ।

उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन को मूलभूत समस्याओं की प्राथमिकता से सुनवाई करें। इस कार्य में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने आमजन से केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का जागरूक रहकर लाभ उठाने एवं एक पेड मां के नाम अभियान व हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण करने का भी आव्हान किया है।

वर्षों पुराना भूमि विवाद सुलझा

अलवर। राज्य सरकार द्वारा अंतिम छोर के व्यक्ति को लाभांवित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे की मुहिम का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। जिले में लगाए जा रहे शिविरों में आमजन के मौके पर काम होने से उनकी वर्षों पुरानी समस्याओं का एक स्थान पर निराकरण हो रहा है जिससे सभी ग्रामीण खुश है तथा प्रशासन के गांव-गांव में पहुंचकर शिविर में मौके पर ही किए जा रहे कामों की सराहना कर रहे हैं। रामगढ तहसील की ग्राम पंचायत चीडवा में आयोजित शिविर दीपक कपूर व सोनू कपूर के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। शिविर में लाभार्थियों की ग्राम बकायनका में काश्तकारी भूमि है जिस पर वर्षों से विभाजन के विवाद को अधिकारियों द्वारा मौके पर आपसी रजामंदी से सुलझाकर भूमि का विभाजन कराया। लाभार्थियों ने बताया कि भूमि का विभाजन नहीं होने से आपसी मनमुटाव बढ रहा था। ग्राम पंचायत में शिविर लगने की सूचना मिलने पर भूमि के विभाजन की एक राह दिखाई दी। शिविर में आने पर अधिकारियों द्वारा हमारे प्रकरण की जांच की तथा मौके पर ही दोनों की सहमति के आधार पर आराजी का हिस्सा कर कर नकल उपलब्ध कराई गई।

सार्वजनिक शौचालय बने लोगों की परेशानी का सबब

■ **जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से 15 लाख के सुलभ शौचालय में ना पानी, ना रोशनी, बदबू से लोग भी परेशान**

पावटा। कस्बा पावटा की स्वच्छता में महत्वपूर्ण स्थान निभाने वाले सार्वजनिक सुलभ शौचालय इस समय खुद स्वच्छता को तरस रहे हैं। लोगों की सुविधा के लिए कस्बे के विभिन्न स्थानों पर बनवाए गए सार्वजनिक सुलभ शौचालयों की सफाई न होने से गंदगी से भरे पड़े हैं। सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग तो दूर लोग इन शौचालयों के बारे में सोचना भी पसंद नहीं कर रहे हैं। अलग-अलग स्थानों पर स्थित सार्वजनिक शौचालयों की महीनों से सफाई न होने से महज दिखावा साबित हो रहे हैं।

लाखों रुपए की लागत से निर्मित सुलभ शौचालय शोपीस बनकर रह गए हैं। कस्बे के मुख्य घंटाघर चौक बाजार में करीब 15 लाख रुपये की लागत से बना आदर्श सुलभ शौचालय सफाई के अभाव में आमजन के लिए सुविधा की जगह दुविधा का पर्याय बन गया हैं। एक माह पूर्व इसे आमजन के उपयोग के लिए शुरू कर दिया गया। एक माह में एक बार भी शौचालय की सफाई नहीं हुई। शौचालय पूरा गंदगी से भर गया हैं। मुख्य बाजार के व्यवसायियों सहित बाहर से आने वाले ग्रामीणों के लिए मुख्य बाजार में एक मात्र यही शौचालय हैं। बाजार में बने इस सुलभ की बदबू से व्यवसायी नागरिक भी परेशान है।

सफाई न होने से लोग इनका मजबूरी में ही उपयोग करते हैं। 15 लाख रुपये की लागत से बने इस शौचालय में वॉश बेसिन सहित पानी के कनेक्शन तो दे रखे हैं। लेकिन पानी की कोई व्यवस्था नहीं हैं। शौचालय में रोशनी की व्यवस्था भी नहीं हैं। रात्रि में अंदर जाने से भी लोग कतराते हैं। कस्बेवासियों ने सुलभ में सफाईकर्मी नियुक्त करने की मांग की है। कई शौचालय ऐसे हैं, जिनकी सफाई न होने से लोगों ने थूकने के लिए स्थान बना लिया है। नगरपालिका द्वारा सफाई के लिए हर माह हजारों रुपए खर्च किए जाते हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ भी नहीं दिखता। सार्वजनिक शौचालय गंदगी से अटे होने से इनका उपयोग हो ही नहीं रहा। ऐसे में पब्लिक टॉयलेट के लिए खर्च की गई राशि बर्बाद हो रही है। सार्वजनिक शौचालयों की सफाई न कराए जाने से लोग खुले में जाने को मजबूर हो रहे है। शौच के लिए पुरुष वर्ग तो कैसे भी करके खुले स्थानों का उपयोग कर लेता है लेकिन महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद नपा प्रशासन सार्वजनिक शौचालयों की सफाई नहीं करवा रहा है। शौचालयों की स्वच्छता के अलावा यहां और भी समस्याएं हैं जिनसे विभिन्न परेशानियां निर्मित होतीं हैं। कुछ सार्वजनिक शौचालय ऐसे भी हैं अंदर से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं। जिनकी मरम्मत नहीं कराई जा रही है। यह सार्वजनिक शौचालय लोगों की परेशानी का सबब बन गए हैं। इसकी वजह है कि नगरपालिका या सुलभ अथॉरिटी द्वारा ठीक ढंग से साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। सबसे बड़ी बात नगरपालिका ने पावटा कस्बे मुख्य बाजार घंटाघर के पास बनाए बाथरूम में महिलाओं के लिए गेट पर से ताला ही नहीं खोला। ताला लगा होने की वजह से इसे उपयोग नहीं कर पा रहे। वही इस जगह पर शाम होते ही अंधेरा पसर जाता है, और एक कोने में होने की वजह से कोई महिला तो इसे उपयोग ही नहीं कर सकती। इस तरह के हालातों में यह कहना होगा कि नगरपालिका का साफ-सफाई की व्यवस्था पर पूरी तरह ध्यान नहीं है। शहर में इस समय जितने भी सुलभ शौचालय और सार्वजनिक टॉयलेट हैं, उनकी गंदगी पसरी रहने की वजह से लोगों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। सीताराम मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक टॉयलेट इतना गंदा है कि यहां के दुकानदार बड़े परेशान होने लगे हैं। कुछ दुकानदार बताते हैं कि अगर किसी ग्राहक को थोड़ी देर खड़ा रहना पड़ जाए तो वह नाराज होकर चला जाता है। वहीं आसपास के दुकानदारों का भी बैठना दूभर हो रहा है। वही इनको शराबियों ने अपना अड्डा बना लिया है जिसमें केवल देशी शराब के खाली पाउच व बोतले मिलती है। इन सुलभ शौचालयों को नगरपालिका संचालित करती हैं, लेकिन इसके बाथरूम में तो गंदगी का ढेर हैं।

जनाना अस्पताल का निरीक्षण

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिला कलक्टर कमर चौधरी ने शनिवार को सुबह राजकीय आरबीएम व जनाना अस्पताल का निरीक्षण किया कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

अस्पताल के नई बिल्डिंग का काम निर्धारित अवधि से एक साल से अधिक समय होने पर भी काम पूरा नही होने को लेकर कलक्टर ने नाराजगी जताते हुये अधिकारियों को समय पर काम पूरा कर बिल्डिंग को आमजनता को सुपुर्द करने के निर्देश दिये। जिससे लोगों को लाभ मिल सके। जिला जिला कलक्टर ने आरबीएम अस्पताल पहुंचकर नवीन ब्लॉक के विकास कार्य का निरीक्षण किया। प्रत्येक मंजिल पर जाकर वार्ड के कार्य, ऑपरेशन थिएटर कक्ष, एवं लेक्चर थिएटर के कार्य का निरीक्षण कर पूर्ण गति के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने नवीन ब्लॉक के पास प्रस्तावित कार्य के प्लान को प्रत्येक महीनेवार विभाजित कर प्रगति लाने की बात कही। जिला कलक्टर ने जनाना अस्पताल पहुंचकर विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया जहां सार्वजनिक निर्माण विभाग को वार्डों के मरम्मत कार्य, बीडीए द्वारा पार्क का विकास का अवलोकन किया तथा समय पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर सफाई व्यवस्था एवं मरीज को दी जा रहे सुविधाओं की जानकारी ली तथा मरीजों से मिलकर अस्पताल प्रशासन द्वारा दिए जा रहे सुविधाओं के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने एवं वाहनों की पार्किंग सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिये। इस दौरान आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया, अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, आयुक्त नगर निगम श्रवण बिश्नोई सहित संबंधित विभागों की टीम उपस्थित रही।

भगवान जगन्नाथ की पूजा की

अलवर। श्री श्री 1008 श्री जगन्नाथ जी महाराज की पावन यात्रा के अवसर पर 167 वर्षो से अलवर राजपरिवार द्वारा निर्वहन की जा रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 4 जुलाई की रात्रि भगवान श्री जगन्नाथ जी महाराज की पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि अलवर के आराध्य देव श्री श्री 1008 श्री जगन्नाथ जी महाराज की वार्षिक यात्रा का देर रात्रि फूलबाग पैलेस गेट पर अलवर राजपरिवार सदस्य, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह जी एवं उनकी धर्मपत्नी महारानी अम्बिका सिंह जी द्वारा आरती व पूजा - अर्चना कर महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और अलवर एवं राजस्थान के परिवार समान सभी लोगों की खुशहाली की प्रार्थना की । इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, मुंडावर विधायक ललित यादव, अनिल जैन, हरिशंकर रावत, रिपु दमन गुप्ता, जे डी आर्यन आदि मौजूद रहे।

ईमाम बाड़े से बाहर निकले तीनों ताज़िए

मनोहरपुर। नगर पालिका क्षेत्र में हजरत मोहम्मद (स.अ.व.स.) के लाडले नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले ताजियों को इमामबाडों से निकाल कर कस्बे के प्रमुख मार्गों में घुमाया गया। इस दौरान अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।ताज़िए रूट में आ रही बाधाओं जैसे पेड़ पौधे,ढीले तार पोस्टर नीचे लगे तिरपाल को हटवाया गया।

इस दौरान जगह जगह पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता मौजूद रहा। वही मोहर्रम के तीन ताजियेदार जिसमें लुहार मंडी का शाबीर लुहार , सारवान मोहल्ला का हाजी बूंदू पडियार, तोपचीवाडा हकीम खान इन तीनों की निगरनारी में तीनों ताज़िए जिसमें एक ताज़िए पर पांच लोग ओर तीनों पर 15 लोगों की टीम ने 15 दिन में बनाकर तैयार किया । वही सांयकाल 7 बजे मेहंदी की रस्म की अदायगी हुई इसमे अकीदतमंद अपने अपने घर से इमामबाड़ों में आए व मेहदी चढ़ाकर व फातेहा लगावाई। इस दौरान ताज़िए कार्यकर्ता सलीम शेख ने बताया की रात्रि 9 बजे बाद में मोहल्ला सारवान, मोहल्ला लुहारमण्डी व मोहल्ला तोपचिवाड़ा के तीनों ताजिए अपने अपने इमामबाड़ों से बाहर निकलें इसके बाद में ताजियों के ऊपर चाँद लगाने की परम्परा निभाई गई इसके बाद में ये तीनो ताजिये अपने अपने मुकाम से रवाना होकर कई स्थानों पर बैठक देते हुए गांधी चोक में आएं। इस दौरान गांधी चौक में मदीना छबील लगाई गई।फूल मालाओं से तीनों ताजियों को सजाया गया।यहा पर मातम की रस्म भी निभाई गई इसके बाद में अखाड़ेबाजी का कार्यक्रम शुरू हुआ जो कि रात्रि 3 बजे तक चला यहा पर मेले का आयोजन भी हुआ।

पावटा में ''एक पेड़ मां के नाम'' कार्यक्रम आयोजित

प्रागपुरा में सेवा समिति की ओर से चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत मौजूदगी में ''एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया।

■ **डिजिटल इंडिया के युग में पैक्स, सटीक कृषि उपकरणों का लाभ उठाने इंटरनेट टेक्नॉलाजी, नीतिगत नवाचार पर भी चर्चा की गई**

पावटा। सेवा सहकारी समिति प्रागपुरा में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने की और इसमें ''एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण से की गई, जिसमें चेयरमैन उपेन्द्र सिंह शेखावत ने सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला और ग्रामीण आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सहकारिता के जरिए हम ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं और लोगों के जीवन में सुधार ला सकते हैं। उपेन्द्र सिंह शेखावत ने डिजिटल इंडिया के युग में पैक्स, सटीक कृषि उपकरणों का लाभ उठाने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट टेक्नॉलाजी, सहकारी फिनटेक और नीतिगत नवाचार पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इन तकनीकों का उपयोग करके हम सहकारिता को और मजबूत बना सकते हैं और ग्रामीण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। ''एक पेड़ मां के नाम'' जैसे अभियान को भावनात्मक और पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए उपेन्द्र सिंह शेखावत ने ग्रामीणों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण न केवल पर्यावरण को संरक्षित करने में मदद करता है, बल्कि यह हमारे जीवन में भी सकारात्मक परिवर्तन लाता है। कार्यक्रम में सहकारी समिति व्यवस्थापक कैलाश स्वामी, सहायक व्यवस्थापक आनंद सिंह, सहायक व्यवस्थापक नरेश सैनी, रामकरण सैनी, प्रेमप्रकाश सैनी, महिपाल यादव, पंकज सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अवैध खनन परिवहन पर कार्रवाई

अलवर। खनि अभियन्ता मनोज शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर के निर्देशन में खनिज के अवैध खनन एवं निर्गमन की रोकथाम हेतु टीम द्वारा आज अवैध खनन व खनिज का परिवहन करने पर तीन ट्रेक्टरों जिनमें एक ट्रेक्टर बजरी व 2 ट्रेक्टर मैसनरी स्टोन के विरूद्ध कार्रवाई कर पुलिस थाना बहतुकलां/ धौलागढ देवी कठूमर को सुपुर्द किए गए। इस दौरान पदम सिंह,चरण सिंह, हुकुम सिंह आदि मौजूद थे।

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर)
क्रमांक-मु.जो./ननिज /2025/659 दिनांक-03.07.2025
सार्वजनिक सूचना भूखण्ड सं. 42, मुरलीपुरा प्रथम, (खुदाबाड़ी सोनार गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती ललिता शर्मा पत्नी श्री ताराचंद शर्मा को क्षेत्रफल 170 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक श्रीमती मनीषा शर्मा पुत्री श्री ताराचंद शर्मा द्वारा शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटो प्रति, हकत्याग पत्र एवं अन्य चैन दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का स्वयं के नाम से नाम हस्तांतरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड श्रीमती मनीषा शर्मा पुत्री श्री ताराचंद शर्मा के पक्ष में कुल क्षेत्रफल 170 वर्गगज का नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बावत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त मुरलीपुरा जोन नगर निगम ग्रेटर जयपुर

NAME CHANGE
I Santosh Devi W/o Harmana Ram R/o Ward No.-12, Surnana, PO.- Surnana, Dist- Bikaner, Rajasthan - 334603, have changed my name to Shanti Devi

आम सूचना
मैं गजेन्द्र सिंह W/o कृष्णा सिंह पता 25-26, जीवन विहार हीरापुरा, जयपुर सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, की मेरा पुत्र अभिमन्यू सिंह व उसकी पत्नी रानी सिंह को अपनी चल व अचल सम्पत्ति (मकान, वसीयत, दुकान, स्कूल आदि) से बेदखल कर दिया है। अतः अभिमन्य सिंह व उसकी पत्नी रानी सिंह से कोई संस्था व दिगर व्यक्ति किसी प्रकार का लेन देन करता है तो उसकी समस्त जिम्मेदारी उसकी स्वंय की होगी सूचित रहे।
गजेन्द्र सिंह / कृष्णा सिंह 9414043666, 8764151116

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अम्बरीश चन्द्र कुडसिया को आवंटित एवं श्री देवदत्त शर्मा एवं श्रीमती सरिता शर्मा द्वारा क्रय किये गये आवास संख्या 34/ 221, योजना प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर में स्थित है, का आवंटन/ कब्जा पत्र क्रमांक 808 दिनांक 30.04.1992 प्रताप नगर से मालवीय नगर जाते समय कहीं गिर गया है। उक्त के संबंध में गुमशुदगी रिपोर्ट क्रमांक LR No. 2818322/2025 dt. 07.04.2025 को पुलिस थाने में दर्ज करवाई गई है। यह कि मेरे अभिभाष्या की फर्म M/s Muscle Domintor Pvt. Ltd. द्वारा भारतीय स्टेट बैंक की शाखा चर्च रोड़, जयपुर से उक्त आवास संख्या 34/ 221, योजना प्रतापनगर, सांगानेर, जयपुर को मोर्टगेज रखकर ऋण लिया जा रहा है। अतः उक्त आवंटन/ कब्जा पत्र के बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक या अन्य किसी को भी किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 15 दिवस में मय साक्ष्य लिखित में सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधिनुसार शून्य होगी। भवदीय- रमेश कुमार शर्मा (एडवोकेट) मो. 9950995598
C-246, मालवीय नगर, जयपुर, राज.

सार्वजनिक सूचना
खातेदारी भूमि राजस्व ग्राम बगरूखुर्द पटवार हल्का भम्भोरिया तहसील सांगानेर जिला जयपुर के खसरा न0 485 रकबा 0.4700 हैक्टेयर, 486 रकबा 0.3500 हैक्टेयर, 488 रकबा 0.1000 हैक्टेयर 489 रकबा 0.4700 हैक्टेयर, 490 रकबा 0.6000 हैक्टेयर, 492 रकबा 0.5000 हैक्टेयर, 493 रकबा 0.1000 हैक्टेयर कुल किता 8 कुल रकबा 3.0000 हैक्टेयर में से हिस्सा 1/4 भाग अर्थात 0.7500 हैक्टेयर सम्पूर्ण को ओमप्रकाश चौधरी 9636727272 ने जरिये विक्रय इकरारनाम विलेख दिनांक 26.10.2017 को क्रय किया है एडवांस मे राशि का भुगतान किया हुआ है और विक्रय पत्र निष्पादन हेतु एक वाद संख्या 332/2024 ओमप्रकाश चौधरी बनाम घासी व वगैराह न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जयपुर महानगर द्वितीय में विचाराधीन है, अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी इस भूमि को क्रय न करे एवं ना ही क्रय करने का कोई इकरारनामा आदि करे अन्यथा इस सबंध में सम्पूर्ण जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति स्वयं की होगी।
दिनांक 5/7/2025 रामनिवास मीना, मो-8440084332

आम सूचना: यह कि एक आवासीय भूखण्ड संख्या 165, जो खसरा नं. 336 (पुराना नं. 307), ग्राम गगवाना, तहसील एंव जिला अजमेर क्षेत्रफल 200.00 वर्ग गज को श्रीमती कस्तूरा बेदी पत्नी श्री प्रदीप कुमार ने श्री अत्ता मौहम्मद पुत्र श्री हाजी अब्दुल सत्तार से जरिये विक्रय पत्र दि. 26.09.2011 द्वारा क्रय किया था। ततपश्चात उक्त के सम्बंध में श्री जब्बार खान पुत्र गफ्फार खान को मुख्यार 05.10.2017 को जरिये नोटेराईज्ड मुख्त्यारनामा द्वारा नियुक्त कर दिया गया। ततपश्चात् उक्त का क्रय श्रीमती शकीला पत्नी श्री शाहनवाज ने जरिये विक्रय पत्र दि. 17.01.2018 द्वारा कर लिया। ततपश्चात् श्रीमती शकीला से उक्त भुखण्ड के मूल विक्रय पत्र दि. 26.09.2011 व मुख्त्यारनामा गुम हो जाने पर इसकी गुमशुदगी थाना साईबर क्राईम में दर्ज करवाई गई। अब श्रीमती शकीला पत्नी श्री शाहनवाज द्वारा उक्त भूखण्ड संख्या 165, को बंधक रख कर Svatantra MHFCL से ऋण लिया जा रहा है। अत: उक्त भूखण्ड के स्वामित्व अथवा गुम हुए मूल दस्तावेजो के सम्बंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज सात दिवस में पेश करें। बाद मियाद Svatantra MHFCL द्वारा भूखण्ड को बंधक कर लिया जावेगा तथा आपत्ति अमान्य होगी।
मनोज कुमार शर्मा, एडवोकेट
आर एम वी लॉ एसोसिएट्स 9660333985, 9079815511

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचन
(साधारण प्रारुप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता
पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जयपुर जिला, जयपुर।
आशीष अग्रवाल बनाम **दीपक गोयल व अन्य**
वाद/प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा
प्रार्थना-पत्र संख्या 27 सन् 2025
नाम **श्री मुकेश कुमार मीणा** पुत्र मुरारी लाल मीण निवासी फ्लैट नंबर 201 जगमोहन गोल्डन फोर्च्यू अपार्टमेंट बापू नगर जयपुर राजस्थान **अन्य पत** वार्ड नं0 17, सूरजगढ़ रोड़ पिलानी, तहसील चिडावा, जिला झुंझुनु, राजस्थान-333031 **एवं** ना **श्रीमती सुमन मीणा** पत्नी श्री मुकेश कुमार मीण निवासी फ्लेट नंबर 201 जगमोहन गोल्डन फोर्च्यू अपार्टमेंट बापू नगर जयपुर, राजस्थान **अन्य पत** बालाजी मन्दिर के पास, सूरजगढ़ रोड़, पिलानी जिला झुंझुनु, राजस्थान-333031
उक्त **प्रार्थियों** ने इस न्यायालय में यह आवेदन किय है कि **नकल संलग्न** है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उ आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए वि 07 माह 07 सन् 2025 को 10.00 पूर्वान्हे में स्वयं य अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रुप से अनुदे किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा कर में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई औ उसका निपटारा एक पक्षीय रुप से किया जाएगा।
यह आज ता. 04 माह 07 सन् 2025 को मे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर द गई। आज्ञा
मुद्रा
वरिष्ठ मुंसरिम जिला न्यायाल जयपुर जिला, जयपु

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर जिला, जयपुर
आशीष अग्रवाल बनाम दीपक गोयल व अन्य
वाद बाबत - विशिष्ठ अनुपालना व स्थाई निषेधाज्ञा
वाद संख्या - 32 सन् 2025
बनाम **श्रीमती सुमन मीणा** पत्नी श्री मुकेश कुमार मीणा निवासी फ्लैट नंबर 201 जगमाहेन गोल्डन फोर्च्यून अपार्टमेंट बापू नगर जयपुर, राजस्थान **अन्य पता** बालाजी मन्दिर के पास, सूरजगढ़ रोड़, पिलानी, जिला झुंझुनु, राजस्थान-333031
श्री मुकेश कुमार मीणा पुत्र मुरारी लाल मीणा निवासी फ्लैट नंबर 201 जगमाहेन गोल्डन फोर्च्यून अपार्टमेंट बापू नगर जयपुर, राजस्थान **अन्य पता** वार्ड नं. 17, सूरजगढ़ रोड़, पिलानी, तहसील चिडावा, जिला झुंझुनु, राजस्थान-333031
उक्त **वादी** ने आपके विरुद्ध **नकल संलग्न है** के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में **तारीख 07 माह 07 सन् 2025** को दिन में **10:00 AM बजे** दावे उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद **ता. 04 माह 07 सन् 2025** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है। आज्ञा से
मुद्रा
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला न्यायालय जयपुर जिला, जयपुर

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह आम सुचना प्रेषित कर सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल स्वर्गीय श्रीमती अरूणा प्रकाश, आयु 70 वर्ष, पत्नी श्री चंद्रप्रकाश, निवासी-प्लाट नम्बर 32, चित्रगुप्त नगर, इमली फाटक, 22 गोदाम, जयपुर, राजस्थान, जिनकी स्वतंत्र उपयोग व उपभोग कि अचल सम्पत्ति यूनिट नम्बर एलजी-2, स्टील्ट फ्लोर, प्लाट नम्बर 05, मॉ करणी नगर जी, ग्राम पांच्यावाला, जयपुर, राजस्थान मे स्थित है उक्त सम्पति को बेचान करना चाहते, यदि उक्त भुखण्ड के स्वामित्व के सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपति है तो अन्दर मियाद 7 दिवस की अवधि मे मेरे से व्यक्तिगत रूप से सम्पर्क करे, उक्त मियाद पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी। नन्दकिशोर प्रजापत
एडवोकेट, मोबाइल : 9079140132

कार्यालय उपायुक्त (मुरलीपुरा जोन) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
क्रमांक- मु.जो. /ननिज/2025/658 दिनांक- 03.07.25
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड सं. 2 आनंद विहार बी-1, (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री घनश्याम शर्मा पुत्र श्री देवकरण शर्मा के नाम क्षेत्रफल 174.23 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक श्री अभिषेक शर्मा पुत्र स्व श्री घनश्याम शर्मा द्वारा शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटो प्रति, रजि. हकत्याग पत्र एवं अन्य चैन दस्तावेजों के आधार पर उक्तभूखण्ड का स्वयं के नाम से नाम हस्तांतरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड श्री अभिषेक शर्मा पुत्र स्व श्री घनश्याम शर्मा के पक्ष में कुल क्षेत्रफल 174.23 वर्गगज का नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तांतरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त मुरलीपुरा जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री नाथूलाल शर्मा, निवासी 25, भारतेन्दू नगर, स्कीम नं. ए.के.-10, खातीपुरा, जयपुर-302012 (राजस्थान) स्वयं की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा के स्वामित्व की अचल सम्पत्ति दुकान नम्बर 12 एवं 13, वैशाली नगर, अजमेर रोड़, जयपुर (राजस्थान) स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 37 वर्गमीटर है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री राहुल शर्मा ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) में बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण खाता संख्या 665775087 है, उक्त श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा का स्वर्गवास 19.02.2025 को हो चुका है, श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में मेरे मुवक्किल श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री नाथूलाल शर्मा, श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री राधेश्याम शर्मा है, इनके अलावा स्वर्गीय श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूकि मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल की धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा शर्मा एवं मेरे मुवक्किल के पुत्र श्री राहुल शर्मा के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं की धर्मपत्नी अर्थात श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री राधेश्याम शर्मा के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड़, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
जयपुर (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
दिनांक मोबाईल 9829218044

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय MM-18 मु.आमेर जयपुर IInd स्थान आमेर
मोहम्मद हमजाह विरूद्ध
इन्द्र कुमार व अन्य
वाद/प्रार्थना पत्र दिवानी
प्रार्थना-पत्र संख्या 48 सन् 2024
नाम इन्द्र कुमार पुत्र कन्हैया लाल जाति हिन्दू पता 120 गिरनार कॉलोनी, स्कीम नम्बर 6, मंदिर मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर
उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि नकल संलग्न है।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है, कि आप इस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 08 माह 07 सन् 2025 को 10.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज दिनांक 27 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
रीडर/शहरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर सिविल न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18
जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय आमेर

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के लिए नियम 1 ओर 5)
नाम न्यायालय MM-18 मु. आमेर जयपुर IInd आमेर
मोहम्मद हमजाह विरूद्ध इन्द्र कुमार व अन्य
दावा बाबत् स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 49 सन् 2024
नाम इन्द्र कुमार पुत्र कन्हैया लाल जाति हिन्दू स्थान 120 गिरनार कॉलोनी, स्कीम नम्बर 6, मंदिर मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर
वादी ने आपके विरूद्ध नकल संलग्न है के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 08 माह 07 सन् 2025 को दिन में 10.30 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा को लिखित कथन दाखिल करे और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिवाद आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समथन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 27 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
रीडर/शहरिस्तेदार
मोहर अदालत
अपर सिविल न्यायालय एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-18
जयपुर महानगर द्वितीय मुख्यालय आमेर

आम-सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण श्रीमती किरण कुमारी, दीपिका सिंह, यशवीर सिंह, निवासीगण-बासखो हवले, गोविन्दनगर पूर्व, ब्रह्मपुरी, जयपुर के स्वामित्व आधिपत्य की कृषि भूमि ग्राम बासखो, तहसील बस्सी, जिला जयपुर में खाता संख्या 337, पुराना खात सुख्या 331, खाता संख्या 303, पुराना खाता संख्या 298, खाता संख्या 302 पुराना खाता संख्या 297, खाता संख्या 301, पुराना खाता संख्या 296 के खसरा नम्बर 520, 518, 519, 521, 523, 522, 528, 524 में स्थित है। उक्त भूमि को मेरे अभिभाष्यगण द्वारा उपयोग उपभोग किया जा रहा है तथा उक्त खसरा नम्बरों में कुछ भूमि का जरिये इकरारनामा बेचान किया गया है जिसकी रजिस्ट्री कब्जेदारों द्वारा नहीं करवाई गई है तथा ना ही उक्त भूमि का शेष बकाया राशि अदा की गई है। सभी कब्जेदारों को उक्त आम सूचना के द्वारा सूचित किया जाता है कि वह 07 दिवस के भीतर भीतर उक्त इकरारनामों की बकाया राशि मेरे अभिभाष्यगण को अदा कर रजिस्ट्री करवा लेवे अन्यथा उक्त इकरारनामों को निरस्त माना जावेगा, सूचित रहें।
भवदीय : **अशोक सिंह शेखावत एडवोकेट**
मो. 9887925705

OFFICE THE GRAM PANCHAYAT KOTRI SIMRALA PS-SRIMADHOPUR(SIKAR)
No.Eproc/2025-26/50 Date:- 4/7/2025
E-Tender Notice No. 02/2025-26
Bids for open tender of procurement Of Construction Material for Work in MGNREGA And Other Scheme in Gram Panchayat KOTRI SIMRALA Panchayat Samiti Srimadhopur (Sikar) are invited from Firms/Suppliers Registered Under the GST act 2017, up to 6.00 PM of 14-07-2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement Portal http://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and at Gram Panchayat KOTRI SIMRALA Office in all working days.
UBN:- SMD2526GLRC00082
ADMINISTRATOR GRAM PANCHAYAT KOTRI SIMRALA PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR
VILLAGE DEVELOPMENT OFFICER GRAM PANCHAYAT KOTRI SIMRALA PANCHAYAT SAMITI SRIMADHOPUR

रत्नगर्भा जयपुर की चमक एक बार फिर वैश्विक पटल पर बिखरी : देवनानी

19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी में देवनानी का अभिनंदन

देवनानी ने जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

- 'एक नई चमक और नये आयामों के साथ इस आयोजन ने न केवल व्यापारिक समन्वय को गति दी है'
- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया

जयपुर । विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विश्व भर में गुलाबी नगर के साथ रत्न नगरी से पहचान रखने वाला जयपुर जेम्स और ज्वेलरी की शिल्प परंपरा और आभूषण कौशल के साथ वैश्विक मंच पर दमक उठा है। देवनानी ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जयपुर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 19वीं जेम्स एंड ज्वैलरी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। देवनानी ने कहा कि एक नई चमक और नये आयामों के साथ इस आयोजन ने न केवल व्यापारिक समन्वय को गति दी है, बल्कि जयपुर की पारंपरिक एवं नवाचार युक्त शिल्पकला को वैश्विक मानचित्र पर और सशक्त किया है।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदर्शनी स्थल का अवलोकन कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। देवनानी का समारोह स्थल पहुंचने पर ज्वैलरी एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। देवनानी ने कहा कि जयपुर में हो रहे इस आयोजन से आभूषण के व्यापार के साथ राज्य की सांस्कृतिक वैभवता को भी नई पहचान मिल रही है। यह मंच वैश्विक संवाद और नवाचार का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। देवनानी ने प्रदर्शनी में 310 से अधिक काउंटर पर जाकर देश-विदेश के ख्यातनाम कारीगरों, डीलरों और जेम्स ज्वैलरी कारोबारियों की उत्कृष्ट कृतियों को देखा।

बारीक नक्काशी से लेकर आधुनिक डिज़ाइनों तक के आभूषणों की यह प्रदर्शनी शिल्पकला और सौंदर्य का अनुपम संगम है।बभारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों के निवेशक, खरीददार और प्रतिनिधियों ने इस आयोजन में भाग लिया। देवनानी ने कहा कि यह प्रदर्शनी राज्य में व्यापारिक अवसरों को सशक्त के साथ जयपुर की युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का माध्यम है। देवनानी ने आयोजन समिति, जेम्स एंड ज्वैलरी एसोसिएशन और सभी शिल्पकारों को इस भव्य, सुव्यवस्थित एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी।

'समस्याओं का समय पर समाधान ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है'

- विद्याधर नगर विधानसभा में विकास कार्यों की समीक्षा हेतु उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने ली रिव्यू मीटिंग

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए रिव्यू मीटिंग ली। बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम ग्रेटर, एनएचएआई, रीको, पीडब्ल्यूडी, जलदाय विभाग, वन विभाग, शिक्षा, पुलिस और मेट्रो प्राधिकरण सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कई प्राथमिक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें सड़कों की स्थिति, जलभराव की समस्या, सीवरेज और ड्रेनेज कार्यों की प्रगति, ऑक्सीजन पार्क, बीआरटीएस कॉरिडोर, पेयजल पाइपलाइन, अतिक्रमण हटाने और पुलिया निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

विद्याधर नगर की सड़कों और जल भराव से संबंधित प्रस्तावों की स्वीकृति व वर्तमान स्थिति। बीआरटीएस कॉरिडोर, सीकर रोड वर्क और ड्रेनेज कार्य की प्रगति रिपोर्ट। ऑक्सीजन पार्क की स्थिति, बजट में घोषित कार्यों की अद्यतन जानकारी, कई वार्डों में सीवरेज और ड्रेनेज प्लान को शीघ्र लागू करने के निर्देश, बारिश के मौसम को देखते हुए जलभराव वाले क्षेत्रों की तत्काल पहचान और समाधान के निर्देश, अवैध अतिक्रमण हटाकर प्रस्तावित सड़कों का निर्माण शीघ्र कराने के निर्देश, हरमाड़ा, मुरलीपुरा सेटेलाइट हॉस्पिटल, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित मेडिकल परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की।

राजस्थान के नवनियुक्त पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने शनिवार को शासन सचिवालय में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उपमुख्यमंत्री को पदभार ग्रहण की जानकारी दी और शुभकामनाएं प्राप्त कीं।

विप्र गौरव दिवस के रूप में मनाया ओझा का जन्मदिन

जयपुर। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा का जन्म दिन विप्र गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। जयपुर में इस दिवस को खास बनाने के लिए गायों को हरा चारा, वृक्षारोपण, तुलसी पौधों का वितरण और मोदक भोग लगा ओझा के दीर्घायु की कामना की गई।

विप्र फाउंडेशन युवा प्रकोष्ठ की ओर से मुकेश शमा के नेतृत्व में जहां गोल्यवास स्थित निमड़ी के बालाजी के मोदक का भोग लगा ओझा की दीर्घायु के लिए विशेष पूजा अर्चना कर वृंदा तुलसी के पौधों का वितरण किया गया, विप्र गौरव दिवस के इन आयोजनों में परशुराम ज्ञानपीठ संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व हरि प्रसाद शर्मा, पूर्व लक्ष्मण गौड, पूर्व शिव लाल शर्मा, पूर्व एवं के सदस्य सुधीर शर्मा , विप्र फाउन्डेशन राजस्थान जॉन 1 के संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, ,बनवारी लाल शर्मा ,कपिल शर्मा ,अवधेश शर्मा ,रामबाबू शर्मा ,रामवतार शर्मा ,कमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्य सरकार को बड़ी राहत, 50.28 करोड़ रुपए ब्याज सहित अदा करने का आदेश रद्द

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को बड़ी राहत देते हुए आर्बिट्रेटर के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत राज्य सरकार को रोड निर्माण करने वाली फर्म को 50.28 करोड रुपए से अधिक की राशि ब्याज सहित अदा करनी थी। हालांकि अदालत ने जनवरी, 2012 तक वसूली गई टोल राशि पर रोड निर्माता फर्म का अधिकार माना है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अतिरिक्त महाधिवक्ता संदीप तनेजा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने बीओटी आधार पर पाली बायपास, जोधपुर-सुमेरपुर रोड निर्माण का ठेका साल 2003 में सांवरिया इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. को दिया था। निर्माता फर्म को 18 माह में रोड निर्माण कर 52 माह टोल राशि वसूल करनी थी। रोड निर्माण के लिए राज्य सरकार ने अधिकांश भूमि निर्माता फर्म को सौंप दी। वहीं शेष भूमि भी कुछ माह बाद रोड निर्माण के लिए दी गई।

निर्माता फर्म ने रोड निर्माण कर 3 मई, 2006 से टोल वसूली भी आरंभ कर दी। वहीं समयावधि को लेकर निर्माता फर्म का विवाद हो गया। आखिर में मामला आर्बिट्रेटर तक पहुंचा।

आर्बिट्रेटर ने साल 2019 में फर्म के पक्ष में फैसला देते हुए साल 2012 तक वसूली गई टोल राशि पर फर्म का अधिकार माना और रेलवे लाइन बंद नहीं करने के आधार पर क्षितपूर्ति के तौर पर फर्म के पक्ष में 50.28 करोड़ रुपए ब्याज सहित अदा करने को कहा। वहीं तीन माह में इस राशि का भुगतान नहीं करने पर 12 फीसदी ब्याज भी अदा करने के आदेश दिए।

इस आदेश को राज्य सरकार ने कमर्शियल कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। अपील में कहा गया कि दोनों पक्षों के बीच हुए करार में रेलवे लाइन बंद करने की कोई शर्त नहीं थी। वहीं रोड निर्माण के लिए जमीन का अधिकांश हिस्सा फर्म को सुपुर्द कर दिया था। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने क्षितपूर्ति के तौर पर 50.28 लाख रुपए ब्याज सहित अदा करने के आर्बिट्रेटर के आदेश को रद्द कर दिया है।

अंत्योदय शिविर का निरीक्षण

अलवर । जिला कलक्टर के निर्देशन पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल ने ग्राम पंचायत हाजीपुर, कस्बा डेहरा व चांदोली एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने नौगांवा की ग्राम पंचायत चीडवा में पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के अंतर्गत लगाए जा रहे शिविरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का निरीक्षण कर शिविर में आमजन के जा रहे काम का फीडबैक लिया। उन्होंने लाभार्थियों एवं आमजन से बातचीत कर शिविर में लाभ प्राप्त करने की जानकारी ली।

मोहर्रम आज, ताजियों का जुलूस निकलेगा

- सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे
- शनिवार रात कत्ल की रात के रूप में मनाई

जयपुर। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम रविवार को पूरे राजस्थान में अकीदत और गमगीन माहौल के बीच मनाया जाएगा। राजधानी जयपुर में इस अवसर पर 400 छोटे-बड़े ताजियों का जुलूस निकलेगा, जिसमें सोने और चांदी से सुसज्जित ताजिये विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेंगे। इससे पहले शनिवार की रात को कत्ल की रात के रूप में मनाया गया।

विभिन्न इलाकों से ताजियों को बाहर लाया गया। ढोल-नगाड़ों और मातमी धुनों के साथ यह ताजियों को देर रात तक गलियों और चौपड़ों में भ्रमण कराया गया। कत्ल की रात में मातम मनाया गया। रामगंज, भट्टा बस्ती, जालूपुरा, एमडी रोड, शास्त्री नगर, चार दरवाजा, ईदगाह रोड, संसार चंद्र रोड सहित अन्य इलाकों में ताजियों की रौनक देखते ही बन रही थी। इन ताजियों में विश्व प्रसिद्ध मस्जिदों और दरगाहों की कलाकृतियां दर्शाई गई।

जयपुर पुलिस ने इस धार्मिक अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की है। क्यूआरटी, ईआरटी, एसटीएफ, ट्रैफिक पुलिस, होमगार्ड सहित विशेष दस्तों को संवेदनशील इलाकों में लगाया गया है। ड्रोन के जरिए भी निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

'नेताओं को नेता बनने का निर्णय खुद को लेना होता है'

- जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने पीजीडीएम बैच 2025-27 के इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ किया

जयपुर। जयपुरिया इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर ने पीजीडीएम बैच 2025-27 के इंडक्शन प्रोग्राम का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके मैनेजमेंट सफर के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में आरुषि भल्ला, मैनेजिंग डायरेक्टर - ने छात्रों को एक्सपोनेंशियल माइंडसेट अपनाने, लगातार सीखते रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और जिज्ञासु बने रहने की सलाह दी। उन्होंने यह भी कहा कि मार्गदर्शक से सीखना और उद्योग के बदलते रुझानों से अपडेट रहना एक कुशल लीडर की निशानी है।

इसकी शुरुआत में काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट और स्पीकर अग्रता शुक्ला और ऑमैक्स कंसल्टेंट्स प्रा. लि. के डायरेक्टर अश्दिन डॉक्टर ने माइंडसेट्स और माइक्रो-हैबिट्स पर विचार साझा किए। उन्होंने छात्रों को चिंता से बाहर निकलने और सकारात्मक दिनचर्या बनाने की प्रेरणा दी। डॉ. प्रभात पंकज, डायरेक्टर, जयपुरिया, जयपुर ने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए जयपुरिया की पाँच मूल आदतों-प्रसन्निचत्तता, अच्छा पहनावा, ईमानदारी, समयपालन और कठिन परिश्रम- की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात डॉ. शिवा कक्कड़, वाइस प्रेसिडेंट - इनिशिएटिव्स ने मैनेजर्स के लिए जनरेटिव विषय पर सत्र लेते हुए छात्रों को के भविष्य, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और आवश्यक डिजिटल स्किल्स से अवगत कराया। दीप्ति मेहता, चीफ एचआर ऑफिसर- इंटरफेस माइक्रोसिस्टम ने भी अपने विचार साझा किए।

डॉ. रमज़ान समा (डीन रिसर्च) और डॉ. मनप्रीत कौर (प्रोग्राम चेयर, पीजीडीएम द्वितीय वर्ष) ने शोध कार्य की उपयोगिता को रेखांकित किया। वहीं डॉ. उषा बधेड़ा और आईटी टीम ने छात्रों को संस्थान की डिजिटल सेवाओं की जानकारी दी।

छात्र गतिविधियों के महत्व को उजागर करते हुए, डॉ. लोकेश विजयवर्गीय (डीन-स्टूडेंट अफेयर्स), यदु रेज़ (सीनियर एग्जीक्यूटिव, स्टूडेंट अफेयर्स व मीडिया रिलेशन्स), और मुख्य अतिथि अर्णव सय्यद ने क्लब्स और कमेटियों की भूमिका को छात्रों के नेतृत्व विकास से जोड़ा। करण बहल, फाउंडर एवं सीईओ- तथा सुरजा किशोर, सीईओ- इंडिया और टीम इंडिया ने लीडरशिप में स्टोरीटेलिंग की शक्ति को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। आर्ट ऑफ लिविंग के सौरभ शेखावत ने संगीत ध्यान सत्र के माध्यम से माइंडफुलनेस और आंतरिक शांति का अनुभव कराया।

कार्यक्रम में सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें जयसुख सुथार (एचसीएल), साक्षी अग्रवाल (अमेरिकन एक्सप्रेस), विशाल सावलानी (अमेजॉन) और आरती छाबड़ा (हीरो फिनकॉर्प) ने अपने अनुभव साझा करते हुए संचार, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, री-स्किलिंग और परिश्रम के महत्व पर जोर दिया। डॉ. अन्वय भार्गव ने सत्र का संचालन करते हुए नेटवर्किंग को भविष्य की सफलता की कुंजी बताया। दिन का समापन टीम द्वारा लिए गए सत्र से हुआ।

राहगीरों के विश्राम के लिए टीन शेड एवं कुर्सियां लगाई

जयपुर। टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की ओर से सेवा कार्य निरंतर जारी है। टीम 39 के प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट की प्रेरणा से बियानी परिवार (नावां वालों) के द्वारा उनके माता-पिता स्वर्गीय श्री गौरी शंकर जी बियानी व स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा देवी बियानी की स्मृति में पानीपेच झोटवाड़ा पर राहगीरों के लिए विश्राम स्थल का 20 12 का टीन शेड लगवाकर, कुर्सियां लगाकर निर्माण किया जा रहा है, कई वर्षों से यहां पर विश्राम स्थल का अभाव था, जिससे कई राहगीरों व यात्रियों को छाया व बैठने के लिए व्यवस्था मिलेगी । जिसको टीम 39 की प्रेरणा के द्वारा कुछ समय पहले इसी स्थान के पास में एक पानी की प्याऊ का जीर्णोद्धार भी कराया गया था, जिससे आज हजारों राहगीर जो की इस रूट से गुजरते हैं जिनको स्वच्छ पानी पीने की सुविधा मिलती है, उनके लिए अच्छे से अच्छी व्यवस्था करके बनाई गई है। प्रतिदिन इस प्याऊ पर महिला द्वारा पानी पिलाया जाता है एवं दो वाटर कूलर भी लगाये गए है।

7 जुलाई को 3 घंटे के लिए विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से रहेगी बाधित

- प्रभावित क्षेत्रों में 7 जुलाई की सायं कालीन पेयजल सप्लाई रहेगी आंशिक वाधित
- आमजन समुचित मात्रा में पेयजल का कर ले संग्रहण

जयपुर। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड द्वारा 132 के.वी. जी.एस.एस. थडोली पर स्थापित उपकरणों की प्रिवेंटिव मेंटिनेंस हेतु 7 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक 3 घंटे का विद्युत शट-डाउन लिया जायेगा। शट-डाउन के दौरान बीसलपुर जयपुर पेयजल परियोजना के इन्टेक पम्प हाउस व सूरजपुरा जल शोधन संयत्र पर विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बाधित रहेगी, जिसके कारण लगभग 5 घंटे के अन्तराल के बाद पेयजल उत्पादन एवं वितरण प्रणाली सामान्य होगी।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग क्षेत्र द्वितीय जयपुर शुभांशु दीक्षित ने बताया कि शटडाउन के दौरान मालपुरा, झिराना, बस्सी, निवाई, टोंक, फागी, सांभर, फुलेरा, दूदू, जोबनेर और चाकसू क्षेत्र के शहरी व ग्रामीण एवं जयपुर शहर में प्रतापनगर क्षेत्र, सांगानेर क्षेत्र दुर्गापुरा, मालवीय नगर, बापूनगर, महेशनगर, बरकत नगर, सिविल लाईन ज्योतिनगर, शान्ति नगर, सिन्धी कॉलोनी, आदर्शनगर, जवाहर नगर, ट्रक स्टैंड, मानसरोवर, श्यामनगर, विद्युत नगर, संजय नगर, ऑफिसर कैम्पस, झोटवाड़ा, बी. के. आई. विद्याधर नगर, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, गोपालपाड़ी , बनीपार्क, अम्बाबाड़ी, जगतपुरा, खो नागोरियान, इन्दिरा गाँधी नगर, मुहाना मोड़, जामडोली, सुभाषनगर, सीतापुरा, चारदीवारी क्षेत्र और पृथ्वीराज नगर क्षेत्र की 7 जुलाई की सांयकालीन पेयजल सप्लाई आंशिक रूप से बाधित रहेगी। समस्त पेयजल सप्लाई 8 जुलाई से नियमित रूप से सुचारू होगी।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता ने प्रभावित आमजन से अनुरोध किया है कि समुचित मात्रा में पेयजल संग्रहित कर उपयोग करें।

हेरिटेज निगम आयुक्त ने सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ निधि पटेल ने देर रात निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर आयुक्त डॉ निधि पटेल ने देर रात निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान निगम आयुक्त ने चारदीवारी में चांदपोल, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार में रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था देखी। निगम आयुक्त निधि पटेल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाजार बंद होने के बाद देर रात में सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया जाएं, जिससे कि यातायात प्रभावित नहीं हो।

साथ ही निगम आयुक्त ने मेन बाजार की मुख्य सड़क से रात में 12 बजे बाद कचरा उठवा कर सफाई व्यवस्था कराने के निर्देश भी दिए। इस दौरान गैराज शाखा उपायुक्त सरिता मल्होत्रा, अधिशाषी अभियंता बलराम मीणा सहित अन्य निगम अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं, निगम आयुक्त ने सिविल लाइन, सोडाला, गुर्जर की थड़ी, श्याम नगर इलाके में मैकेनाइज स्वैपिंग मशीन से की जा रही सफाई व्यवस्था को भी देखा। आयुक्त निधि पटेल ने इस दौरान डुलेवो मशीन का निरीक्षण किया और सफाई के समय स्प्रिलिंकर के उपयोग के भी निर्देश दिए, जिससे कि सड़क पर धूल उड़कर वापस सड़क पर नहीं जमा हो सकें। इसके अलावा सफाई व्यवस्था में शामिल नए ड्राइवर को भी ट्रेनिंग कराने के निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर राइसेम में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया ।

- बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' विषय पर सेमिनार आयोजित

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर शनिवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंध संस्थान (राइसेम) में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'सहकारिता : बेहतर विश्व के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान को आगे बढ़ाना' शीर्षक से आयोजित सेमिनार में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने विषय सहित सहकारिता की चुनौतियों और संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) शिल्पी पांडे ने कहा कि हमें सहकारिता के ध्येय वाक्य एक सबके लिए, सब एक के लिए को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा। हम आपस में सहयोग, सहभागिता और जुड़ाव को बनाये रखते हुए एक-दूसरे की मदद करें। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन का दौर है। अनेक प्रकार के परिवर्तन सहकारिता सहित अन्य क्षेत्रों में हो रहे हैं। हमें आगे बढ़ने के लिए इन परिवर्तनों को स्वीकार करते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) एवं अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के नोडल अधिकारी संदीप खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह देश में सहकारिता को एक नई पहचान देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकारिता से जुड़ी योजनाओं में राजस्थान बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, जिससे राष्ट्रीय स्तर भी राज्य का विशेष रूप से उल्लेख किया जा रहा है। सहकारिता को राजस्थान को माध्यम से नई पहचान मिल रही है और आगामी समय में राजस्थान देश में मॉडल स्टेट के रूप में उभरेगा।

अतिरिक्त रजिस्ट्रार (मा.सं.वि.) एवं 'सहकार से समृद्धि' के नोडल अधिकारी भोमा राम ने सहकारिता के उद्भव, विकास और इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता की भूमिका केवल विभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक आन्दोलन है। देश में 29 करोड़ लोग और राज्य में प्रत्येक पांचवां व्यक्ति सहकारिता से जुड़े हैं। इसका और अधिक विस्तार किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रबनाने में सहकारिता का महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना पर भी विस्तार से प्रकाश डालते कहा कि इसके अंतर्गत डेटा बेस तैयार कर नई नीतियां बनाई जा रही है।

राइसेम के निदेशक रणजीत सिंह चूड़ावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि 'सहकार से समृद्धि' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना पर आधारित एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें 60 से अधिक पहलों के माध्यम से सहकारिता को सशक्त बनाया जा रहा है। इनमें लगभग 14 पहलें ग्राम सेवा सहकारी समितियों से संबंधित हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सहकारिता का 125 वर्ष पुराना गौरवशाली इतिहास है, इसे हमें और अधिक समृद्ध बनाना है।

'महिला शिक्षा को मिलेगा नया आयाम'

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने विद्याधर नगर में कन्या महाविद्यालय भवन का लोकार्पण किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 5 करोड़ की लागत से निर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण तथा 5.42 करोड़ की लागत से द्वितीय चरण के भवन विस्तार कार्य का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि "महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। यह महाविद्यालय भवन इसी दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।"

5 करोड़ की लागत से बने इस भवन का कार्य सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण किया गया है, जिसे जयपुर वास्तुशिल्प के अनुरूप विकसित किया गया है। कुल 25,500 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित भवन में भूतल, प्रथम और द्वितीय तल पर कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, स्मार्ट क्लास, स्टाफ रूम, एनसीसी कक्ष, कॉन्फ्रेंस हॉल सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं।

भवन भूकंपरोधी आरसीसी संरचना से निर्मित है और सुगम आवागमन हेतु लिफ्ट की सुविधा भी प्रदान की गई है।

दिव्यांगजनों की सुविधा हेतु वॉक-वे और हरित पट्टिका भी बनाई गई है। पर्यावरण संतुलन हेतु भवन में पर्याप्त पौधारोपण और ऊर्जा संरक्षण के लिए एलईडी लाइट्स एवं एएसी ब्लॉक का उपयोग किया गया है। स्मार्ट क्लासरूम, इंटरनेट लॉन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

5.42 करोड़ की लागत से तृतीय तल सहित भवन विस्तार का कार्य किया जाएगा, जिसका कुल क्षेत्रफल 14,900 वर्ग फुट होगा। इसमें सड़क, पार्किंग और कैंटीन जैसी सहायक संरचनाओं का निर्माण भी शामिल है। महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जा रही है।

श्रद्धांजलि

24.10.1918 - 06.07.2000

25वीं पुण्यतिथि

श्रद्धेय स्व. वैद्य श्री घनश्याम जी शर्मा

निवासी श्रीमाधोपुर (सीकर) की 25वीं पुण्यतिथि 06 .07 .2025 पर सभी परिवारजन की ओर से

शत् शत् नमन् एवं सादर श्रद्धांजलि

कैलाश शर्मा (राष्ट्रदूत) एवं उमा शर्मा (से.नि.प्रधानाध्यापिका), नरेन्द्र शर्मा (से.नि.एयरफोर्स) एवं दीपशिखा, सत्यप्रकाश शर्मा (Govt. Supplier (M.E.S.) एवं ज्योति शर्मा (से.नि.प्रिंसिपल सी.सै.स्कूल) (पुत्र-पुत्रवधु), बीना एवं नरेन्द्र भारद्वाज (से.नि.भारतीय स्टेट बैंक) (पुत्री-दामाद), प्रशांत एवं प्रिया (पौत्र-पौत्रवधु) एवं समस्त परिवारजन

मो.नं.- 9829264308, 9829360428, 9462694531

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 100), ऋषभ पंत (65) और केएल राहुल (55) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन शनिवार को चायकाल तक दूसरी पारी में चार विकेट पर 304 रन बना लिये। - शुभमन गिल

भारतीय बल्लेबाज, एक मैच के दौरान खेलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

संजू सैमसन

संजू सैमसन पिछले सीजन विजय हज़ारे दल से विवादास्पद तरीक़े से बाहर हो गए थे, लेकिन अच्छी बात ये है कि केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के साथ उनके रिश्ते अभी भी अच्छे हैं। शनिवार को भारत और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज की लोकप्रियता एक बार फिर देखने को मिली जब वह केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें कोचि ब्लू टाइगर्स ने 26.60 लाख रुपये में रिकॉर्ड बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा । आईपीएल 2025 के बाद संजू सैमसन के लिए ये पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता होगी।

क्या आप जानते हैं ?... जेमी स्मिथइंग्लैंड के लिए तीसरा सबसे तेज शतक टेस्ट क्रिकेट में जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

भारत ने इंग्लैंड को 608 रन का टारगेट दिया

तीन इंग्लिश बैटर्स पैवेलियन लौटे, स्टंप्स तक स्कोर 72/3, आकाश दीप को 2 विकेट

बर्मिंघम, 5 जुलाई। भारत बर्मिंघम टेस्ट में मजबूत स्थिति में है। भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक 608 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम के 3 बैटर्स को पवेलियन भेज दिया है।

शनिवार को स्टंप्स तक इंग्लैंड का स्कोर 72/3 रहा। ओली पोप 24 और हैरी ब्रूक 15 रन पर नाबाद लौटे। आकाश दीप ने जो रूट (6 रन) और बेन डकेट (25 रन) को बोल्ड किया। जबकि मोहम्मद सिराज ने जैक क्रॉली (शून्य) का विकेट लिया।

टीम इंडिया ने दूसरी पारी 427 रन पर घोषित की। रवींद्र जडेजा 69 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने 161 रन बनाए। वे एक मैच में 400 रन बनाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बने। उन्होंने पहली पारी में 269 बनाए थे। पहली पारी में भारत 587 और इंग्लैंड 407 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत को पहली पारी में 180 रन की बढ़त मिली थी।

भारत ने कल के एक विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में भारत को दूसरा झटका करूण नायर के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने विकेटकीपर स्मिथ के हाथों कैच आउट कराया। उस समय भारत का स्कोर 96 रन था। जॉश टंग ने भोजनकाल से पहले के एल राहुल को आउटकर भारत को दूसरा झटका दिया। के एल राहुल ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से (55) रनों की जुझारू पारी खेली।

भोजनकाल तक भारत ने तीन विकेट पर 177 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 357 रनों की हो गई है। कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 24) और ऋषभ पंत (नाबाद 41) बनाकर क्रीज पर थे।

पहले सत्र में भारत ने दो विकेट गंवाए और कुल 111 रन बटोरे। पहले घंटे में गेंदबाजों को काफी मदद मिल रही थी और करुण नायर कार्स का शिकार बन गए। इसके बाद राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन वह टंग की अंदर आती गेंद पर गच्चा खा गए। हालांकि गिल दूसरे छोर पर डटे रहे और पंत ने आते ही आक्रमण चालू कर दिया। पंत को दो जीवनदान जरूर मिले लेकिन उन्होंने 35 गेंदों पर तेजी से पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 41 रन बना लिए।

भोजनकाल के बाद शोएब बशीर ने ऋषभ पंत को आउट कर इंग्लैंड को चौथी सफलता दिलाई। ऋषभ पंत ने 58 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए (65) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रवींद्र जडेजा ने कप्तान शुभमन गिल का बखूबी साथ निभाया। इस दौरान चायकाल से पहले शुभमन गिल ने 129 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के लगाते हुए अपना शतक पूरा किया। चायकाल के समय शुभमन गिल (नाबाद 100) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 25) क्रीज पर मौजूद थे।

इंग्लैंड की ओर से जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स और शोएब बशीर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले भारत ने पहली पारी में 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 407 रन बनाये थे।

भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टला

2025 नहीं, सितंबर 2026 में होंगे 3 टी-20 और 3 वनडे

मुंबई, 5 जुलाई। भारत का बांग्लादेश दौरा एक साल के लिए टाल दिया गया है। ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी। भारतीय बोर्ड के अनुसार, टीम इंडिया अब अगस्त 2025 की बजाय अगले साल सितंबर में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी। री-शेड्यूल करने के कारण नहीं बताया। माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले कुछ समय में बिगड़े रिश्तों और सुरक्षा की वजह से यह फैसला लिया गया। भारत अगले साल बांग्लादेश जाकर 3 वनडे और 3 टी-20 खेलने वाला है।

रोहित-कोहली के खेलने का इंतजार भी टला बांग्लादेश टूर टलने के साथ फैंस का कोहली और रोहित को एक साथ फिर खेलते देखने का इंतजार भी बढ़ गया। रोहित और विराट ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। दोनों ने पिछले साल जून में टी-20 इंटरनेशनल को भी अलविदा कह दिया था। ऐसे में अब दोनों खिलाड़ी वनडे में ही भारत के लिए खेलते नजर आएंगे। विराट और रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से खेलते नजर आए थे।

मीडिया राइट्स की बिक्री टाली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के मीडिया राइट्स की बिक्री भी टाल दी है। पहले 7 जुलाई को टेक्निकल बोली और 10 जुलाई को फाइनेंशियल बोली होनी थी। लेकिन अब बोर्ड ने तय किया है कि वह पहले पाकिस्तान

सीरीज (17-25 जुलाई) के लिए मीडिया राइट्स बेचेगा और फिर बाकी मैचों पर फैसला लेगा।

एक हफ्ते पहले के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा था कि दौरे पर आने से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। पिछले साल छात्र आंदोलन के बाद तख्ता पलट हुआ बांग्लादेश में अगस्त 2024 में छात्र विरोध प्रदर्शन के बाद शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट हो गया था। छात्रों के नेतृत्व में यह आंदोलन मुख्य रूप से सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण नीति के खिलाफ शुरू हुआ था। प्रदर्शनों ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और देश भर में अशांति फैल गई।

इसके बाद से ही बड़े पैमाने पर हिंदुओं पर अत्याचार की खबरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। महिलाओं के साथ बर्बरता के कई वीडियो सामने आए। वहीं कई लोगों के घर तक जला दिए गए। क्रिकेट के लिए सुरक्षा के इंतजाम मुश्किल है, इसलिए भी भारत फिलहाल बांग्लादेश नहीं जाना चाह रहा।

सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चम्पियनशिप : ले पुड्डेचेरी और उत्तराखंड ने जीत दर्ज की

रांची, 5 जुलाई। 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के तीसरे दिन शनिवार को ले पुडुचेरी और उत्तराखंड ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। आज यहां ग्रुप 'सी' के मुकाबले में ले पुडुचेरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान को 4-1 से हराया। गोल रहित शुरुआती क्वार्टर के बाद इंधुजा ई ने (33वें) मिनट में गोलकर ले पुडुचेरी को बढ़त दिलाई। इसके बाद कप्तान कनागसरी ने (39वें) मिनट में दूसरा गोल कर मैच में अपनी पकड़ मजबूत की। अंतिम क्वार्टर में दीपिका दास ने (48वें, 55वें) मिनट में दो गोल कर टीम की जीत सुनश्चित कर दी। राजस्थान के लिए लक्ष्मी ने (56वें) मिनट में एक सांत्वना गोल किया। वहीं दिन के दूसरे मैच में ग्रुप 'बी' में उत्तराखंड ने दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी को 2-0 से हराया। उत्तराखंड के लिए कप्तान मानसी खतारिया ने (25वें मिनट) दूसरे क्वार्टर में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई।

आरसीए एडहॉक समिति आरसीए अकादमी कार्यालय पर पदभार ग्रहण करेगी

कॉल्विन शील्ड चैम्पियन जयपुर टीम का सम्मान होगा

जयपुर, 5 जुलाई। राज्य विभाग द्वारा राजस्थान क्रिकेट संघ के संचालन शाला संगीत आर्किया एडहॉक समिति 6 जुलाई को सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित आरसीए अकादमी रीच की ओर से अनुमोदित रूप से अपना पदभार ठाहण करेगी। राजस्थान क्रिकेट संघ एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष डी डी कुमावत, सदस्य धन्नजय सिंह खींचसर, पिंकेश पोरावाल, आशीष तिवारी व मोहित यादव की उपस्थिति 6 जुलाई को सुबह 11.11 बजे आरसीए अकादमी कार्यालय में स्थित आरसीए एडहॉक समिति ने स्वीकृत रूप से पदभार ठाहण करेगी। आरसीए एडहॉक कमेटी के अध्यक्ष डी डी कुमावत के अनुसार इस अवसर पर जयपुर जिला एडहॉक कमेटी के सदस्य भी मौजूद रहे।

तेजल नाथावत का राष्ट्रीय टीम में चयन

जयपुर, 5 जुलाई। ग्राम इटावा भोपजी की तेजल नाथावत का चयन अगस्त 25 मे होने वाली एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए हुआ है। तेजल नाथावत का चयन 50मीटर रायफल प्रॉन जूनियर वूमेन श्रेणी मे हुआ है। यह प्रतियोगिता 15 से 30 अगस्त तक कजाकिस्तान मे सम्पन्न होगी जिसमे तेजल नाथावत देश का प्रतिनिधित्व करेंगी ।

केसीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर सैमसन की केरल क्रिकेट में वापसी

तिरुवनंतपुरम, 5 जुलाई। संजू सैमसन पिछले सीजन विजय हज़ारे दल से विवादास्पद तरीक़े से बाहर हो गए थे, लेकिन अच्छी बात ये है कि केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के साथ उनके रिश्ते अभी भी अच्छे हैं। शनिवार को भारत और राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज की लोकप्रियता एक बार फिर देखने को मिली जब वह केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) नीलामी में सबसे महंगे खिलाड़ी बने। उन्हें कोचि ब्लू टाइगर्स ने 26.60 लाख रुपये में रिकॉर्ड बोली लगाकर अपने साथ जोड़ा।

आईपीएल 2025 के बाद संजू सैमसन के लिए ये पहली प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता होगी। सैमसन ने आईपीएल 2025 में आरआर के लिए नौ मुक़ाबले खेले थे। राजस्थान का अभियान अच्छा नहीं रहा था, आरआर ने चार जीत और दस हार के साथ नौवें स्थान पर प्रतियोगिता खत्म की थी। सैमसन प्रतियोगिता के काफी मुकाबले साइड स्ट्रेन की वजह से नहीं खेल पाए थे। केसीएल के साथ सैमसन की केरल क्रिकेट में भी वापसी हो रही है, जहां उन्हें पिछली बार विजय हजारे दल से बाहर कर दिया गया था। सैमसन को इसलिए दल से बाहर होना पड़ा था क्योंकि प्रतियोगिता की तैयारी के लिए आयोजित कैंप में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था।

केसीए ने कहा था कि हम एक उदाहरण पेश करना चाहते थे, जबकि भारतीय बल्लेबाज ने कहा था कि उन्होंने बोर्ड से लिखित आवेदन के जरिए अनुमति मांगी थी कि वह इस कैंप का हिस्सा नहीं रह पाएंगे। सैमसन को इस लीग का ब्रैंड एबेंसडर बनाया गया है, वह केसीएल का पहला सीजन अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की वजह से नहीं खेल पाए थे। उन्हें तब इससे आराम दिया गया था और नीलामी से उनका नाम वापस ले लिया गया था। उसके बाद से सैमसन लगातार भारतीय टी20 दल का हिस्सा रहे हैं।

दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष पारूल सिंह ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

नई दिल्ली, 5 जुलाई। दिल्ली पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष पारुल सिंह ने दिल्ली में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने उन्हें भगवान श्रीराम और माता सीता की पारंपरिक पेंटिंग भेंट की, जो सांस्कृतिक सम्मान और सौहार्द का प्रतीक है। मुलाकात के दौरान श्रीमती सिंह ने झारखंड सरकार द्वारा खेल सुविधाओं के विकास और पैरा-एथलीट्स के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने यह भी साझा किया कि विभिन्न राज्यों के बीच सहयोग से देश में पैरा खेलों की संरचना को और मजबूत किया जा सकता है। मुख्यमंत्री सोरेन ने इस आत्मीय भेंट के लिए श्रीमती सिंह का आभार व्यक्त किया और समावेशी खेलों को प्रोत्साहन देने तथा दिव्यांग एथलीट्स के लिए बेहतर अवसर सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। पारुल सिंह दिल्ली पैरा ओलंपिक समिति का प्रतिनिधित्व करते हुए लगातार विभिन्न मंचों पर सक्रिय हैं और समावेशन, पहुंच और सांस्कृतिक सहभागिता को सार्वजनिक जीवन में महत्व देने के प्रयासों में जुटी हैं।

अल्काराज, सबालेंका विंबलडन में चौथे दौर में

लंदन, 5 जुलाई। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रूफ को और स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एम्मा राडुकानू को हराकर विंबलडन के चौथे दौर में जगह बना ली हैं। तीसरे दौर के शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में दूसरे वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी अल्कराज ने 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को बदलकर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। अल्कराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 में से 34 पॉइंट जीते जो कि उनकी जीत का मुख्य कारण रहा। मैच के बाद अल्कराज ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छा रिटर्न किया। इससे उनकी सर्विस पर बहुत दबाव पड़ता है। मुझे लगता है कि आज यही महत्वपूर्ण था। अल्काराज का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त एंड्री रूबलेव से होगा। रूस के एंड्री रूबलेव ने एड्रियन मानारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई है। मैच के बाद रूबलेव ने कहा, वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि वह घास पर वास्तव में अच्छा खेलता है क्योंकि उसे हमेशा आक्रामक होना पसंद है। इस बीच, पाँचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 6-4, 6-3, 6-7 (5), 6-1 से जीत हासिल की। अगले दौर में फ्रिट्ज का सामना ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन से होगा। थॉम्पसन ने तीसरे दौर में इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-4, 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। महिलाओं के ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू की चुनौती को 7-6 (6), 6-4 से हरा दिया। मैच के सबालेंका ने कहा, एम्मा ने बहुत ही शानदार टेनिस खेला और मुझे यह मैच जीत जीतने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे हर अंक के लिए संघर्ष करना पड़ा। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज जर्मन लौरा सीजमंड से 6-3, 6-3 से हार गईं, जबकि पूर्व विश्व नंबर वन नाओमी ओसाका ने एक सेट की बढ़त गंवा दिया और अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा से 3-6, 6-4, 6-4 से हार गईं।

हाजी गनी बाबा स्मृति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 5 जुलाई। सबा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 8वीं हाजी गनी बाबा स्मर्ति लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये के. एल. सैनी स्टेडियम में पहले मैच में कार्तिक शर्मा 72 रन नाबाद, आयुष आमेरिया 67 नाबाद व 28 रन पर 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत एमेमी क्रिकेट एकेडमी ने नीरजा मोदी एकेडमी को 8 विकेट से पहले सेमीफाईनल मैच में हराकर फाईनल में प्रवेश किया। आज खेले गये दूसरे सेमीफाईनल मैच में रौनक सैनी 32 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी तथा कुशाग्र ओझा 40 रन नाबाद व 17 रन पर 2 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की बदौलत केन्डलविक एकेडमी ने जयपुरिया एकेडमी को 6 विकेट से हराकर फाईनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला ऐमी क्रिकेट एकेडमी से होगा।

टॉस जीतकर नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मानेन्द्र सिंह 67 रन (35 गेंद, 5 चौके 5 छक्के) ने प्रतीक मान 38 के साथ मिलकर 9.5 ओवर में 109 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की मध्यक्रम में चिराग शर्मा 26 रन व केशव डिडवानिया 24 की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 185 रन बनाये ऐमी क्रिकेट एकेडमी की ओर से नावेद खान 30 रन पर 2 विकेट तथा अशोक शर्मा 39 रन पर 1 विकेट व आयुष आमेरिया 28 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में ऐमी क्रिकेट एकेडमी ने कार्तिक शर्मा 72 रन नाबाद (33 गेंद, 3 चौके 7 छक्के), आयुष आमेरिया 67 रन नाबाद (39 गेंद, 6 चौके 3 छक्के) ने तीसरे विकेट पर 114 रन की नाबाद साझेदारी निभाकर विजय लक्ष्य 162 ओवर में 185 रन 2 विकेट खोकर बना 8 विकेट से जीत दर्ज की ऐमी क्रिकेट एकेडमी की ओर से वरदान शर्मा ने 22 रन बनाये नीरजा मोदी की ओर से हर्षित शर्मा व चिराग शर्मा 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

दूसरा मैच : आज खेले गये दूसरे मैच में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 54 ओवर में अमित गौतम 39 रन व आर्यन जैन 23 रन ने मिलकर 5.4 ओवर में 50 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की लेकिन रौनक सैनी 32 रन पर 4 विकेट व कुशाग्र ओझा 17 रन पर 2 विकेट, मेहुल सिंह 20 रन पर 1 विकेट, सार्थक त्याग 20 रन पर 1 विकेट की गेंदबाजी समक्ष निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट लेकर 119 रन बनाये।

जवाबी पारी में केन्डलविक क्रिकेट एकेडमी ने कुशाग्र ओझा 40 रन (25 गेंद, 4 चौके 2 छक्के), दक्ष कासलीवाल 29, ओशनिक ग्रोवर 25 रन ने मिलकर विजय लक्ष्य 4 विकेट खोकर 16.1 ओवर में 121 रन बनाकर 6 विकेट से जीत दर्ज कर फाईनल में प्रवेश किया जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी की ओर से दिव्यांश शर्मा 12 रन पर 2 विकेट तथा अभिजय भन्डारी व ध्रुव सेठी 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। फाईनल कल रविवार 6 जुलाई को के. एल. सैनी स्टेडियम पर ही खेला जायेगा।

बांग्लादेश ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज से शांतो को किया बाहर

ढाका, 5 जुलाई। बंगलादेश ने इस महीने के आखिर में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन टी-20 मैचों की सीरीज से पूर्व कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को बाहर कर दिया है। तीन मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 10 जुलाई को पल्लेकेले, दूसरा 13 जुलाई को दांबुला और तीसरा मैच 16 जुलाई को कोलंबो में खेला जाएगा। पिछले मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए चयनकर्ताओं ने पूर्व कप्तान नजमुल हुसैन शांतो को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया हैं। शांतो मई में पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ बंगलादेश की टी-20 सीरीज के दौरान टीम का हिस्सा थे, लेकिन छह मैचों में से केवल एक में ही खेले थे। चयनकर्ताओं ने शांतो की जगह बाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद नईम को सलामी बल्लेबाज के रूप में टीम में शामिल किया गया है। नईम का घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन रहा है। वह बीपीएल और एनसीएल टी-20 दोनों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे, उन्होंने 37.59 की औसत और 140.40 की स्ट्राइक रेट से 827 रन बनाए, जिसमें एक शतक और छह अद्धर्शतक शामिल हैं। चोट से उबर कर वापसी कर रहे तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान की जोड़ी से बंगलादेश की टीम को मजबूती मिली है। मोहम्मद सैफुद्दीन का नाम भी टीम में शामिल किया गया है। वह एक साल के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन विभाग में तनवीर इस्लाम की जगह नासुम अहमद को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए बंगलादेश की टीम:- लिटन दास (कप्तान), तनजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, मोहम्मद नईम, तौहीद हृदॉय, जैकर अली, शमीम हुसैन, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, महेदी हसन, नासुम अहमद, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, शरीफुल इस्लाम, तनजीम हसन साकिब और मोहम्मद सैफुद्दीन।

32वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैम्पियनशिप

भारत ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदको के साथ रचा इतिहास

जयपुर, 5 जुलाई। भारत ने दक्षिण कोरिया के जिम सिहोंग सी शहर में आयोजित 32वीं एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित कुल सात पदक जीत इतिहास रच दिया। भारतीय दल ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक अपने नाम किए और टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम रही।

भारतीय महिला टीम की कोच जयपुर की सुरभि मिश्रा ने बताया कि भारत के आर्यवीर दीवान ने मलेशिया के टॉप सीड निखिलेश्वर को सीधे सेटों में 11-5, 11-8, 11-3 से पराजित कर अंडर-17 बायज कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। वहीं अंडर-19 गर्ल्स में शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की अनाहत सिंह ने हांगकांग की च्यूंग टीसी को 11-7, 11-2, 11-8 से सीधे सेटों में शिकस्त दे स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूरे टूर्नामेंट में अनाहत का प्रदर्शन सबसे प्रभावशाली रहा।

सुरभि ने बताया कि अंडर-13 बॉयज में भारत के अयान धानुका को पाकिस्तान के शीर्ष वरीयता के खिलाड़ी मोहम्मद एस के हाथों चार सेटों के संघर्ष में 5-11, 3-11, 11-13, 6-11 से मिली हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अयान ने तीसरे गेम में शानदार वापसी की लेकिन अनुभवी पाकिस्तानी खिलाड़ी के खिलाफ हार गए। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी सान्वी कलंकी को अंडर-15 गर्ल्स के फाइनल में मलेशिया की जिनोरीका एन के हाथों 4-11, 6-11, 10-12 से हार मिली।

सुरभि ने बताया कि भारत की गर्ल्स अंडर-17 में अनिका दुबे, बॉयज अंडर-15 में आर्यमन सिंह और बॉयज अंडर-13 में अमर्य बजाज ने कांस्य पदक जीते। उन्होंने बताया कि राजस्थान के भी तीन खिलाड़ियों दिव्यांशी जैन, प्रभव बाजोरिया और सुभाष चौधरी ने हिस्सा लिया लेकिन पदक जीतने में नाकाम रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने जड़ा यूथ एकदिवसीय का सबसे तेज शतक

वॉर्सेस्टर (इंग्लैंड), 5 जुलाई। भारतीय अंडर-19 टीम के धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार को इंग्लैंड की टीम के खिलाफ चौथे यूथ एकदिवसीय मुकाबले में सबसे तेज शतक बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। आज यहां खेले गये मुकाबले में सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड की अंडर-19 टीम के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 52 गेंदों में शतक ठोकते हुए नया रिकॉर्ड बना लिया है। इसी के साथ वह यूथ एकदिवसीय में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाज बन गये है। उन्होंने 78 गेंदों में 13 चौके और 10 छक्के लगाते हुए 143 रनों की आतिशी पारी खेली। इस आतिशी शतक के साथ ही वैभव ने पाकिस्तान के कामरान गुलाम द्वारा 2013 में बनाये गये रिकॉर्ड तोड़ दिया। वैभव ने जहां 52 गेंदों में अपना शतक पूरा किया।

राजस्थान जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता में झुंझुनूं बना विजेता

जयपु, 5 जुलाई। राजस्थान स्टेट जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता झुंझुनूं 2025 में आज दिनांक 4 जुलाई 2025 को दो सेमीफाइनल ,एक तीसरे स्थान का मैच ओर एक फाइनल मुकाबले खेले गए राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज हुआ मुकाबलों में पहला सेमीफाइनल इंडियन स्कूल के मैदान में मुकाबला झुंझुनू वर्सेस बीकानेर जिसमें झुंझुनू टाइब्रेकर में 5-3 से विजई रहा ।

जसोदा , किरण, जयश्री ने बीकानेर टीम से पेनल्टी किक पर गोल किए । निधि, जोहा, शाहिस्ता, दिव्यांशी, माधुरी ने झुंझुनूं की तरफ़ से गोल करके जीत दिलवाई। दूसरा सेमीफाइनल मैच झुंझुनूं अकादमी के खेल परिसर में हनुमानगढ़ वर्सेस नागौर के मध्य खेला गया जिसमें नागौर टीम 1-0 से विजेता रहा आफरीन बनो ने नागौर की ओर से गोल किया। तीसरे स्थान के लिए बीकानेर वर्सेस हनुमानगढ़ के मध्य मैच खेला गया जिसमें बीकानेर 4-0 से विजय रहा । मंजू, किरण, जयश्री, जशोदा ने बीकानेर की ओर से गोल किए। फाइनल

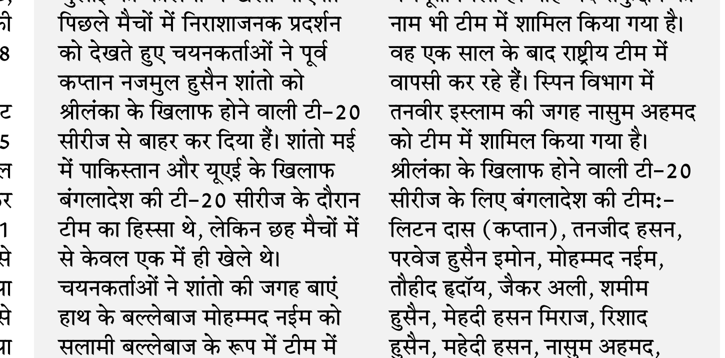

मुकाबला झुंझुनू वर्सेस नागौर के मध्य खेला गया दोनों ही टीमों ने आक्रमण खेल का प्रदर्शन किया झुंझुनूं की तरफ़ से जोहा खान ने 42 मिनट पर दूर से किक लगा कर गोल किया। जिसमें झुंझुनू ने 1-0 से मैच जीतकर पहली बार जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता जीतकर इतिहास बनाया है ।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में अतिथि हर्षणी कुलहरी जिला प्रमुख एवं जिलाध्यक्ष भाजपा झुंझुनू, नरेंद्र खीचड़ पूर्व सांसद, अजय चाहर पार्षद, विशंभर पूनिया जिला खेल अधिकारी झुंझुनू, सुदेश जी पंचायत समिति सदस्य झुंझुनू, मोनिका राव चेयरमैन मरूधरा हुंडई झुंझुनू, जिला फुटबाल संघ सचिव महेंद्र बिजारणियां, सचिव नागोर फरहत अली, सचिव गंगानगर मदन बेनीवाल, मैच कमिश्नर अमर सिंह राठौड़, मनोज सैनी, प्रकाश जांगिड़, विकाश कुमार फुटबॉल कोच,आदि मौजूद थे।

राज्यपाल ओम माथुर व मुख्यमंत्री ने बालोतरा शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम का शुभारंभ किया

इस कार्यक्रम में सर्वे करके ड्रॉप आउट व नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर विद्यालय भेजा जाएगा

बालोतरा/जयपुर, 5 जुलाई। सिक्किम के राज्यपालक ओम प्रकाश माथुर ने शनिवार को बालोतरा के ग्राम पादरू में मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम (बीडीईटी) के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा अपनी मातृभूमि के लिए शिक्षा के क्षेत्र में जो अभिनव प्रयास प्रारंभ किए गए हैं उससे बालक-बालिकाओं एवं युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकेगी। इस फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों को वित्तीय मदद भी उपलब्ध करवायी गई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाकर हर सामाजिक बुराई का अंत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा 88 हजार 800 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट एवं साथ में इंटरनेट कनेक्शन निशुल्क दिए गए हैं। इसके साथ ही पुस्तकालयों को 43 लाख पुस्तकें पहुंचाई गई।

शर्मा ने कहा कि मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन द्वारा बालोतरा जिला शिक्षा परिवर्तन कार्यक्रम के रूप में शिक्षा एवं कौशल के लिए महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। इसमें घर-घर सर्वे कर ड्रॉपआउट और नामांकन से वंचित बालिकाओं की पहचान कर उनका विद्यालयों में नामांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल शिक्षा तक ही नहीं बल्कि उन्हें रोजगार प्राप्त करने योग्य बनाने तक है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को जोधपुर के शेरगढ़ में दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने ऊंट की सवारी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बालोतरा जिले के चहुंमुखी विकास के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध करवाया है।

पूर्व में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़ा के अंतर्गत पादरू में आयोजित शिविर का अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों की स्टॉल्स पर लाभार्थियो से संवाद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी प्रेमलता को चैक एवं रेखा को गोद-भराई किट दिया।

- सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अंत्योदय पखवाड़े के तहत ग्राम पादरू में लगे शिविर का अवलोकन किया व लाभार्थियों से संवाद किया।

इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, उद्योग राज्यमंत्री के.के.विश्नोई, सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, सुधीर गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अब तक 25 हजार श्रद्धालुओं ने अमरनाथ के दर्शन किए

नई दिल्ली, 5 जुलाई। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह चरम पर है। यात्रा के चौथे दिन तक 25 हजार श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। हर हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के बीच हजारों श्रद्धालु बाबा बर्फानी की पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। हालांकि खबर है कि गर्मी के प्रभाव से बर्फ से निर्मित होने वाला शिवलिंग अब धीरे-धीरे पिघलने भी लगा है।

जानकारी के मुताबिक, जम्मू से करीब 7,000 श्रद्धालुओं का एक और जत्था शनिवार को रवाना हुआ। अब तक कुल 30 हजार से अधिक श्रद्धालु कश्मीर पहुंच चुके हैं। नूनवान बेस कैंप से भी आज श्रद्धालुओं का एक नया जत्था रवाना हुआ। जानकारी के मुताबिक, आज श्रद्धालु भगवती नगर आधार शिविर से दो काफिलों में रवाना हुए।

- चौथे दिन सात हजार यात्री अमरनाथ के लिए रवाना हुए।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद से अब तक कुल 25,528 श्रद्धालु जम्मू से अमरनाथ यात्रा के लिए घाटी की ओर रवाना हो चुके हैं।

खास बात यह है कि पहले ऐसा लग रहा था कि पहलगाम हमले के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

रूट में आंशिक बदलाव से कुंभलगढ़ में मुहर्रम विवाद सुलझा

भविष्य में किले में धार्मिक आयोजन पूर्व अनुमति व पुरातत्व के दिशा निर्देश के अनुसार ही होंगे

उदयपुर, 5 जुलाई (कासं)। राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ दुर्ग में मोहर्रम पर ताजिए के जुलूस को लेकर पिछले दो दिन से चल रहा विवाद शनिवार को समाप्त हो गया। उपखंड कार्यालय कुंभलगढ़ में प्रशासन, हिंदू संघर्ष समिति और जनप्रतिनिधियों के बीच हुई समझौता वार्ता में सहमति बन गई। तय हुआ कि इस बार मोहर्रम के जुलूस के पूर्व निर्धारित रूट में थोड़ा बदलाव किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार बैठक में निर्णय हुआ कि भविष्य में दुर्ग परिसर या उसके भीतर किसी भी धार्मिक आयोजन की अनुमति प्रशासन की स्वीकृति और पुरातत्व विभाग की गाइडलाइन के अनुरूप दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मोहर्रम जुलूस को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा दो दिन तक विरोध प्रदर्शन किया गया था। शुक्रवार को केलवाडा बस स्टैंड और प्रताप चौराहे पर सैकड़ों लोगों ने टायर जलाकर भारतीय पुरातत्व विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उपखंड कार्यालय के बाहर पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों का पुतला भी फूंका गया। विरोध के कारण केलवाडा कस्बे के बाजार बंद कराए गए थे जो अब समझौते के बाद पुनः खुल गए हैं।

- समझौते के बाद दो दिन से चल रहा विरोध प्रदर्शन बंद हुआ।
- केलवाड़ा कस्बे के बाजार खुले।

वार्ता में विधायक सुरेंद्र सिंह राठौड़, एडीएम नरेश बुनकर, एसडीएम आकांक्षा दुबे, तहसीलदार बाबूलाल नारनौलिया, एडिशनल एसपी महेंद्र पारीक, डीएसपी ज्ञानेंद्र सिंह, थानाधिकारी विशाल गवारिया और हिंदू संघर्ष समिति के प्रतिनिधि शामिल रहे। हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक रजनीश शर्मा समेत पांच सदस्यों ने वार्ता में हिस्सा लिया।

विवाद को लेकर हिंदू संघर्ष समिति का कहना था कि जब भी हिंदू समाज द्वारा दुर्ग परिसर में धार्मिक आयोजन की अनुमति मांगी जाती है तो भारतीय पुरातत्व विभाग शासकीय स्वीकृति का हवाला देकर मना कर देता है। जबकि वर्षों से मोहर्रम, बारावफात और छड़ी जुलूस बिना अनुमति के निकाले जाते रहे हैं। इसी भेदभाव को लेकर समिति ने विरोध जताया था। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अब सभी धार्मिक आयोजन प्रशासन और पुरातत्व विभाग की पूर्व अनुमति व दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही संपन्न होंगे। मोहर्रम का जुलूस भी इस बार निर्धारित रूट से थोडा संक्षिप्त करते हुए निकाला जाएगा, ताकि सभी पक्ष संतुष्ट रहे और क्षेत्र में सद्भावना बना रहे।

'देखना मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेरू जैसे अन्य साझेदारों के साथ भी इसी तरह की वार्ताएं चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) तभी संभव है जब दोनों पक्षों को समान रूप से लाभ हो।

गोयल ने आगे कहा, "मुक्त व्यापार समझौता तभी संभव है जब पारस्परिक लाभ हो। भारत कभी भी किसी समयसीमा या दबाव के आधार पर व्यापार समझौते में शामिल नहीं होता। कोई समझौता तभी स्वीकार किया जाता है जब वह पूरी तरह परिपक्व हो, अच्छी तरह से बातचीत की गई हो और राष्ट्रीय हित में हो।"

सड़क हादसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीर्थयात्री सुरक्षित हैं। उन्हें मामूली चोटें आई हैं और उन्हें जल्द ही अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी। खान ने बताया कि सभी तीर्थयात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

हड्डियों पर माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन कर रहे हैं शुभांशु

नई दिल्ली, 05 जुलाई। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत अभी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर हैं। एक दिन के आराम के बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ अंतरिक्ष में हड्डियों पर सूक्ष्म माइक्रोग्रैविटी के असर का अध्ययन शुरू किया। यह प्रयोग यह जानने के लिए किया जा रहा है कि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी से हड्डियों पर क्या असर पड़ता है और इससे धरती पर ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) जैसी बीमारियों के उपचार में कैसे मदद कर सकती है। आंकड़ों की मदद से एक डिजिटल ट्विन यानी वर्चुअल मॉडल बनाया जा रहा है, जो यह दिखा सकेगा कि किसी अंतरिक्ष यात्री की हड्डियां अंतरिक्ष में कैसे प्रतिक्रिया देती हैं और कैसे ठीक होती हैं। यह व्यक्तिगत तरीका भविष्य में मिशन की योजना बनाते समय अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य जोखिमों का आकलन करने और उनके लिए उपयुक्त समाधान तैयार करने में मदद करेगा।

'राहुल के फोटो वाले सैनेटरी पैड का वितरण "फेक न्यूज़" है'

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। कांग्रेस ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी-भाजपा सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोटो छापकर फर्जी वीडियो चला रही है और इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा इसलिए इस मुद्दे पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा भाजपा और उनके लोग एक फेक वीडियो चला रहे हैं, जिसमें राहुल गांधी जी की फोटो एक सेनेटरी पैड पर लगी हुई है।

यह पूरी तरह से फेक है-इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। भाजपा नफरत में इतना गिर गई कि बहन-बेटियों को भी नहीं बख्श रहे हैं और उसको लेकर भी फर्ज़ी न्यूज फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

- कांग्रेस ने यह दावा करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा यह फर्जी वीडियो चला रही है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी भाजपा के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करेगी।

कांग्रेस नेता ने चेतावनी देते हुए कहा कि सैनेटरी पैड पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का चित्र छापा गया है और भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसे लेकर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यूपी सरकार ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैं। सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि हर त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो।"

विपक्षी नेता इस आदेश से आक्रोशित हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह आदेश एक भटकाने वाली रणनीति है, क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के पास दिखाने के लिए कोई उपलब्धि नहीं है। उन्होंने कहा कि इस आदेश को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। शमा मोहम्मद ने कहा, "उनका इरादा यह दिखाने का है कि यह मुस्लिम दुकान है और वह हिंदू दुकान है। यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है।"

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी उत्तर प्रदेश सरकार की निंदा की और कहा कि मुज़फ्फरनगर बाईपास पर होटल और दुकानें दस वर्षों से हैं, और अब तक कांवड़ यात्रा शांति से संपन्न होती रही है, "अब यह सब क्यों हो रहा है? अब वे होटल मालिकों से आधार कार्ड माँग रहे हैं। वे दुकानदारों से उनकी पैंट उतरवा रहे हैं।"

'लड़ाई और बंटवारा तो हर घर में होता है'

राबड़ी देवी ने बेटे तेज प्रताप यादव को परिवार व पार्टी से निकाले जाने पर टिप्पणी की

पटना, 5 जुलाई। तेज प्रताप यादव को लालू परिवार और राजद से 6 साल के लिए निष्कासित किए जाने पर पहली बार राबड़ी देवी ने बयान दिया है। शुक्रवार राष्ट्रीय जनता दल के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में राबड़ी देवी ने तेज प्रताप यादव विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इस कार्यक्रम में लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी सहित राजद के सभी बड़े नेता मौजूद थे।

इस कार्यक्रम को मंच से संबोधित करते हुए राबड़ी देवी ने तेज प्रताप विवाद पर कहा, "छोटा घर हो या बड़ा घर में, सबके घर में लड़ाई है, सबके घर में बंटवारा है भाई-भाई में।

इस कार्यक्रम में लालू यादव को फिर से निर्विरोध राजद का राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों पर नीतीश सरकार को जमकर घेरा तो लालू यादव ने लोगों को विश्वास दिलाया कि हम आपके विश्वास को झुकने नहीं देंगे।

- राजद के स्थापना दिवस कार्यक्रम में लालू यादव को पार्टी का अध्यक्ष घोषित किया गया।

इस कार्यक्रम में लालू यादव ने तेजस्वी यादव को लेकर कहा, तेजस्वी रात-दिन एक-कर हर चीजों को देखते हैं, हर जगह जाते हैं। तेजस्वी को हमने आगे खड़ा किया है। चुनाव आ रहा है। इसमें तेजस्वी यादव को जिम्मेदारी देनी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम अपने स्वास्थ्य की चिंता नहीं करते हैं। रोजाना तेजस्वी से पूछते हैं कि कब क्या हो रहा है।

तेज प्रताप पर केवल राबड़ी देवी का ही बयान सामने आया है। लालू यादव और तेजस्वी का कोई बयान सामने नहीं आया है। मालूम हो कि कथित गर्लफ्रेंड अनुष्का यादव के साथ वाली तस्वीर सामने आने के बाद तेज प्रताप यादव को लालू यादव ने पार्टी और परिवार से 6 साल से निष्कासित कर दिया था।

पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया के अलावा, मीडिया से हुई बातचीत में भी माता-पिता को भगवान मानने की बात कही हैं। तेज प्रताप ने यह भी कहा कि तेजस्वी को सीएम बनाना है।

रोहित गोदारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गैंगस्टर रोहित गोदारा बताते हुए 5 करोड़ की फिरौती मांगी थी। उसने कहा था कि यदि रुपए नहीं दिए तो उनके पूरे परिवार को जान से मार देंगे। कॉल के दो मिनट बाद शाम 7:15 बजे एक वॉइस नोट भी मिला।

चार जुलाई को एक और वॉइस मैसेज भेजा गया जिसमें रुपए नहीं देने पर धमकी दी गई। सीईओ ने जान को खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा की मांग की।

भगोड़े नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। भगोड़े हीरा व्यापारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के एक मुख्य आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है।

सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नेहल मोदी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारतीय एजेन्सियों केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)और प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर की गयी है। नेहल मोदी पर देश के सबसे बड़े बैंक घोटालों में से एक पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में नीरव मोदी से संबंधित सबूतों को छिपाने , गवाहों को धमकाने और पैसों को छिपाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

सूत्रों ने कहा कि अब नेहल मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कार्यवाही में तेजी लाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तालमेल किया जाएगा।

- सूत्रों के अनुसार अमेरिका के न्याय विभाग ने नीरव मोदी के भाई नेहल मोदी की गिरफ्तारी सीबीआई व ईडी के आग्रह पर की है। नेहल पर अपने भाई के अपराध के सबूत छिपाने का आरोप है।

नेहल मोदी की गिरफ्तारी को 13 हजार करोड़ रूपये के बैंक घोटाले से जुड़े मामले में बड़ी कानूनी सफलता माना जा रहा है।

'मैं 30-40 साल और जिंदा रहूंगा'

धर्मशाला, 05 जुलाई। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने अपने 90वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर शनिवार को धर्मशाला के मक्लोडगंज में स्थित मुख्य मंदिर त्सुगलाखांग में आयोजित एक विशेष प्रार्थना समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने अपनी सेहत और लंबी उम्र को लेकर चल रही अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि उनके पास अवलोकितेश्वर (करुणा के बौद्ध देवता) का आशीर्वाद है और वह अगले 30-40 साल तक लोगों की सेवा करना चाहते हैं। दलाई लामा ने समारोह में मौजूद 15,000 से ज्यादा भक्तों को संबोधित करते हुए कहा, मुझे कई संकेत मिले हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद मेरे साथ है। मैंने अब तक अपनी पूरी कोशिश की है और मैं उम्मीद करता हूं कि मैं अभी 30-40 साल और जिऊंगा। आपकी दुआओं का फल मुझे मिला है। उन्होंने यह भी बताया कि बचपन से ही उन्हें लगता था कि उनका अवलोकितेश्वर से गहरा नाता है। हंसते हुए उन्होंने कहा, मैं 130 साल से ज्यादा जीना चाहता हूं ताकि बुद्ध धर्म और तिब्बत के लोगों की सेवा और कर सकूं। हाल ही में दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर कई अफवाहें उड़ रही थीं, खासकर इसलिए क्योंकि उनका 90वां जन्मदिन नजदीक आ रहा था।

हिमाचल में भारी बारिश से अब तक 72 की मौत, 37 लापता

बादल फटने और भारी बारिश से हिमाचल में भारी तबाही हुई है

शिमला, 5 जुलाई। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाएं लोगों की जिंदगियों पर कहर बनकर टूटी हैं। हिमाचल में बादल फटने और बादल फटने से आई तबाही में अब तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 37 लोग अभी भी लापता हैं।

हालांकि मॉनसून के दौरान हिमाचल की परेशानी कम नहीं हुई है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए हिमाचल में रेड अलर्ट जारी किया है। इसे लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार पूरी तरह से अलर्ट है। साथ ही उन्होंने राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की भी बात कही है।

- हिमाचल में बादल फटने की 21 घटनाएं हुई हैं, उसकी वजह से राज्य भर में बाढ़ आई हुई है।
- मौसम विभाग ने एक बार फिर रैड अलर्ट जारी किया, जिससे लोगों में भारी चिंता है।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बादल फटने की करीब 19 घटनाओं और इसके बाद अचानक आई बाढ़ के कारण व्यापक तबाही हुई है। इन घटनाओं में 72 लोगों की मौत हो चुकी है और 37 लोग लापता हैं।

हिमाचल में मौसम विभाग की रेड अलर्ट की चेतावनी ने एक बार फिर चिंता को बढ़ा दिया है। मौसम विभाग ने हिमाचल के 3 जिलों में 6 जुलाई के लिए रेड अलर्ट की चेतावनी दी है और अन्य जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

उद्धव ठाकरे-राज...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुड़ी है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के संस्थापक के रूप में राज ठाकरे की राजनीति आक्रामक क्षेत्रीयता और उत्तर भारतीय प्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख पर आधारित थी- एक छवि जिसे अखिल भारतीय दृष्टिकोण रखने वाली कांग्रेस के लिए स्वीकार करना कठिन है। हालांकि राज ठाकरे ने हाल ही में अपने भाषण और रवैये में नरमी दिखाई है, फिर भी कांग्रेस के कई नेता उनके पुराने विचारों से खुद को जोड़ने में हिचकिचाते हैं।

कांग्रेस के राष्ट्रीय रणनीतिकारों के लिए, राज ठाकरे के साथ मंच साझा करना आगामी महत्वपूर्ण चुनावों, खासकर उत्तर भारत में, नुकसानदायक हो सकता है जहां पार्टी फिर से अपनी जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है। इसी के साथ, उद्धव और राज ठाकरे के बीच संबंधों में आती मजबूती ने एमवीए में शक्ति संतुलन और इसकी एकजुटता के भविष्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब यह देखना बाकी है कि ठाकरे भाइयों का यह पुनर्मिलन केवल प्रतीकात्मक है या यह एक ठोस राजनीतिक मोर्चा बनकर उभरेगा। यदि यह एक नया राजनीतिक मंच बनता है, तो यह महाराष्ट्र की विपक्षी राजनीति में कांग्रेस को हाशिए पर धकेल सकता है-विशेषकर उस स्थिति में अगर क्षेत्रीय ताकतें भाजपा और कांग्रेस के वर्चस्व से हटकर एक तीसरा रास्ता तलाशना चाहें। फिलहाल, कांग्रेस की अनुपस्थिति को अनदेखा नहीं किया गया है-और उसकी यह चुप्पी, जितनी दिखती है, उससे कहीं अधिक महंगी साबित हो सकती है।

'नैशनल हैरल्ड को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थापना 1937 में जवाहरलाल नेहरू, जे.बी. कृपलानी, रफी अहमद किदवई और अन्य लोगों द्वारा की गई थी।"

चीमा ने कहा, "एजेएल का एमओए साफ़ तौर पर कहता है कि उसकी नीति, कांग्रेस की नीति के अनुसार होगी। एजेएल ने कभी लाभ अर्जित नहीं किया। स्वतंत्रता के बाद यह कभी व्यावसायिक संस्था नहीं रही। हम एआईसीसी के माध्यम से उस संस्था को वापस पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे थे जो स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का हिस्सा है। मुद्दा ऋण की वसूली नहीं, बल्कि संस्था को पुनर्जीवित करने का था। एआईसीसी का मकसद बिक्री से लाभ कमाना नहीं था। यह पूरी कहानी का विकृत रूप है।"

ईडी का यह भी आरोप है कि गांधी परिवार ने 90 करोड़ के ऋण के बदले में एजेएल की संपत्तियाँ यंग इंडियन के ज़रिए हड़प लीं, जिसमें उनका 76 प्रतिशत शेयर है।

- ईडी इस मामले में सोनिया व राहुल से पूछताछ कर चुका है। ईडी की चार्जशीट में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी व स्वर्गीय मोतीलाल वोरा, स्व. ऑस्कर फर्नांडिस के भी नाम हैं।

इससे पहले शुक्रवार को, वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सोनिया गांधी की ओर से अपनी दलीलें पूरी कीं।

3 जुलाई को, वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने आरोपपत्र की वैधता के मुद्दे पर दलील देते हुए कहा कि गांधी परिवार यंग इंडियन के लाभार्थी मालिक हैं और अन्य शेयरधारकों की मृत्यु के बाद उन्होंने इस पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया।

ईडी ने गांधी परिवार और अन्य के खिलाफ धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 3 और धारा 4 के तहत आरोपपत्र दाखिल किया है।

इस आरोपपत्र में सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, सुनील भंडारी, यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज़ प्राइवेट लिमिटेड के नाम भी शामिल हैं।

5 साल की बच्ची ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पिता को खेत से पीड़िता के कपड़े और चप्पल मिली। बालिका के पिता की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को घटना के बारे में जानकारी दी। वहीं अभियुक्त ने कहा कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है।

पुरी में भगवान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीनों देवता 27 जून को रथ यात्रा के दौरान जगन्नाथ मंदिर से निकले और अपना जन्मस्थान माने जाने वाले गुंडिचा मंदिर पहुंचे। वे वहां एक सप्ताह तक रहे और जगन्नाथ मंदिर लौट आए।

रथयात्रा में शहर में सुरक्षा के लिए कई स्तर के प्रबंध किए गए थे और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती की गई थी ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पौराणिक कथाओं के अनुसार तीनों देवता अपने जन्मस्थान गुंडिचा मंदिर में अपने वार्षिक नौ दिवसीय प्रवास को समाप्त करते हैं और अपने भव्य रथों पर सवार होकर जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। आधार पना (एक विशेष पेय) अनुष्ठान के बाद देवता नीलाद्री बिजे में जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करेंगे जो रथ यात्रा का समापन होगा।

24 जून को चुनाव आयोग द्वारा जारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रक्रिया लंबी हो जाती है, जिसमें हलफनामा और देरी हो जाने पर प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट का आदेश भी लेना पड़ सकता है। बिहार इस मामले में बहुत कमजोर रिकॉर्ड रखता है।

साल 2000 में, जब भारत का रजिस्ट्रार जनरल डेटा रिकॉर्डिंग शुरू कर चुका था, बिहार में सिर्फ 1.19 लाख जन्मों का पंजीकरण हुआ, जो उस साल अनुमानित जन्मों का सिर्फ 3.7 प्रतिशत था। बिहार में जन्म पंजीकरण की दर धीरे-धीरे बढ़ी, लेकिन 2007 में भी, जो लोग इस वर्ष 18 वर्ष के होकर 2025 में मतदान का पात्र बने, केवल 7.13 लाख जन्म पंजीकृत हुए, जो उस साल अनुमानित जन्मों का एक-चौथाई था।

पासपोर्ट की मांग, एक और दस्तावेज़ है, जो अजीब है, क्योंकि 2023 तक बिहार में वैध पासपोर्टों की संख्या सिर्फ 27.44 लाख थी, जो कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत ही थी।

मैट्रिक या शैक्षिणक प्रमाणपत्र, जो मान्यता प्राप्त बोर्डों/विश्वविद्यालयों द्वारा जारी होते हैं: सी.बी.एस.सी., आई.सी.एस.सी. और बिहार राज्य बोर्ड जैसे बोर्ड इन्हें देते हैं। बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार राज्य की केवल 14.71 प्रतिशत आबादी कक्षा 10 उत्तीर्ण है। यह दर और भी कम है क्योंकि राज्य में ड्रॉप-आउट दर 26 प्रतिशत (कक्षा 6-8) है, जैसा कि शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने 3 फरवरी, 2025 को लोकसभा में बताया।

स्थायी निवास प्रमाणपत्र, जिसे डोमिसाइल सर्टिफिकेट भी कहा जाता है, यह प्रमाणित करता है कि आवेदक स्थायी निवासी है। इसके लिए आवेदक को आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी, मैट्रिक प्रमाणपत्र और स्थायी निवास का हलफनामा प्रस्तुत करना होता है; फॉर्म बी.डी.ओ. या कार्यपालक मजिस्ट्रेट को जमा करना होता है। इसमें 15 दिनों तक समय लग सकता है, और दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

वन अधिकार प्रमाणपत्र, प्राप्त करना आसान नहीं है। 1 जून 2025 तक हमारे पास विविध जनजातीय मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में इस अधिनियम के तहत केवल 4,696 दाखिले प्राप्त हुए, जिनमें से केवल 191 को प्रदान किया गया और 4,496 दाखिले अस्वीकृत कर दिए गए।

ओ.बी.सी./एस.सी./एस.टी. या किसी भी जाति का प्रमाणपत्र, जो सक्षम प्राधिकरण द्वारा जारी किया जाता है: बिहार जाति सर्वे 2022 के अनुसार, बिहार की कुल आबादी 13.07 करोड़ थी। इसमें से: ओ.बी.सी. 3.54 करोड़ (27 प्रतिशत), ई.बी.सी. 4.70 करोड़ (36 प्रतिशत), एस.सी. 2.6 करोड़ (20 प्रतिशत), एस.टी. 22 लाख (1.6 प्रतिशत। लेकिन इनमें से कितनों को इन जाति प्रमाणपत्रों का लाभ मिला, इसका कोई आंकड़ा मौजूद नहीं है।

यदि कोई व्यक्ति इनमें से कोई एक भी दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो चुनाव आयोग के निर्देश धारा 5बी के अनुसार, संबंधित अधिकारी "संदिग्ध विदेशी नागरिकों" के मामलों को नागरिकता अधिनियम के अंतर्गत काबिल प्राधिकारी के पास भेज सकते हैं।

चुनाव आयोग ने पूरी प्रक्रिया को मतदाताओं के अनुकूल बनाने की इण्डिया ब्लॉक की अपील को नहीं माना।

चुनाव आयोग की इस पहल को सोशल मीडिया पर वोटबंदी कहा जा रहा है, जैसे 2016 की नोटबंदी और कोविड-19 के समय की देशबंदी।

बिहार में विधानसभा चुनाव इस वर्ष के अंत में होने हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908